आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	32°C	16°C

इनसाइड न्यूज

यूपी-यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक पर एमओयू...

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

शुक्रवार 27 फरवरी, 2026 | पेज: 12 | मूल्य: ₹ 3.00/- लखनऊ | वर्ष: 17, अंक: 137 | www.janexpresslive.com/epaper

डीएनपीए कॉन्क्लेव 2026 प्लेटफॉर्म्स... 12

पीएम का दौरा 'रिच और प्रोडक्टिव': विदेश सचिव

प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल दौरे को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 'रिच और प्रोडक्टिव' बताया है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे से कुछ अधिक समय की यह यात्रा छोटी जरूर थी, लेकिन उपलब्धियों के लिहाज से बेहद समृद्ध रही। विदेश सचिव ने कहा कि यह दौरा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निमंत्रण पर हुआ और इससे भारत-इजराइल संबंधों को नई दिशा मिली है। उन्होंने बताया कि यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वे पश्चिम एशिया के देशों के साथ भारत के रिश्तों को सक्रिय रूप से मजबूत कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में प्रधानमंत्री कुवैत, सऊदी अरब, जॉर्डन, ओमान और अब इजराइल की यात्रा कर चुके हैं।

मोदी बोले, इजराइल का संसदीय सम्मान देने के लिए शुक्रिया

मोदी ने कहा कि कल मुझे इजराइल की संसद को संबोधित करने का मौका मिला। वहां मुझे स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल से भी सम्मानित किया गया। मैं इस सम्मान के लिए नेसेट के स्पीकर और मेरे मित्र पीएम नेतन्याहू और इजराइल के लोगों का हार्दिक धन्यवाद करता हूं। और इसे 140 करोड़ भारतवासी और भारत इजराइल मित्रता को समर्पित करता हूं।

इजराइल में भारतीय यूपीआई चलेगा

मोदी-नेतन्याहू की बैठक में समझौता: मोदी बोले, जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे, इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। तेल अवीव

प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल दौरे का आज आखिरी दिन हैं। मोदी दौरे के दूसरे दिन सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल 'याद वाशेम' पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया। फिर पीएम मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू ने द्विपक्षीय मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान बताया गया है कि इजराइल में भी अब भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेगा। मोदी बुधवार को इजराइल पहुंचे थे। नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया गया। मोदी नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।

भारत और इजराइल के बीच 16 एमओयू और समझौते साइन हुए

मिस्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के बाद करीब 16 एमओयू और समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। ये समझौते विज्ञान, तकनीक, नवाचार, साइबर सिक्योरिटी, कृषि, जल प्रबंधन, रक्षा, व्यापार और आर्थिक सहयोग समेत कई क्षेत्रों से जुड़े हैं। भारत-इजराइल संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फॉर पीस, इनोवेशन एंड प्रॉस्पेरिटी' तक अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला दोनों देशों के बीच गहरे विश्वास और मजबूत साझेदारी का प्रतीक है।

हिटलर के शासन में मारे गए यहूदियों की याद में बना 'यद वाशेम' स्मारक

याद वाशेम होलोकॉस्ट के दौरान मारे गए लाखों यहूदियों की याद में बनाया गया है। यह स्मारक इजराइल की राजधानी यरुशलम में स्थित है और हर साल दुनिया भर से लोग यहां आकर इतिहास को समझते हैं और श्रद्धांजलि देते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के तानाशाह एडॉल्फ हिटलर ने लगभग 60 लाख यहूदियों की हत्या कर दी थी। इस नरसंहार को होलोकॉस्ट कहा जाता है। इजराइल की संसद नेसेट ने साल 1953 में फैसला किया कि होलोकॉस्ट में मारे गए लोगों की याद में एक खास स्मारक बनाया जाए। बाद में 2005 में यहां एक आधुनिक संग्रहालय खोला गया, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस त्रासदी को समझ सकें। याद वाशेम परिसर में होलोकॉस्ट संग्रहालय, हॉल ऑफ नेम्स, बच्चों का स्मारक और राइटियस अमंग द नेशंस गार्डन जैसी जगहें मौजूद हैं। यहां असली दस्तावेज, तस्वीरें और पीडितों की व्यक्तिगत कहानियां सुरक्षित रखी गई हैं। याद वाशेम नाम का अर्थ है याद और नाम, यानी जिन लोगों को मिटाने की कोशिश की गई, उनकी याद हमेशा जिंदा रहे।

'मोदी इजराइली संसद का सम्मान पाने वाले पहले शख्स'

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत-इजराइल संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए पीएम मोदी को इजराइली संसद का सम्मान मिला। 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' पाने वाले पीएम मोदी पहले शख्स हैं। मिस्री ने बताया कि आज सुबह पीएम मोदी ने यद वाशेम, वर्ल्ड होलोकॉस्ट रिमेम्ब्रेंस सेंटर में होलोकॉस्ट पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत ओक का पौधा लगाया। पीएम मोदी और पीएम नेतन्याहू के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में दोनों देशों ने विज्ञान, तकनीक, नवाचार, साइबर सिक्योरिटी, कृषि, जल प्रबंधन, रक्षा, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई।

मोदी बोले, दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल इस बात पर पूरी तरह सहमत हैं कि दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं है। किसी भी रूप में आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हम अब तक कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता भारत की सुरक्षा से सीधे जुड़ी है। इसलिए हमने हमेशा बातचीत और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही ग्लोबल साउथ और पूरी मानवता की भी मांग है। गाजा पीस प्लान से शांति की दिशा में एक रास्ता बना है। भारत ने इन प्रयासों का पूरा समर्थन किया है। आगे भी हम सभी देशों के साथ बातचीत और सहयोग जारी रखेंगे।

पीएम मोदी के संबोधन की 7 बड़ी बातें...

इजराइल में स्वागत पर- मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और वहां की जनता का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद दिया। नेसेट (इजराइली संसद) से मिले सम्मान को उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों और भारत-इजराइल दोस्ती को समर्पित किया।

- **भारत-इजराइल रिश्ते और मजबूत होंगे:** दोनों देशों के रिश्ते भरोसे, लोकतंत्र और इंसानी मूल्यों पर बने हैं। अब इस रिश्ते को स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का फैसला हुआ है। यह दोनों देशों के लोगों की उम्मीदों को दर्शाता है।
- **व्यापार और टेक्नोलॉजी में सहयोग:** दोनों देश व्यापार और निवेश बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। जल्द ही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा करने की कोशिश होगी। एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी और जरूरी खनिज जैसे क्षेत्रों में साथ काम होगा। इजराइल में यूपीआई इस्तेमाल के लिए समझौता हुआ है।
- **रक्षा, अंतरिक्ष और ऊर्जा सहयोग:** रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों का भरोसेमंद सहयोग है, जिसे और बढ़ाया जाएगा। जॉइंट डेवलपमेंट, प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर काम होगा। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस सेक्टर में भी साझेदारी बढ़ेगी।
- **किसानों और गांवों के लिए नई पहल-** कृषि क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग पहले से सफल रहा है। भारत में इजराइल की मदद से बने सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस की संख्या 100 तक बढ़ाई जाएगी। गांव-गांव तक नई खेती तकनीक पहुंचाने के लिए 'विलेज ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे। इससे किसानों की आय और उत्पादन बढ़ेगा।
- **लोगों और युवाओं को जोड़ने पर जोर-** भारतीय कामगारों ने इजराइल में मेहनत से भरोसा जीता है। अब सहयोग को कॉमर्स और सर्विस सेक्टर तक बढ़ाया जाएगा। युवाओं और रिसर्चर्स को जोड़ने के लिए इंडिया-इजराइल अकादमिक फोरम बनेगा।
- **वैश्विक मुद्दों पर साझेदारी-** दोनों देशों ने आईएमईसी कॉरिडोर और आई2यू2 ग्रुप जैसे प्रोजेक्ट आगे बढ़ाने पर चर्चा की। भारत और इजराइल का साफ संदेश है, दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं। पश्चिम एशिया में शांति भारत के लिए भी जरूरी है, इसलिए भारत संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी से कहा, माफी काफी नहीं हार्ड कॉपी वापस लें, डिजिटल कॉपी हटाएं

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब के विवादित अंश को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले पर सुनवाई के दौरान एनसीईआरटी की आठवीं की उस किताब पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाला हिस्सा है। किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' वाले अंश को लेकर उपजे विवाद पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने सुनवाई की। चीफ जस्टिस ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि इस मामले में एनसीईआरटी का माफी मांगना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी किताब बच्चों तक जाने देना गलत होगा। न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखना जरूरी है। शिक्षा सचिव और एनसीईआरटी को नोटिस जारी करते हुए सर्वोच्च अदालत ने कहा कि जब तक कोर्ट संतुष्ट नहीं हो जाता, सुनवाई जारी रहेगी। ▶ संबंधित खबर पेज 12 पर

एनसीईआरटी के निदेशक को कारण बताना होगा

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को इस किताब की सभी कॉपियों को जब्त करने का आदेश दिया है और साथ ही इसके डिजिटल प्रिंट को भी हटाने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर उसके इस आदेश के पालन में कोताही बरती गई तो गंभीर कार्रवाई की जाएगी।
- सर्वोच्च अदालत ने एनसीईआरटी के निदेशक, स्कूली शिक्षा सचिव को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है और ये पूछा है कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यह न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए जानबूझकर किया गया कृत्य लगता है।
- सुनवाई के दौरान एनसीईआरटी ने कहा कि वे बिना शर्त माफी मांगने को तैयार हैं। किताब से विवादित अंश को भी हटा दिया जाएगा। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि केवल माफी मांगना और किताब से आपत्तिजनक अंशों को हटाना पर्याप्त नहीं है। एनसीईआरटी के निदेशक को कारण बताना होगा। ये सोच-समझकर उठाया गया कदम है। अदालत ने सवाल किया कि इस मामले को अवमानना क्यों न माना जाए?
- पीठ ने कहा कि मामला आपराधिक अवमानना के दायरे में आता है। हम इसकी विस्तृत जांच चाहते हैं।
- अदालत ने कहा कि अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो इससे लोगों का न्यायपालिका में विश्वास कमजोर होगा। किसी को भी ऐसा करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।
- सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 11 मार्च तक टाल दी है।

'किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं'

- गौरतलब है कि बुधवार को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और मुकुल रोहतगी ने सीजेआई के सामने यह मामला उठाया था। इसके बाद, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने एनसीईआरटी किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' चैप्टर पर कड़ी नाराजगी जताई। सीजेआई ने कहा कि किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।
- नाराजगी जाहिर करते हुए सीजेआई ने कहा, 'संस्था का प्रमुख होने के नाते मैंने हमेशा अपने दायित्व को निभाया है। मैं किसी को इस बात की इजाजत नहीं दूंगा कि वो न्यायपालिका को बदनाम करें। किसी कीमत पर मैं इसकी इजाजत नहीं दूंगा, कोई कितना भी बड़ा क्यों न हो। कानून अपना काम करेगा। मैं जानता हूं कि इससे कैसे निपटा जाए। मैं स्वतः संज्ञान ले रहा हूं।'
- दरअसल, एनसीईआरटी ने 24 फरवरी को कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की नई किताब जारी की, लेकिन किताब के एक अध्याय में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का एक सेक्शन था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) ने माफी मांगी है और विवादित चैप्टर वाली कक्षा 8 की किताब के वितरण पर रोक लगाई है।
- मामला सामने आने के बाद स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने तुरंत निर्देश दिया कि अगली सूचना तक इस किताब का वितरण रोक दिया जाए। एनसीईआरटी ने आदेश मानते हुए किताब की आपूर्ति पर रोक लगा दी है।

भ्रष्टाचार वाले विभाग के अधिकारी ही जांच टीम में शामिल, उठे निष्पक्षता पर सवाल

जन एक्सप्रेस। शत्रुघ्न सिंह

उरई। जिला मुख्यालय स्थित भूमि संरक्षण अधिकारी राष्ट्रीय जलागम उरई कार्यालय और डीडी कार्यालय में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर लाखों रुपये के कथित फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जहां एक ओर दो कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है, वहीं दूसरी ओर जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। सबसे अहम प्रश्न यह उठ रहा है कि जिन विभागों से कथित गोलमाल की शुरुआत हुई, उन्हीं विभागों के अधिकारियों को जांच टीम में शामिल किया जाना क्या जांच को प्रभावित करने की कोशिश तो नहीं? नगर में इस बात को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है और लोग इसे जांच की पारदर्शिता से जोड़कर देख रहे हैं।

अन्य विभाग भी शक के घेरे में

सूत्रों की मानें तो जनपद के कई अन्य विभागों में भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति के मामलों में अनियमितताओं की फाइलें दबे होने की चर्चा है। यदि वर्तमान मामले की गहन जांच होती है, तो कई और विभागों के नाम सामने आ सकते हैं। इसी संभावना ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों, विशेषकर लिपिक वर्ग में बेचैनी बढ़ा दी है। चर्चा है कि कई स्थानों पर पुराने अभिलेखों को खंगाला जा रहा है और दस्तावेजों को दुरुस्त करने की कवायद शुरू हो गई है।

दो कर्मचारियों पर दर्ज हुई एफआईआर

जानकारी के अनुसार, चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर कागजी हेराफेरी कर लाखों रुपये निकालने के आरोप में भूमि संरक्षण अधिकारी राष्ट्रीय जलागम उरई कार्यालय में तैनात श्यामजी (वरिष्ठ सहायक) तथा डीडी कार्यालय के हर्ष वर्मा (कनिष्ठ सहायक) के विरुद्ध दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। बताया जा रहा है कि चिकित्सा बिलों और प्रतिपूर्ति प्रक्रिया में दस्तावेजों की हेराफेरी कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। जांच में प्राथमिक स्तर पर अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद मामला दर्ज किया गया।

जांच टीम पर उठ रहे सवाल

हालांकि कार्रवाई के बाद भी जनता के मन में एक संशय बना हुआ है। नगरवासियों का कहना है कि यदि उसी विभाग के अधिकारी जांच टीम का हिस्सा होंगे, जहां से अनियमितताओं की शुरुआत हुई, तो क्या जांच निष्पक्ष और पारदर्शी रह पाएगी? लोगों का मानना है कि निष्पक्ष जांच के लिए बाहरी अथवा स्वतंत्र एजेंसी को शामिल किया जाना चाहिए था। अन्यथा, मामले के पूर्ण खुलासे के बजाय इसे सीमित दायरे में समेटे जाने की आशंका बनी रहेगी।

पारदर्शिता की मांग तेज

नगर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष और व्यापक रूप से की जाती है, तो यह पूरे जनपद में एक सकारात्मक संदेश देगा। वहीं यदि जांच केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है, तो इससे भ्रष्टाचार को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलने की आशंका बनी रहेगी। अब सभी की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई और जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। क्या यह मामला केवल दो कर्मचारियों तक सीमित रहेगा या फिर अन्य विभागों में भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर चल रहे खेल का बड़ा खुलासा होगा यह आने वाला समय ही तय करेगा।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, मेडिकल जांच में यौन उत्पीड़न की पुष्टि का दावा

जन एक्सप्रेस। प्रयागराज

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाले नाबालिगों के साथ यौन उत्पीड़न की पुष्टि होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। एक धर्मगुरु के शिष्य के मुताबिक

मेडिकल जांच में बच्चों का यौन शोषण किया गया है। हालांकि इस बारे में जब पुलिस अधिकारियों से पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। बेली अस्पताल में बच्चों की उम्र और यौन उत्पीड़न की जांच की गई है। रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न की पुष्टि का दावा किया जा रहा है। हालांकि रिपोर्ट की किसी अधिकारी की तरफ से पुष्टि नहीं की गई है। इसके अलावा बच्चों की सही उम्र का पता लगाने के लिए भी दांतों की जांच की गई है। इसकी रिपोर्ट का भी इंतजार है। बताया जा रहा है कि सभी जांच रिपोर्ट विवेचना अधिकारी को सौंपी जाएगी और उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। इसके आधार पर ही मुकदमे की आगे की कार्रवाई होगी। नाबालिगों के यौन शोषण के आरोप से घिरे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद की अग्रिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई होगी।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम में भुगतान संकट गहराया

817 करोड़ से अधिक की एफटीओ राशि लंबित, हजारों मजदूरों की होली पर संकट

जन एक्सप्रेस। संतोष कुमार दीक्षित

लखनऊ। होली का त्योहार दस्तक दे रहा है, लेकिन उत्तर प्रदेश के लाखों ग्रामीण परिवारों के घरों में इस बार रंगों की जगह चिंता का साया मंडरा रहा है। मनरेगा के तहत प्रदेश में कुल 8,176,710,912 (करीब 817 करोड़ रुपये) की एफटीओ राशि लंबित पड़ी है। मजदूरी भुगतान में हो रही देरी ने न सिर्फ श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को डगमगा दिया है, बल्कि ग्रामीण बाजारों में भी सुस्ती साफ दिखाई देने लगी है।

अन्य जिलों में भी करोड़ों की देरी

सुल्तानपुर, महराजगंज, बस्ती, बहराइच, प्रतापगढ़, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, कुशीनगर, चंदौली, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, ललितपुर, प्रयागराज, फिरोजाबाद, मैनपुरी और उन्नाव समेत कई जिलों में भी बड़ी राशि लंबित है। ग्रामीण व्यापारियों का कहना है कि मजदूरों के हाथ में

नकदी न होने से कपड़े, रंग-गुलाल, मिठाई और रोजमर्रा के सामान की बिक्री पर असर पड़ा है। होली से पहले बाजारों में जो रौनक दिखनी चाहिए, वह इस बार फीकी पड़ती नजर आ रही है।

मजदूरों की बढ़ी चिंता

ग्रामीण क्षेत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अनेक परिवार पूरी तरह मनरेगा मजदूरी पर निर्भर हैं। बच्चों की पढ़ाई, राशन, दवाइयों और घरेलू खर्च का आधार यही आय है। होली जैसे बड़े त्योहार से पहले मजदूरी न मिलना उनकी मुश्किलें बढ़ा रहा है। श्रमिक संगठनों ने जिलाधिकारियों को ज्ञापन देने की तैयारी शुरू कर दी है। चेतावनी दी गई है कि यदि त्योहार से पहले भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

पूर्वांचल और मध्य यूपी में सबसे ज्यादा बकाया

जिलेवार आंकड़े बताते हैं कि कई जिलों में करोड़ों रुपये का भुगतान अटका हुआ है। सबसे अधिक बकाया वाले जिले

- आजमगढ़ 35.10 करोड़ से अधिक
- हरदोई - 33.15 करोड़ से अधिक
- सीतापुर - 32.58 करोड़ से अधिक
- जौनपुर - 31.11 करोड़ से अधिक
- गाजीपुर - 30.68 करोड़ से अधिक

इन जिलों के ग्रामीण इलाकों में मजदूर जनवरी और फरवरी की मजदूरी का इंतजार कर रहे हैं। खेत-खलिहानों और विकास कार्यों में दिन-रात मेहनत करने वाले श्रमिकों का कहना है कि समय पर भुगतान न मिलना उनकी आजीविका पर सीधा प्रहार है।

योजना का उद्देश्य और मौजूदा चुनौती

मनरेगा का मूल उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 100 दिन का गारंटीकृत रोजगार देकर आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। लेकिन जब मजदूरी समय पर न मिले, तो योजना की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह रुकने से छोटे दुकानदारों, बीज-खाद विक्रेताओं और दैनिक जरूरत की दुकानों की बिक्री प्रभावित होती है, जिससे समूची ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ता है।

सरकार से उम्मीद, मजदूरों की मांग

मजदूरों की एक ही मांग है 'हमारी मेहनत की कमाई समय पर हमारे खाते में पहुंच जाए।' अब निगाहें प्रदेश और केंद्र सरकार पर टिकी हैं कि लंबित ?817 करोड़ की राशि का शीघ्र निस्तारण कर होली से पहले भुगतान सुनिश्चित किया जाए। होली उमंग, उत्साह और खुशियों का पर्व है, लेकिन मजदूरी अटकने से हजारों परिवारों की खुशियां अधर में लटकी हैं। अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो इस बार रंगों का त्योहार कई घरों में बेरंग रह सकता है।

इन जिलों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर

कुछ जिलों में भुगतान की स्थिति संतोषजनक बताई जा रही है—

- गाजियाबाद - 0 बकाया
- बागपत - 2.96 लाख
- कौशांबी - 36.09 लाख
- हापुड़ - 37.24 लाख
- शामली - 81.79 लाख

यहां प्रशासन द्वारा समय पर एफटीओ प्रक्रिया पूरी किए जाने की बात सामने आई है।

क्या है एफटीओ और क्यों अटकता है भुगतान?

एफटीओ वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से मजदूरों की मजदूरी सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। यह दो स्तरों पर सत्यापन के बाद जारी होती है।
विशेषज्ञों के अनुसार भुगतान अटकने के पीछे मुख्य कारण हो सकते हैं—

- तकनीकी त्रुटियां
- बजट आवंटन में देरी
- प्रशासनिक स्तर पर लंबित फाइलें

नयारघाटी एडवेंचर फेस्टिवल का आगाज, धामी ने किया उद्घाटन, माउंटेन बाइकिंग रैली आयोजित

जन एक्सप्रेस। सतपुली/कोटद्वार

तीन दिवसीय द्वितीय नयार घाटी एडवेंचर फेस्टिवल का उद्घाटन करने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सतपुली के पास स्थित बिलखेत पहुंचे। फेस्टिवल के पहले दिन उद्घाटन समारोह के साथ राष्ट्रीय स्तर की पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी, लैंसडौन से वाया सिसल्डी होते हुए बिलखेत तक 60 किमी की माउंटेन बाइकिंग, व्यासघाट में एंग्लिंग और नयार नदी में हंस अस्पताल के पास क्याकिंग प्रतियोगिताएं शुरू हो गई हैं। फेस्टिवल में आने वाले पर्यटक और स्थानीय ग्रामीण भी टैंडम पैराग्लाइडिंग, हॉट एयर बैलून, जिप लाइन और ब्रह्मा ब्रिज का निशुल्क लुत्फ उठा रहे हैं। बिलखेत पैराग्लाइडिंग लैंडिंग स्थल के पास ही इन सारी एक्टिविटीज के सेटअप तैयार किए गए हैं। नयारघाटी एडवेंचर फेस्टिवल के तहत लैंसडौन से वाया सिसल्डी होते हुए बिलखेत तक 60 किमी की माउंटेन बाइकिंग शुरू हो गई है। बाइकिंग रैली को लेकर लैंसडौन समेत पूरे रूट पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध रहे।

पर्यटन विकास को मिलेगी विशिष्ट पहचान

रैली लैंसडौन के ऐतिहासिक स्थल गांधी चौक से शुरू हुई। उपजिलाधिकारी शालिनी मौर्य ने माउंटेन बाइकिंग रैली में प्रतिभाग कर रहे देश के कई प्रांतों से पहुंचे प्रतिभागियों को फ्लैग दिखा कर रवाना किया। एसडीएम ने कहा कि साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की यह पहल पर्यटन विकास व खेल प्रतिभागियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

विकसित भारत, स्वावलम्बी भारत, समरस भारत, समर्थ भारत, स्वाभिमानी भारतश् हेतु विद्युतजनों ने संगोष्ठी में रखे अपने विचार

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

26 फरवरी भारतरत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रंखला में गुरुवार को दीनदयाल परिसर के लोहिया सभागार, विवेकानंद सभागार अंबेडकर सभागार, जेपी सभागार में पांच अलग-अलग राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित की गईं। जिसमें स्वावलंबी कृषि तकनीकी एवं नवाचार, तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता से कृषकों में समृद्धि, औषधीय एवं सुगंधित पौधों का वर्तमान परिदृश्य एवं भविष्य की संभावनाएं, उत्तम पशुधन प्रबंधन में पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका, समरस एवं समृद्ध भारत में कृषक उत्पादक संगठनों की भूमिका, कृषि विकास में परंपरागत ज्ञान एवं आधुनिक नवाचार का एकीकरण विषयक विभिन्न सेमिनार अलग-अलग सभागारों में आयोजित किए गये। संचालन करते हुए दीनदयाल को संस्थान के सीईओ अमिताभ वशिष्ठ ने कहा कि नाना जी का मानना था कि कैसे कम भूमि से अधिक आय प्राप्त किया जा सके और किसानों की अतिरिक्त आय सृजित हो सके। इन सब विषयों पर गुरुवार के दिन सेमिनारों में विषय विशेषज्ञों द्वारा मुक्त चिंतन किया गया। इस दौरान डॉ राजेंद्र सिंह नेगी द्वारा दिनभर चलने वाले सेमिनारों के विषय पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला गया। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्रामोदय से ही राष्ट्रोदय होगा। नानाजी ने ग्रामोदय के सपने को साकार करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की है, जो मॉडल आज शासन द्वारा अपनाने की बात हो रही हैं, नानाजी उसे अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं गांवों में पहले ही शुरू कर चुके हैं। दीनदयाल शोध संस्थान पूरे देश मे सर्वोच्च स्थान पर कार्य कर रहा है। 60 बरस की उम्र होने पर सक्रिय राजनीति छोड़कर सामाजिक पुनर्रचना के काम में नानाजी ने स्वयं को समर्पित कर देश के राजनीतिज्ञों के लिए एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ मांगीलाल जाट ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत देश की सबसे बड़ी जरूरत है, खेती आत्मनिर्भर होगी तो देश मजबूत होगा। बुंदेलखंड का पूरा क्षेत्र अपार संभावनाओं का क्षेत्र है, मुझे लगता है कि एक और हरित क्रांति बुंदेलखंड लायेगा। अनुसंधान की दिशा वह होना चाहिए जो किसान को चाहिए।

डॉ अमित गोस्वामी वरिष्ठ वैज्ञानिक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने कृषि विकास में परंपरागत ज्ञान एवं आधुनिक नवाचार का एकीकरण पर अपने विचार रखते हुए कहा कि कृषि विकास के लिए परंपरागत ज्ञान और आधुनिक नवाचार का एकीकरण टिकाऊ खेती की सबसे बडी कुंजी है। देशी बीजों, जैविक खाद, और प्राचीन मौसम पूर्वानुमानों के साथ ड्रोन और सौर ऊर्जा जैसी तकनीकों को जोड़कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत कम करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करता है।

मध्यप्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि राष्ट्रऋषि नानाजी ने अपने जीवनकाल में आम व्यक्तियों के हितों के लिए जो कार्य किये हैं वह सभी अनुकरणीय एवं समाजोपयोगी हैं। उनके आदर्शों, विचारों व कार्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

जनपद स्तरीय सलाहकार समिति ने की अल्ट्रासांउण्ड केन्द्रों की समीक्षा

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु गठित जनपद स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित समस्त सरकारी एवं निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि केंद्रों के पंजीकरण, नवीनीकरण की अवधि और उनके संचालन की विस्तृत कार्यवृत्ति तैयार कर तत्काल प्रस्तुत की करें।

उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि किसी भी अल्ट्रासाउंड केंद्र के कमरों में लड़का या लड़की शिशु के सांकेतिक चित्र फोटो नहीं होने चाहिए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित केंद्र के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी। लिंग चयन जैसे अवैध कार्यों पर अंकुश लगाने हेतु जिलाधिकारी ने मुखबिर योजना को सक्रिय करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जो लोग इस कार्य हेतु इच्छुक हैं, उन्हें हिडन कैमरा व अन्य तकनीकी संसाधनों के साथ तैनात किया जाए। उन्होंने समिति के सदस्यों से भी इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की।

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम को जनपद के अल्ट्रासाउंड सेंटरों का नियमित एवं औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि लिंग चयन, कन्या भ्रूण हत्या या अवैध गर्भपात जैसे गैर-कानूनी कार्यों में संलिप्त केंद्रों और चिकित्सकों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे दोषियों के विरुद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करते हुए सख्त दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 भूपेश द्विवेदी, नोडल अधिकारी डा0 जी.आर. रतमेले, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 शैलेन्द्र कुमार, बाल रोग विशेषज्ञ डा0 एस.सी. अग्रवाल, रेडियोलाजिस्ट डा0 राजेन्द्र प्रताप, जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, जिला शासकीय अधिवक्ता श्याम सुन्दर मिश्रा सहित सदस्य श्याम मूरत गौतम, दिव्या त्रिपाठी एवं राखी देवी आदि मौजूद रहे।

सेतुओं के निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ तेजी भी लायें! दिऐ निर्देश

जन एक्सप्रेस। बांदा

आयुक्त चित्रकूटधाम अजीत कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डलीय विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में आयुक्त ने खराब ट्रान्सफार्मरों को समय से बदले जाने तथा घरों के ऊपर से हाईटेंशन लाइन हटाये जाने के निर्देश दिये।उन्होंने ट्रान्सफार्मरों को कवर करके रखे जाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति के समय विद्युत कटौती नही किये जाने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होंने सेतुओं के निर्माण की समीक्षा करते हुए जनपद एवं चित्रकूट में सेतुओं के निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ तेजी लाये जाने तथा नई सड़कों के निर्माण कार्य भी शीघ्र पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये।उन्होंने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा मुख्यमंत्री श्रम सम्मान योजना की समीक्षा करते हुए जनपद चित्रकूट,महोबा और हमीरपुर में प्रगति लाने के निर्देश दिये।उन्होंने सभी पीएचसी एवं सीएचसी में शौचालय,बिजली,रोड एवं पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों दिये।नन्दनी एवं मिनी नन्दनी योजना का लाभ पशुपालकों को दिलाये जाने हेतु पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया।उन्होंने निर्देश दिये कि शिक्षा,स्वास्थ्य एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग पर अधिकारी विशेष ध्यान देते हुए कार्यों को पूर्ण करायें। उन्होंने लघु एवं सीमान्त किसानों को योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु निर्देशित किया।उन्होंने मण्डल एवं जनपद के सभी अधिकारियों को ई-ऑफिस से पत्रावलियों का संचालन कराये जाने के आदेश का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।उन्होंने आईजीआरएस के प्रकरणों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता से निस्तारित करने के निर्देश दिये।15वें वित्त आयोग एवं 5वें वित्त आयोग की धनराशि से कार्यों को पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये।उन्होंने भवन निर्माण के कार्यों की समीक्षा करते हुए जनपद चित्रकूट में प्रगति लाने के निर्देश कार्यदायी संस्था आरईडी के अधिकारियों को दिये तथा सड़क निर्माण कार्य में महोबा जनपद कार्यों को पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के सर्वे में विधवा, विकलांग व अति पिछडे गरीब लोगों को पात्रता में रखे जाने हेतु निर्देशित किया।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा बबेरू में नवीन भवन का हुआ भव्य उद्घाटन

जन एक्सप्रेस। बांदा

जनपद के उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा बबेरू का बुधवार को शाखा का नवीनीकरण किया गया।जिसका भव्य उद्घाटन समारोह किया गया। उक्त अवसर पर एसडीएम बबेरू अवनीश कुमार बतौर मुख्य अतिथि रहे वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद केसवानी,तहसीलदार बबेरू हेमराज सिंह,नायब तहसीलदार मनोहर कुमार बैंक के मुख्य प्रबंधक रविंद्र कुमार सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे ।शाखा प्रबंधक नदीमुल इस्लाम ने बताया कि पूर्व में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक पुरानी भवन मे होने के कारण शाखा का बिल्डिंग पूरी तरह खराब हो गई थी।जिस वजह से बैंक आने वाले ग्राहकों को काफी असुविधा होती थी।बैंक के नए भवन में बनने से उक्त असुविधा अब ग्राहकों को नहीं होगी उन्होंने कहा कि बैंक अपने सम्मानित ग्राहकों के लिए हर सुविधा,हर योजना को ध्यान में रखकर कार्य करता है,उन्हें असुविधा हो यह ठीक नहीं है इसी को ध्यान में रखते हुए बैंक का नवीनीकरण किया गया अब नए भवन में उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जेपी शर्मा कालेज के प्रधानाचार्य डा. श्याम मनोहर सिंह कालेज के प्रबंधक राजेश सिंह सब इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह,सैफ़ अहमद, बैंक कर्मी सुनील माड़ी,विवेक कुमार संतोष कुमार,चंद्रेश कुमार,आकांक्षा, कृतिका,जयदेव राणा,कर्मवीर संतराम,दीपक कुमार,मुन्ना प्रसाद व अन्य बैंक कर्मियों के साथ ही क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिकों के साथ समूह की महिलाएं उषा देवी उपस्थित रहीं।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जन एक्सप्रेस। बांदा

अतर्रा कस्बे के लेखपाल कालोनी बदौसा रोड में गुरुवार सुबह एक लगभग 11बजे हृदयविदारक घटना सामने आई।यहां 27 वर्षीय युवती ने पंखे की हुक में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।उसकी शादी आगामी 30 अप्रैल को पाथर कछार में तय थी।वहीं जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार विजयलक्ष्मी पुत्री स्वर्गीय महेंद्र कुमार गुप्ता (27) ने गुरुवार सुबह करीब 10.30 बजे घर के कमरे में पंखे की हुक से दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।मिली जानकारी के अनुसार घटना के समय उसकी मां शारदा देवी पड़ोस के घर अपने भाई ओमकार गुप्ता के घर किसी काम से गई हुई थीं।इसी दौरान घर में मौका पाकर युवती ने यह कदम उठा लिया।परिजनों के अनुसार जब मां वापस लौटीं तो घर में कोई हलचल न होने पर कमरे में जाकर देखा,जहां विजयलक्ष्मी दुपट्टे के सहारे पंखे के हुक से लटकी हुई मिली।शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे फंदे से नीचे उतारकर अतर्रा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया।हालत गंभीर होने पर जहां के डाक्टर ने सामुदायिक अस्पताल को रेफर कर दिया गया।इसके बाद परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतर्रा लेकर पहुंचे।जहां मौजूद चिकित्सक डा.अरविंद कुमार ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।अस्पताल की सूचना पर पहुंची अतर्रा थाना कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के बाद पंचनामा की भरकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया मृतका दो भाइयों की इकलौती बहन

छापामार टीम ने सीज की 98 कि.ग्रा. कचरी

चित्रकूट। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0 लखनऊ एवं जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के आदेश पर खाद्य सहायक आयुक्त शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर होली पर्व विशेष अभियान के तहत 25 एवं 26 फरवरी को जिले में खाद्य सुरक्षा विगाग की टीम द्वारा कुल 04 नमूने जाँच हेतु संग्रहित किये तथा 98 कि.ग्रा. कचरी सीज किया गया। जिसकी कीमत लगभग 4410 रुपये है। संग्रहित किये गये नमूनों में गंगा जी रोड शंकर बाजार कर्वी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान प्रो0 संजीव गुप्ता पुत्र स्व. रामबहोरी गुप्ता से 01 नमूना खाद्य पदार्थ बेसन का संग्रहित किया गया। मानिकपुर स्थित खोयामण्डी पर सत्यदेव पुत्र रामकेशन व ज्ञान सिंह पुत्र छेदीलाल से 1-1 नमूना खाद्य पदार्थ खोया का संग्रहित किया गया। शिवरामपुर कर्वी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान प्रो0 शिवम पुत्र भवानीदीन से 01 नमूना खाद्य कचरी का संग्रहित किया गया जिसमें 98 किग्रा0 कचरी सीज किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 4410 रुपये थी। टीम में सहायक आयुक्त शशांक त्रिपाठी, व खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण रत्नाकर सिंह, विनय कुमार उपस्थित रहें।

होली के त्योहार को लेकर दुरुस्त रहेंगी व्यवस्थाएं : डीएम

जन एक्सप्रेस। चित्रकूट

जिला मजिस्ट्रेट पुलकित गर्ग ने बताया कि इस वर्ष हिन्दू पंचाग के अनुसार होलिका दहन 2 मार्च को है, और होलिकोत्सव का पर्व 3 मार्च को। होली के त्योहार पर होलिका दहन, के बाद अगले दिन होलिकोत्सव के अवसर पर आपस में रंग खेलने, होली के गीतों के साथ जुलूस निकालने व होली मिलन जैसे समारोह कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। कहीं-कहीं होलिकोत्सव का पर्व होलिका दहन के दूसरे एवं तीसरे दिन भी होता है। 19 व 20 फरवरी से पवित्र रमजान माह प्रारम्भ है। रमजान माह में प्रत्येक शुक्रवार की नमाज होती है व ईद-उल-फितर का त्योहार 21 मार्च चन्द्र-दर्शन के अनुसार पड़ेगा। उक्त त्योहार पर्व के अवसर पर कभी-कभी अवसरवादी, अराजकतत्व, साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं, ऐसे में होलिका दहन एवं होलिकोत्सव पर्व तथा ईद उल फितर त्योहार को तथा नमाज के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों के मस्जिदों, ईदगाहो के स्थलों पर उपस्थित रहकर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखते हुए सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में अधिकारियों की ड्यूटी लगायी जाती है। आवश्यक दिशा-निर्देश दिए की संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों की अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत भ्रमणशील रखकर क्षेत्राधिकारियों एवं थानाध्यक्षों से समन्वय कर होलिका दहन, होलिकोत्सव पर्व एवं रमजान एवं ईद-उल फितर से संबंधित नमाज व त्योहार को शांतिपूर्ण सकुशल सम्पन्न करायेगें। इस संबंध में व्यवस्थाओं से संबंधित क्षेत्रीय अधिकारियों एवं पीस कमेटी के पदाधिकारियों, प्रबुद्ध जनों के साथ बैठक कर ली जाये, विवादित स्थलों पर किसी भी दशा में होलिका दहन की अनुमति न दी जाय, सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपनी तैनाती के थानो व पुलिस चैकी पर उपस्थित रहकर पुलिस विभाग के तैनात अधिकारियों से समन्वय कर अपने-अपने क्षेत्रों के होलिका दहन एवं नमाज से संबंधित ईदगाह, मस्जिदों का भ्रमण कर तथा होलिका दहन व होली के पर्व एवं ईद के दिन उपस्थित रहकर आवश्यकतानुसार कार्यवाही कराते हुए शांतिपूर्ण सकुशल सम्पन्न करायेगें। किसी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका होने पर अपने जोनल मजिस्ट्रेट, उप जिला मजिस्ट्रेट व क्षेत्राधिकरियों, थानाध्यक्षों व विभागीय अधिकारियों से समन्वय कर त्वरित कार्यवाही सम्पादित करेगें तथा होलिका दहन एवं होलिकोत्सव के दिन उपस्थित रहकर भ्रमण कर कुशलतापूर्वक शान्ति पूर्ण सम्पन्न होने के संबंध में अपर जिला मजिस्ट्रेट, अपर पुलिस अधीक्षक एवं उपरोक्त अधिकारियों को सूचित भी करेंगें।

नाबालिग से बलात्कार करने वाले गुनहगार को 20 साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ 20 हजार का जुर्माना

जन एक्सप्रेस। हमीरपुर

नाबालिग से बलात्कार करने वाले गुनहगार को 20 साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ बीस, हजार का जुर्माना। वही अभियोजन की तरफ से अदालत में पैरवी कर रहे एडीजीसी अवध नरेश चन्देल ने पूरे मामले की जानकारी देते हुये बताया कि राठ कोतवाली क्षेत्र के धमना निवासी ब्रजेन्द्र पाल ने कोतवाली में दी गई अपनी लिखित तहरीर में कहा था कि जब वो अपनी पत्नी को साथ लेकर अपनी ससुराल गया हुआ था, जबकि अपनी 11 वर्षीय नाबालिग पुत्री को उसकी दादी के पास छोड़ गया था, इसी बीच 31 अगस्त 2023 को शाम करीब 4 बजे जब उसकी पुत्री गाय चराकर वापस अपने घर लौट रही थी, तभी गांव के नन्दराम आवासीय स्कूल के सामने पहुंचने पर जरिया का पचखुरी निवासी स्कूल का चपरासी शिवबालक पुत्र राजाराम उसकी पुत्री को अमरुद खिलाने के बहाने अपने घर के अन्दर ले गया और उसके कपड़े उतारकर उसकी पुत्री के साथ जबरन बलात्कार किया,और जब उसकी पुत्री चिल्लाई तो उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। इसके बाद शिवबालक पेशाब करने चला गया, जबकि पीडिता मौका देखकर भाग निकली, और अपने घर पहुँचकर पूरी वारदात की जानकारी अपनी दादी को दी। जबकि पीडिता की दादी ने फोन पर पूरे मामले की जानकारी पीडिता के माता पिता को दी, जिसके बाद पीडिता के माता पिता घमना अपने घर पहुंचे, और अपनी पीडित पुत्री को साथ लेकर कोतवाली जाकर वारदात की लिखित तहरीर देकर शिवबालक के खिलाफ कडी कार्यवाही की मांग की, जिसके बाद पुलिस ने अभियुक्त शिवबालक पुत्र राजाराम के खिलाफ मु0अ0सं0-446/2023 धारा-376एबी,506 आईपीसी सहित 5एम/6 पाक्सो के तहत मामला दर्ज किया। वही आपरेशन कन्विक्शन के तहत अभियोजन की तरफ एडीजीसी अवध नरेश चन्देल की दमदार पैरवी की बदौलत स्पेशल पाक्सो अदालत की स्कालर जज कीर्ति माला सिंह ने अभियुक्त को गुनहगार मानते हुये बीस साल की सख्त सजा के साथ ही बीस हजार का जुर्माना सुनाया। जबकि इस मामले की जांच पूरी करने के बाद तत्कालीन इंस्पैकटर दिनेश कुमार पाण्डेय ने अदालत में चार्जशीट दाखिल करते हुये अभियुक्त के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की थी।

चिन्हांकन शिविर का हुआ आयोजन

चित्रकूट। एलिम्को कानपुर (भारत सरकार के उपक्रम) द्वारा खोह के मातृ शिशु चिकित्सालय में प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र संचालित है। यहाँ पर दिव्यांगजनों को चलने में आने वाली समस्या के दृष्टिगत गुरुवार को एक कृत्रिम अंग हेतु चिह्नांकन शिविर का आयोजन ट्रायल बेसिस पर किया गया। जिसमें कुल 27 दिव्यांगजनों का कृत्रिम अंग हेतु असेसमेंट किया गया। इससे दिव्यांगों को चलने और दैनिक क्रियाओं में सहयोग प्राप्त होगा।

फरार गैंगस्टर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना मटौंध पुलिस द्वारा गिरोह बनाकर वाहनों की चोरी करने वाले गैंगस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त (गैंग सदस्य) को गिरफ्तार कर लिया गया है।गिरफ्तार अभियुक्त एक संगठित वाहन चोर गिरोह का सक्रिय सदस्य है, जो अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दो पहिया व चार पहिया वाहनों चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था जिसके सम्बन्ध में थाना मटौंध में गैंगस्टर एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया था और वांछित चल रहा था?? इसी क्रम में थाना मटौंध पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को इचौली चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया।पूर्व में 23 व 26 फरवरी को गैंग के एक अन्य सदस्य मुक्कू पुत्र रामकिशोर निवासी दुरेंड़ी थाना मटौंध जनपद को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था ।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अमित उर्फ बुग्गी पुत्र बसन्ता निवासी दुरेंड़ी थाना मटौंध जनपद है।

पुलिस ने चोरी के ई-रिक्शा के साथ हिस्ट्रीशीटर को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। बांदा

ई-रिक्शा चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को पकड़ा है।जिसके कब्जे से रिक्शा भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।उसके विरुद्ध पहले से गोकशी सहित दर्जनों मुकदमे दर्ज है।पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मटौंध पुलिस द्वारा ई-रिक्शा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को पकड़ा है।सहायक एसपी मेविस टॉक ने बताया कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के अलीगंज के रहने वाले अजय पुत्र कामता प्रसाद नें विगत 17 जनवरी को मटौंध पर सूचना दी कि वह विगत 15 जनवरी की शाम सवारी लेकर मटौंध आया और पेट्रोल पम्प के पास सो गया।जब वह सोकर उठा तो उसका ई-रिक्शा अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया।सूचना पर थाना मटौंध में अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे थे। इसी क्रम में गुरुवार को थाना मटौंध पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को अमानत पुत्र शराफत निवासी गोयरामुगली थाना मटौंध को मटौंध के पास मुडेरी मोड से गिरफ्तार किया गया।सहायक एसपी ने बताया कि अभियुक्त अमानत शातिर किस्म का अपराधी है।जो पूर्व में भी कई बार में जेल जा चुका है।

विराट किसान मेले का कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ

जन एक्सप्रेस। बांदा

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 26 से 28 फरवरी के मध्य कृषि विश्वविद्यालय में विराट किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है।उक्त विराट किसान मेले का शुभारंभ कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सूर्य प्रताप शाही द्वारा किया गया उक्त कार्यक्रम में जनपद के जनप्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारी प्रतिभाग कर रहे हैं उक्त किसान मेला प्रदर्शनी में नवीन एवं नवीकरण ऊर्जा विकास अधिकरण नेडा से पंजीकृत सोलर वेंडर कांति इंटरप्राइजेज इंदिरा नगर द्वारा बृहद सोलर स्टाल लगाया गया है।उक्त स्टाल के माध्यम से जनपद एवं अन्य जनपदों से आए अन्नदाता किसान भाइयों के मध्य प्रधानमंत्री के महत्वाकांक्षी विजन के अंतर्गत प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की विस्तार से जानकारी दी गई तथा लगभग 300 महानुभावों ने जानकारी प्राप्त करने के उपरांत योजना की सराहना करते हुए सोलर पैनल अपना कर अपने घर में बिजली का प्रोजेक्ट लगवाए जाने हेतु पहल करने का आश्वासन दिया गया प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के अंतर्गत प्रति किलो वाट लागत अनुमानित 60000 आती है 1 किलोवाट पर केंद्र द्वारा 30000 तथा राज्य सरकार द्वारा 15 000 इस प्रकार 1 किलोवाट के सोलर पैनल लगवाने पर 45000 रुपए की सब्सिडी 2 किलो वाट के सोलर पैनल लगवाने पर केंद्र एवं राज्य द्वारा 90000 रुपए की सब्सिडी तथा 3 किलो वाट से लेकर 10 किलो वाट तक के सोलर पैनल लगाए जाने पर 108000 की सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से संबंधित सोलर कनेक्शन धारकों के बैंक खाते के माध्यम से प्राप्त होती है।भारत सरकार द्वारा विभिन्न बैंकों के माध्यम से सस्ती ब्याज दर 6 प्रतिशत पर सोलर पैनलों के लगवाए जाने हेतु लोन के माध्यम से भी सुविधा प्रदान की गई है।लाभार्थी द्वारा 10 प्रतिशत मार्जन मनी जमा करके लोन के माध्यम से सोलर पैनल लगवाए जा सकते हैं उक्त स्टाल में कांती इंटरप्राइजेज द्वारा सोलर कैमरे का भी प्रदर्शन किया गया सोलर कैमरा पूर्णतया धूप पर आधारित होता है तथा किसान भाइयों के खेत खलिहानों की निगरानी के लिए अचूक उपाय है विराट किसान मेला में पधारे हुए अन्नदाता किसानों द्वारा सोलर पैनल के माध्यम से बिजली उत्पादन एवं सोलर कैमरे के माध्यम से अपने खेत की निगरानी किए जाने की जानकारी प्राप्त करने में बहुत रुचि प्रदर्शित की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत बृहद जानकारी प्रदान करते हुए सभी से सोलर अपना बिजली बचाओ की अपील की गई।

होली धमाका के तहत जनपद डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक में मिलेगा सर्वाधिक ब्याज : पंकज अग्रवाल

जन एक्सप्रेस। बांदा

जनपद डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक लि0 के जनपद सभापति पंकज अग्रवाल एवं सचिव /मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ आकांक्षा वर्मा द्वारा जनपद के निवासियों को होली पर्व एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तिम माह हेतु अपनी बचत की पूंजी को बैंक में जमा कर सर्वाधित ब्याज हेतु होली धमाका करते हुये 444 दिन के लिये 7.75 प्रतिशत अधिकतम ब्याज दर निर्धारित की गयी है।जिसकी जानकारी देते हुये उक्त द्वय अधिकारियों द्वारा जनपद के सभी निवासियों को उक्त योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु अपील की गयी है।साथ ही उनके द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि उक्त योजना के अन्तर्गत हमारे बैंक कार्यक्षेत्र जनपद-चित्रकूट की शाखाओं में कार्यरत शाखा प्रबन्धकों से सम्पर्क कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है तथा यदि किसी को कोई समस्या हो तो तत्काल दूरभाष से अवगत करायें।उक्त के अतिरिक्त समितियों के सदस्यों से भी अपील की गयी है कि वह खरीफ मांग हेतु अपने ऋण की अदायगी 15 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से जमा कर दें ताकि उनको 3 प्रतिशत ब्याज का लाभ यथावत बना रहे और उनको भारत सरकार तथा राज्य सरकार से प्राप्त ब्याज अनुदान का लाभ यथावत प्राप्त हो सके अन्यथा उक्त ऋण पर उक्त लाभ से वंचित हो जायेगें।

गैंगस्टर एक्ट में आरोपी को मिली सज़ा

जन एक्सप्रेस। बांदा

जिले में संगठित अपराध गैंगस्टर एक्ट के खिलाफ बड़ी कानूनी कार्रवाई हुई है।अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) प्रदीप कुमार मिश्रा की अदालत ने थाना मटौंध में दर्ज मुकदमा अपराध गैंगस्टर एक्ट (धारा 2/3) के मुकदमे में अभियुक्त सुनील कोरी पुत्र राम जीवन को दोषी करार देते हुए 2 वर्ष 4 माह का कारावास और 5,000 का जुर्माना लगाया है। जुर्माना न देने पर एक महीने का साधारण कारावास भोगना पड़ेगा।विशेष लोक अभियोजक सौरभ सिंह ने बताया कि सुनील कोरी एक संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य था।पुलिस द्वारा तैयार गैंग चार्ट में उसके खिलाफ चोरी,लूट,जानलेवा हमला और अवैध हथियार से जुड़े कई मामले दर्ज पाए गए।इन्हीं मामलों के आधार पर उसे गैंगस्टर एक्ट के तहत नामजद किया गया। राम दिनेश तिवारी प्रभारी मटौंध ने 20 अक्टूबर 23 को थाना मटौंध में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा पंजीकृत कराया गया।पुलिस के अनुसार अभियुक्त व उसके गिरोह की गतिविधियों से क्षेत्र में भय और आतंक का माहौल बना हुआ था। आम लोग डर के कारण शिकायत करने से कतराते थे।जांच के बाद गैंग चार्ट बनाकर जिलाधिकारी से अभियोजन स्वीकृति ली गई और मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।उक्त मुकदमे में न्यायालय द्वारा 3 फरवरी 26 को आरोप विरचित किया गया मामले की विवेचना अनूप दुबे थाना प्रभारी कोतवाली नगर द्वारा की गई उक्त मुकदमे में पैरोकार संदीप कुमार और कोर्ट मोहर्रिर जितेंद्र कुमार द्वारा गवाहों को न्यायालय में द्वारा सम्मन बुलाया गया।मुकदमे की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक सौरभ सिंह अभियोजन पक्ष ने एफआईआर, गैंग चार्ट, आपराधिक इतिहास अदालत के समक्ष पेश किया।

एनसीईआरटी विवाद पर शिक्षा मंत्री की सफाई...

एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका से जुड़े कथित विवादित अध्याय को लेकर देश में उठे राजनीतिक और न्यायिक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि जो कुछ हुआ उससे उन्हें गहरा दुख है और सरकार या शिक्षा... पढ़ें पेज 12 पर...

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का हल्लाबोल
तीन घंटे तक चला धरना, सिटी स्टेशन सड़क किया जाम

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता के खिलाफ बृहस्पतिवार को शिक्षकों ने हल्ला बोला। सिटी स्टेशन की सड़क को जाम किया। शिक्षा भवन परिसर में तीन घंटे से अधिक समय तक धरना दिया। इस दौरान शिक्षकों में काफी रोष नजर आया। शिक्षकों ने चेतावनी दी, नई दिल्ली में मार्च में होने वाले देशव्यापी धरना के दौरान पूरी दिल्ली को जाम किया जाएगा। राजधानी सहित प्रदेश के परिषदीय विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद हर तरफ शिक्षकों का विरोध शुरू हुआ। बृहस्पतिवार को इसी सिलसिले में राजधानी के शिक्षकों ने भी एकजुटता का संदेश दिया। शिक्षा भवन परिसर में करीब एक हजार शिक्षक विभाग से आकस्मिक छुट्टी लेकर पहुंचे। पूरे परिषद को घेर लिया और इस दौरान विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को भी आने-जाने पर कुछ देर तक पाबंदी देखी गई। टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रांतीय उपाध्यक्ष सुधांशु मोहन ने बताया कि संगठन के आह्वान पर यहां सभी शिक्षक संघ के नेता,पदाधिकारी व विद्यालय में कार्यरत शिक्षक शामिल हुए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी शिक्षकों की टीईटी की अनिवार्यता का आदेश दिया। जो किसी भी स्तर पर सही नहीं है। कोर्ट के इस आदेश के बाद शिक्षक मानसिक प्रताड़ना के शिकार हो रहे हैं। बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन दिया गया है। टीईटी अनिवार्यता के आदेश को खत्म करने की मांग की गई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शिक्षा का अधिकार-2009 के तहत जुलाई 2011 में लागू अधिनियम के अनुसार, शिक्षकों की टीईटी अनिवार्यता है जबकि उससे पहले वाले शिक्षकों के लिए नहीं है। कोर्ट ने अधिनियम को नजरअंदाज करने हुए सभी के लिए यह व्यवस्था लागू कर दी। जो कि शिक्षकों के साथ पूरी तरह से गलत है। इसी सिलसिले में बृहस्पतिवार को धरना दिया गया ताकि टीईटी अनिवार्यता से छूट मिले।

गौरव का क्षण : लता सिंह ने एओआर परीक्षा में रचा इतिहास

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के परिवार से एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है। उनकी सुपुत्री एवं समाजसेवी सुश्री लता सिंह ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड परीक्षा उत्तीर्ण कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का मान बढ़ाया है। Supreme Court of India द्वारा आयोजित एओआर परीक्षा देश की सबसे कठिन और सम्मानित विधिक परीक्षाओं में गिनी जाती है। इस वर्ष लगभग 5000 अधिवक्ताओं ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से मात्र 207 अभ्यर्थी ही सफलता प्राप्त कर सके। ऐसे प्रतिस्पर्धी वातावरण में सफलता हासिल करना असाधारण परिश्रम, गहन विधिक ज्ञान और अदम्य आत्मविश्वास का प्रमाण माना जाता है। यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि एक प्रेरक संदेश भी है–कि स्पष्ट लक्ष्य और दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी शिखर दूर नहीं। जब परिवार में संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना रची-बसी हो, तब उपलब्धियां इतिहास बन जाती हैं। उल्लेखनीय है कि परिवार की दूसरी संतान भारतीय पुलिस सेवा में चयनित होकर देशसेवा में योगदान दे रही है। एक ओर सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में मान्यता और दूसरी ओर प्रशासनिक सेवा में योगदान–यह उपलब्धि परिवार की सोच, परवरिश और मूल्यों की सफलता को दर्शाती है। सुश्री लता सिंह की इस सफलता पर समाजसेवी आशीष रंजन सिंह एवं डॉ. राजेश वर्मा ने शुभकामनाएं देते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

यूपी–यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक पर एमओयू
जापान में प्रशिक्षण लेंगे छात्र

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ जापान दौरे पर हैं। गुरुवार को यामानाशी प्रांत के साथ ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर एमओयू हुआ है। इसके तहत भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा। सीएम ने यामानाशी में आयोजित यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो में हिस्सा लिया। साथ ही यूपी की नई विकास नीति और निवेश संभावनाओं को वैश्विक उद्योग जगत के सामने प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि यूपी ने शासन की कार्यशैली को रिएक्टिव से बदलकर प्रोएक्टिव बनाया है। यही परिवर्तन आज प्रदेश की तेज आर्थिक प्रगति का आधार बना है। उधर, यूपी के प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में कई जी2जी (गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट) और जी2बी (गवर्नमेंट टू बिजनेस) स्तर की बैठकों में भाग लिया है। वहां भारतीय दूतावास के सहयोग से जापानी उद्योग समूहों से व्यापक संवाद हुआ।

ग्रीन हाइड्रोजन पर ऐतिहासिक समझौता

इस मौके पर सीएम ने आगे कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

तकनीक और भविष्य के क्षेत्रों पर जोर

सीएम ने रोबोटिक्स को भविष्य की प्रमुख तकनीक बताया। कहा कि, यूपी सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की व्यवस्था की है। हमें विश्वास है कि यामानाशी से सहयोग भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा। ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा तकनीक को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर यामानाशी प्रांत के राज्यपाल कोटारो नागासाकी, उपराज्यपाल जुनिचि इशिदरा, उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', जापान में भारत की राजदूत नगमा मलिक समेत यूपी सरकार के प्रतिनिधिमंडल के अधिकारीगण, यामानाशी के इंडस्ट्री लीडर्स तथा भारतीय समुदाय से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की ताकत को दुनिया के सामने रखा

सीएम ने कहा कि लगभग 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। वहां प्रकृति की विशेष कृपा है। भारत की सबसे उर्वर भूमि, सर्वाधिक जल संसाधन, विशाल मानव संसाधन और आध्यात्मिक–सांस्कृतिक विरासत उत्तर प्रदेश को विशेष पहचान देते हैं। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय तथा अर्थव्यवस्था तीन गुना करने में सफलता मिली है।

'रिएक्टिव से प्रोएक्टिव' मॉडल बना विकास का आधार

सीएम ने कहा कि पहले समस्याओं पर प्रतिक्रिया देने वाली व्यवस्था थी। अब प्रदेश ने प्रोएक्टिव गवर्नेंस मॉडल अपनाया है। निवेश आकर्षित करने, उद्योगों को सुविधा देने, नई तकनीक अपनाने और वैश्विक साझेदारी बढ़ाने की दिशा में सरकार लगातार पहल कर रही है। इसी सोच के साथ उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान की यात्रा पर आया है। ताकि, संभावनाओं को अवसर में बदला जा सके।

यामानाशी से गहरे होते संबंध

सीएम ने यामानाशी प्रांत के राज्यपाल एवं उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। मौजूद इंडस्ट्री लीडर्स तथा भारतीय समुदाय के लोगों का भी स्वागत किया। कहा कि दिसंबर 2024 में यामानाशी के राज्यपाल उत्तर प्रदेश आए थे। उसके बाद दोनों सरकारों के बीच निरंतर संवाद, फॉलोअप तथा प्रतिनिधिमंडलों के आदान–प्रदान से यह सहयोग नई दिशा में आगे बढ़ा। बिजनेस डेलीगेशन के अध्ययन और रिपोर्ट के बाद आज राज्यपाल के आमंत्रण पर प्रतिनिधिमंडल यामानाशी पहुंचा है।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने की जनसुनवाई

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अपने आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। विद्युत कनेक्शन से संबंधित प्रकरण, विद्युत बिल में त्रुटि सुधार, सीवर लाइन की समस्याएं, नवीन निर्माण कार्यों की स्वीकृति, क्षतिपूर्ति भुगतान तथा स्थानीय जनसमस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। श्री शर्मा ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए तथा निस्तारण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। जनसुनवाई केवल औपचारिकता न होकर परिणामोन्मुखी होनी चाहिए, जिससे लोगों को वास्तविक राहत मिल सके। विद्युत एवं नगर विकास से जुड़े मामलों में तकनीकी कारणों का हवाला देकर अनावश्यक विलंब न किया जाए।

पहले कब्जा, फिर कारोबार... बाद में कार्रवाई
सरकारी चबूतरे पर खड़ी हो गई बहुमंजिला इमारत, दुकान भी चलने लगी, अब जागा एलडीए

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

राजधानी में अवैध निर्माण का खेल अब खुलेआम सरकारी जमीन तक पहुंच चुका है। बरिगंवा स्थित बड़े बाबा हनुमान मंदिर के पास नगर निगम के सरकारी चबूतरे पर ही दो मंजिला इमारत खड़ी कर दी गई और उसमें ' श्री राज वेज कबाब' नाम से व्यावसायिक दुकान भी संचालित होने लगी। हैरानी की बात यह है कि पूरा निर्माण और कारोबार शुरू होने के बाद अब लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) हरकत में आया है। आलमनगर वार्ड निवासी नीरज कुमार यादव की शिकायत पर आईजीआरएस पोर्टल के जरिए मामला सामने आया। शिकायत संख्या 40015726017053 पर प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने 24 फरवरी 2026 को मौके का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अवर अभियंता विभोर श्रीवास्तव की रिपोर्ट में स्पष्ट पाया गया कि सरकारी भूमि पर भूतल और प्रथम तल तक अवैध निर्माण कर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। यानी पहले सरकारी जमीन पर कब्जा किया गया और फिर उसे कमाई का साधन बना दिया गया। एलडीए ने उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू करते हुए ऑनलाइन वाद संख्या स्ध्/-4/00007147 (दिनांक 24.02.2026) दर्ज कर प्रकरण सक्षम प्राधिकारी को भेज दिया है। हालांकि शिकायतकर्ता जांच से संतुष्ट नहीं हैं। उनका आरोप है कि जब निर्माण चरणबद्ध तरीके से खड़ा हो रहा था, तब जिम्मेदार विभागों ने कार्रवाई क्यों नहीं की।

सिस्टम पर बड़े सवाल

- सरकारी चबूतरे पर निर्माण अधिकारियों की नजर से कैसे बच गया?
- दो मंजिला ढांचा तैयार होने तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?
- क्या बिना विभागीय संरक्षण के इतना बड़ा निर्माण संभव है?

राजधानी में लगातार सामने आ रहे अवैध निर्माण के मामलों के बीच यह प्रकरण प्रशासनिक निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सवाल सिर्फ एक इमारत का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है जो कब्जा और कारोबार होने तक खामोश रहती है और शिकायत आने पर ही सक्रिय दिखाई देती है।

यूपी को फाइलेरिया मुक्त बनाने का संकल्प हम मिलकर पूरा करेंगे : डॉ पिंकी जोवल

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

यूपी को फाइलेरिया हाथी पांव एवं पुरूषों में हाइड्रोसील से मुक्त किए जाने हेतु फाइलेरिया उन्मूलन अभियान 10 से 28 फरवरी तक 21 जनपदों के 64 प्लानिंग यूनिट में संचालित है। अभियान के महत्व के दृष्टिगत प्रदेश स्तर पर चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा इसका नियमित अनुश्रवण किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ पिंकी जोवल की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन 15 प्लानिंग यूनिट में अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई, जहां लक्ष्य के अनुरूप अब तक परिणाम प्राप्त नहीं हुए। इस महत्त्वपूर्ण बैठक में राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ ही शाहजहांपुर उन्नाव, बाराबंकी एवं बलिया के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक एवं संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्साधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ पिंकी जोवल ने अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। फाइलेरिया उन्मूलन भारत सरकार के साथ ही प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में एक है और प्रदेश सरकार इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।मिशन निदेशक ने कहा कि जिन क्षेत्रों में दवा सेवन की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वहाँ विशेष अभियान चलाकर लक्ष्य को पूरा किया जाए। रमजान के महीने के दृष्टिगत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा सायंकालीन भ्रमण, रोजा इफ्तार उपरांत किया जाए। उन्होंने दवा खाने से इन्कार करने वाले लाभार्थियों को 'इस बीमारी के लाइलाज होने' व 'दवा सेवन ही एकमात्र बचाव' के महत्व को समझाते हुए उन्हें दवा का सेवन कराया जाना सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य लाभार्थियों की शत-प्रतिशत लाइन लिस्टिंग सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। आशा कार्यकर्ताओं एवं फ्रंटलाइन स्वास्थ्य टीमों की सक्रिय एवं सुनियोजित भागीदारी इस अभियान की सफलता की आधारशिला है। उन्होंने ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर्स की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने, लाभार्थियों को दवा खिलाते समय उचित प्रोटोकॉल का पालन करने और किसी भी प्रतिकूल प्रभाव की स्थिति में तत्काल चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने की भी बात कही।डॉ जोवल ने कहा कि अभियान की समाप्ति तक 28 फरवरी तक सभी जनपद अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करें।

बसपा एमएलए और करीबियों के घर से 10 करोड़ कैश बरामद, ऑफिस और अन्य जगहों पर कार्रवाई जारी

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

राजधानी लखनऊ में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के घर पर बुधवार से जारी आयकर टीम का छापा गुरुवार को समाप्त हो गया। उनके घर से 10 करोड़ की नकदी बरामद हुई है। अभी उनके ऑफिस और अन्य स्थानों पर कार्रवाई जारी है। विपुलखंड स्थित उनके आवास पर कार्रवाई पूरी हो गई है।

जानें पूरा मामला

बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट से एकमात्र बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर बुधवार को आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। लखनऊ, बलिया, सोनभद्र, कौशांबी, मिर्जापुर और प्रयागराज में 30 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। 50 से ज्यादा अधिकारियों की टीमें सुबह 11 बजे से देर रात तक जांच में जुटी रहीं। खबर लिखे जाने तक तीन करोड़ रुपये से अधिक की नकदी गिनी जा चुकी थी। आयकर विभाग की तीन टीमों ने लखनऊ के गोमतीनगर में विपुल खंड स्थित उमाशंकर सिंह के आवास, उनकी कंपनी छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कॉरपोरेट ऑफिस और वजीर हसन रोड पर करीबी ठेकेदार फैजी के ठिकानों को खंगाला। इसके अलावा सोनभद्र में साईं राम इंटरप्राइजेज कंपनी के नाम से खनन का कारोबार करने वाले उमाशंकर सिंह के करीबी सीबी गुप्ता समेत कई खनन कारोबारियों के ठिकानों को खंगाला जा रहा है। आयकर विभाग ने सुबह 11 बजे सभी ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था, जिसके बाद टैक्स चोरी और बेनामी संपत्तियों से जुड़े अहम सुराग मिले हैं।

खनन घोटाले में आया था नाम

उमाशंकर सिंह छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी और साईं राम इंटरप्राइजेज के नाम से सड़क और खनन से जुड़े कार्य करते हैं। बीते वर्ष सीएजी (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि सोनभद्र में अवैध खनन कार्यों से करीब 60 करोड़ रुपये की राजस्व की हानि हुई थी। माना जा रहा है कि सीएजी की इस रिपोर्ट के बाद ही उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के ठिकानों को खंगाला गया है।

बराती बनकर पहुंचे थे अधिकारी

बलिया में विधायक उमाशंकर के आवास पर छापा मारना आयकर विभाग के लिए आसान नहीं था। ऐसे में टीम सरकारी गाड़ियों के बजाय बरातियों के अंदाज में पहुंची। वाहनों पर महेंद्र कुमार संग संगीता कुमारी नाम के शादी वाले स्टीकर लगा दिए गए, ताकि किसी को शक न हो। इसी रणनीति की आड़ में अधिकारी बिना शोर–शराबे के सीधे आवास तक पहुंच गए और कार्रवाई शुरू कर दी।

कई ब्यूरोक्रेट निशाने पर

आयकर छापे में सोनभद्र और मिर्जापुर में बीते कुछ वर्षों के दौरान हुए अवैध खनन से जुड़े अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं, जिसमें कई अधिकारियों के नाम और उनको दी जाने वाली रकम का जिक्र है। आयकर विभाग को शक है कि खनन कारोबार में कई ब्यूरोक्रेट्स की काली कमाई का निवेश किया गया है, जिसके सुराग जुटाए जा रहे हैं।

राजधानी में एफएसडीए की सख्ती का असर
नोटिस मिलते ही ढाबे में 'ग्यारह दिन में सुधार', अब मौके पर जांच की मांग

- गंभीर खामियां मिलने पर जारी हुआ नोटिस, संचालक ने सुधार का दावा किया, भौतिक सत्यापन पर टिकी विभागीय कार्रवाई

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई ने राजधानी के खाद्य प्रतिष्ठानों में हलचल तेज कर दी है। आलमबाग क्षेत्र स्थित एक ढाबे में निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं मिलने के बाद विभाग द्वारा इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। नोटिस मिलते ही संचालक ने व्यवस्थाएं सुधारने का दावा करते हुए अब अधिकारियों से भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है।

क्या मिला निरीक्षण में

6 जनवरी 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार ने किया निरीक्षण बिना शिकायत कर्ता के सरदारी खेड़ा स्थित एलडीए मार्केट के श्री बालाजी ढाबा में कई खामियां उजागर साफ-सफाई, खाद्य प्रबंधन और संचालन व्यवस्था मानकों के विपरीत मिली

कर्मचारियों से जुड़े बदलाव

कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनवाए गए यूनिफॉर्म अनिवार्य की गई FoSTaC प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्राप्त करने का दावा खाद्य सामग्री खरीद रिकॉर्ड अपडेट नाप-तौल उपकरणों की निगरानी व्यवस्था दुरुस्त

अब विभाग की अगली चाल

खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार व अवनीश कुमार सिंह से भौतिक सत्यापन का अनुरोध मौके पर जांच में सामने आएगी वास्तविक स्थिति रिपोर्ट के आधार पर तय होगी आगे की कार्रवाई नोटिस के बाद ही क्यों सुधरती हैं व्यवस्थाएं? क्या अन्य ढाबों पर भी होगी सख्त जांच? FSDA अभियान से बढ़ी खाद्य कारोबारियों की चिंता राजधानी में FSDA की सक्रियता ने संकेत दे दिया है कि खाद्य सुरक्षा मानकों से समझौता अब आसान नहीं होगा। निरीक्षण अभियान आगे और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम–2006 के तहत कार्रवाई

- पत्रांक 507/एफएसडीए/नोटिस/2026 जारी, 15 दिन में सुधार के निर्देश
- नोटिस के बाद सुधार का दावा
- संचालक धर्मपाल यादव ने विभाग को भेजा लिखित प्रत्युत्तर
- सभी कमियां समय सीमा में दूर करने का दावा
- नियमित साफ–सफाई और बर्तनों का सेनेटाइजेशन शुरू
- अपशिष्ट निस्तारण की व्यवस्था लागू करने की जानकारी

मोहनलालगंज में पं दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य मेला, शिविर 28 को

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

लखनऊ के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा सुरेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता परक योजनान्तर्गत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में द 28 फरवरी को प्रातः 8 बजे से लखनऊ के मजरा गनियार ग्राम पंचायत भौंदरी ब्लॉक मोहनलालगंज में पं दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य मेला,शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जनपद के पशुपालकों को विभाग द्वारा विभिन्न सुविधा उपलब्ध करायी जायेगीं।डा सुरेश कुमार ने बताया कि शिविर में रोगी पशुओं का अति विशिष्ट उपचार एवं औषधि वितरण, रोग ग्रस्त पशुओं की अल्ट्रासाउण्ड मशीन द्वारा जांच, पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान एवं बॉझपन समस्या का निवारण, पशुओं की लघु शल्य चिकित्सा, निःशुल्क पशु टीकाकरण, पशुपालकों को पशुओं के पशुधन बीमा की सुविधा तथा पशुपालकों को पशुओं की उन्नत तकनीक की वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी दी जायेगी।

22 एक्सप्रेस–वे के जाल से बदलेगा यूपी का भविष्य

जन एक्सप्रेस | लखनऊ

उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है, जिसके पास सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क होगा। फरवरी तक प्रदेश में 22 एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। इनमें सात एक्सप्रेस-वे पूरी तरह संचालित हैं, तीन निर्माणाधीन हैं और 12 विभिन्न चरणों में प्रस्तावित या स्वीकृत हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद प्रदेश के लगभग सभी जिलों को उच्च गुणवत्ता वाली कनेक्टिविटी से जोड़ा जा सकेगा। औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को अभूतपूर्व गति मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने जापान दौरे पर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे के किनारे 27 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने को लेकर कार्यवाही प्रारंभ करने की बात कही। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री लीडर्स से प्रदेश में निवेश का आह्वान किया। वर्तमान में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, यमुना एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पूरी तरह चालू हैं। ये एक्सप्रेस-वे न केवल प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ रहे हैंबल्कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से सीधी और तेज कनेक्टिविटी भी हैं। निर्माणाधीन परियोजनाओं में गंगा एक्सप्रेस-वे को सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना माना जा रहा है। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ से प्रयागराज को जोड़ेगा। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे समेत अन्य परियोजनाएं भी निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे में विंध्य एक्सप्रेस-वे, जिसकी लंबाई लगभग 320 किलोमीटर है और जो प्रयागराज से सोनभद्र को जोड़ेगा, विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे सहित अन्य लिंक परियोजनाएं प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्य औद्योगिक धारा से जोड़ने का माध्यम बनेंगी।विस्तृत एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, औद्योगिकरण को नई दिशा देगा। बेहतर सड़कों और तेज परिवहन से औद्योगिक माल ढुलाई की लागत में कमी आएगी और समय की बचत होगी। इससे विनिर्माण इकाइयों, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स पार्कों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक कॉरिडोर, औद्योगिक पार्क और निवेश क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं, जिससे निवेशकों को भूमि, परिवहन और बाजार तक त्वरित पहुंच उपलब्ध हो सके।लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार से प्रदेश की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। निर्यात उन्मुख उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा और छोटे व मध्यम उद्यमों के लिए भी नए अवसर खुलेंगे। बुंदेलखंड और पूर्वांचल जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ने से क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने में मदद मिलेगी। एक्सप्रेस-वे आधारित विकास मॉडल से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और रोजगार सृजन में भी बढ़ोतरी होगी।

यूजीसी बिल के समर्थन में अपनी जनता पार्टी का प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकरनगर

जनपद में यूजीसी बिल के समर्थन में अपनी जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के निकट जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप कर यूजीसी बिल लागू कराने की मांग की।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने उच्च शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और संविधान सम्मत बनाए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग के छात्रों के साथ हो रहे कथित जातीय अपमान और भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से यूजीसी एक्ट लागू किया गया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने से सामाजिक न्याय की प्रक्रिया प्रभावित हुई है।

कार्यकर्ताओं ने मांग की कि केंद्र सरकार इस मामले में आवश्यक हस्तक्षेप कर यूजीसी बिल को प्रभावी रूप से लागू कराए, ताकि वंचित वर्गों को शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर मिल सके। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया।

इस अवसर पर रजनीश मौर्य (प्रदेश महासचिव), विजय कुमार मौर्य (जिला अध्यक्ष), अमित मौर्य, (जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा), जितेंद्र मौर्य, उदय राज पटेल, शैलेश विजय कुमार, दिलीप कुमार, वैभव मौर्य, धर्मेंद्र कुमार, बबलू मौर्य, रामप्रकाश चौहान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ज्ञापन सौंपने के उपरांत पार्टी पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

प्रभारी मंत्री ने जल जीवन मिशन कार्यों और जनसमस्याओं का लिया जायजा

जन एक्सप्रेस/अमेठी। जनपद के विकासखंड सिंहपुर स्थित पेडरा गांव में प्रभारी मंत्री सतीश शर्मा ने जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकी का निरीक्षण किया।और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और पानी आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी ली।तथा अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति ने शिकायत की कि उसका राशन कार्ड नहीं बना है।और अधिकारी उसे तहसील के चक्कर लगवा रहे हैं।इस पर प्रभारी मंत्री सतीश शर्मा ने नाराजगी जताते हुए रसद विभाग के तहसील तिलोई प्रभारी संजय को फटकार लगाई। और निर्देश दिया कि पीड़ित का राशन कार्ड उसी दिन शाम तक बन जाना चाहिए।इससे पहले प्रभारी मंत्री ने सिंहपुर स्थित मां अहोरवा भवानी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद उन्होंने सिंहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अस्पताल का निरीक्षण किया। एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी संजय सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला,उपाध्यक्ष भवानी दत्त दीक्षित भाजपा महामंत्री राकेश त्रिपाठी सहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, मण्डल अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव ग्राम प्रधान सुमन मौर्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कनाडा में नौकरी का झांसा देकर युवक से 15 लाख रुपए ठगे

फेसबुक विज्ञापन के जरिए संपर्क, साइबर थाने में मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस । अमेठी

साइबर ठगों ने कनाडा में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से करीब 15 लाख रुपये की ठगी कर ली।मामला जायस थाना क्षेत्र के सराय महेशा गांव का है।पीड़ित ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई है,जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित ने बताया कि उन्होंने अपने मोबाइल पर फेसबुक पर कनाडा में पैकिंग के काम से जुड़ा एक विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क करने के बाद उन्हें एक विदेशी नंबर से कॉल आई।कॉल करने वाले ने विदेश भेजने और नौकरी दिलाने का भरोसा दिया।आरोप है कि पहले सुविधा शुल्क के नाम पर 30 हजार रुपये स्कैनर के माध्यम से मंगाए गए।इसके बाद आरोपियों ने आधार कार्ड,पैन कार्ड और पासपोर्ट की प्रतियां भी भेजने को कहा।दस्तावेज भेजने के बाद टिकट और वीजा प्रक्रिया के नाम पर अलग-अलग खातों में बार-बार पैसे जमा कराए गए।पीड़ित के अनुसार चरणबद्ध तरीके से उनसे करीब 15 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कराए गए।जब उन्होंने दोबारा संपर्क करना चाहा तो आरोपियों ने फोन बंद कर दिया, तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ।सोहेल ने बताया कि उनकी चार बेटियों की शादी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कर्ज लेकर और जमीन- जायदाद बेचकर यह रकम जुटाई थी।पूरी जमा पूंजी गंवाने से परिवार आर्थिक संकट में आ गया है।थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। संबंधित मोबाइल नंबरों और बैंक खातों का विवरण खंगाला जा रहा है।साइबर सेल की मदद से जांच जारी है।और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दुकानदारों की समस्या को लेकर सपा मजदूर सभा ने सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर में समाजवादी मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष विशाल कुमार श्रीवास्तव ने आर्थिक रूप से कमजोर एवं छोटे दुकानदारों की समस्याओं को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन के माध्यम से प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है।

सपा मजदूर सभा के जिला अध्यक्ष विशाल श्रीवास्तव द्वारा 26 फरवरी को दिए गए ज्ञापन में नगर क्षेत्र में आजीविका चलाने वाले दुकानदारों की कठिनाइयों की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनके हित में ठोस कदम उठाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि कई छोटे दुकानदार आर्थिक तंगी के कारण अपनी दुकानों का संचालन ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे दुकानदारों को राहत देने के लिए उनकी आय, परिस्थिति एवं जरूरत के आधार पर उचित सहायता प्रदान की जाए। साथ ही जिन दुकानदारों की दुकानों का पुनर्वास या स्थान परिवर्तन प्रस्तावित है, उनके लिए वैकल्पिक स्थान की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि उनकी रोजी-रोटी प्रभावित न हो। उन्होंने मांग किया है कि किसी भी प्रकार की कार्रवाई से पहले संबंधित दुकानदारों को नोटिस देकर संवाद स्थापित किया जाए और उनकी समस्याओं का मानवीय दृष्टिकोण से समाधान निकाला जाए। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि विकास कार्यों के साथ-साथ गरीब एवं मेहनतकश व्यापारियों के हितों की रक्षा भी सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी परिवार की आजीविका पर संकट न आए। आपको बताते चलें कि आदर्श नगर पालिका परिषद द्वारा नगर की पुरानी दुकानों को तोड़कर नई दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है । नई दुकानों के आवंटन में पुराने दुकानदारों को प्राथमिकता तो दी जा रही है, परंतु धरोहर राशि ज्यादा होने के कारण अधिकतर दुकानदारों के लिए जमा कर पाना संभव नहीं है ।

छतरी लगाकर सिम बेचने वालों पर उठे सवाल, पुलिस की भूमिका पर भी चर्चा

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। शहर में अतिक्रमण कर सड़क किनारे अस्थायी रूप से सिम बेचने वालों को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। मामला डिग्री कॉलेज चौराहे के पास का बताया जा रहा है, जहां फुटपाथ पर छतरी लगाकर मोबाइल सिम बिक्री का काम किए जाने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जहां एक ओर शहर में अन्य अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है, वहीं दूसरी ओर यहां खुलेआम फुटपाथ घेरकर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। लोगों का कहना है कि इससे पैदल राहगीरों को आने-जाने में दिक्कत होती है और यातायात भी प्रभावित होता है। कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि सिम से संबंधित समस्या लेकर पहुंचे ग्राहकों को उचित जानकारी या व्यवहार नहीं मिला। शिकायत करने पर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से भी संतोषजनक सहयोग न मिलने की बात कही जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि फुटपाथ पर लगाए गए इन अस्थायी स्टॉलों से व्यवस्था प्रभावित हो रही है और प्रशासन को इस पर स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। वहीं, पुलिस या संबंधित विभाग की ओर से इस संबंध में कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है। शहरवासियों का मानना है कि यदि फुटपाथ सार्वजनिक उपयोग के लिए है, तो वहां इस प्रकार की गतिविधियों की अनुमति और निगरानी को लेकर पारदर्शिता होनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों को असुविधा न हो।

शिक्षक फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले शिक्षक संघों ने सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर में टीचर्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के बैनर तले उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ व जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने गुरुवार को शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने की तिथि से पूर्व में नियुक्त शिक्षकों को टी.ई.टी. की अनिवार्यता से छूट प्रदान करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा है । जानकारी के अनुसार 26 फरवरी को उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ व जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश राज्य में शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009, 27 जुलाई, 2011 से लागू किया गया है। अधिनियम के अनुसार अधिनियम के प्रभावी होने की तिथि से अथवा उसके उपरान्त नियुक्त होने वाले शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी.) उत्तीर्ण होना अनिवार्य किया गया है, जबकि उसके पूर्व में नियुक्त सभी शिक्षकों को टी.ई.टी. की अनिवार्यता से मुक्त रखा गया है । सुप्रीम कोर्ट द्वारा 01 सितम्बर, 2025 को दिए गए निर्णय के द्वारा देश के सभी राज्यों में अधिनियम लागू होने की तिथि से पूर्व में नियुक्त शिक्षकों को भी सेवा में बने रहने अथवा पदोन्नति हेतु टी.ई.टी. उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया है, जोकि पूर्व में नियुक्त शिक्षकों के साथ सरासर अन्याय है। फलस्वरूप देश भर के शिक्षक टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आन्दोलनरत रहकर भारत सरकार से अपनी मांगों के सम्बन्ध में अध्यादेश लाकर आर.टी.ई. से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टी.ई.टी. से छूट देने की अपील कर रहे हैं। इस सम्बन्ध में जनपद के सभी शिक्षकों ने 26 फरवरी, 2026 को अपराह्न से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना दिया तथा जिलाधिकारी के माध्यम से आपको ज्ञापन प्रेषित किया जा रहा है। ज्ञापन में प्रधानमंत्री से अनुरोध किया गया है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश का संज्ञान लेते हुए शिक्षा का अधिकार अनिनियम लागू होने की तिथि से पूर्व में नियुक्त शिक्षकों को टी. ई.टी. से छूट प्रदान करने हेतु अध्यादेश लाकर संसद द्वारा कानून पारित कराने की कृपा करें। ज्ञापन देते समय सभी सांडों के जिला अध्यक्ष, महामंत्री व अन्य पदाधिकारियों सहित ज्ञान सागर पाठक, अवधेश कुमार श्रीवास्तव, कमरुद्दीन अंसारी, अरुण कुमार यादव, पंकज पांडेय, शिवकुमार सोनी, आलोक मणि पांडे, विकास, पंकज सिंह, बुद्धि सागर शुक्ला, राकेश कुमार मिश्रा, सत्यप्रकाश पाठक, विपिन कुमार पाण्डेय, नीरज सिंह, बेद प्रकाश पाण्डेय, राजकुमार वर्मा, दिनेश कुमार वर्मा, कुसुम कुमारी, राजेश कुमार तथा अशोक कुमार सहित सैकड़ों शिक्षक सम्मिलित हुए।

रफ्तार का कहर : भीषण सड़क हादसा, तीन की दर्दनाक मौत

रायबरेली के भदोखर थाना क्षेत्र में लखनऊ-प्रयागराज मार्ग पर महोलिया गांव के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में जगतपुर थाना क्षेत्र के संदीप सिंह, धनंजय सिंह और आशुतोष मौर्या शामिल हैं। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

एनटीपीसी से निकले गए श्रमिकों का प्रदर्शन, पुनः नियुक्ति की मांग

जन एक्सप्रेस । अम्बेडकरनगर

जनपद के टांडा स्थित एनटीपीसी में कार्यरत निर्माण श्रमिकों को कार्य से हटाए जाने का मामला सामने आया है। प्रभावित श्रमिकों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई और दोबारा भर्ती की मांग उठाई।

श्रमिकों का आरोप है कि वे पिछले 20 से 25 वर्षों से पावर प्लांट में कार्यरत थे, लेकिन उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के मौखिक रूप से काम पर आने से मना कर दिया गया। उनका कहना है कि इस निर्णय से उनके सामने रोज़गार का संकट खड़ा हो गया है।

प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों ने एनटीपीसी के मानव संसाधन विभाग के एक अधिकारी पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि पुराने श्रमिकों को हटाकर नए लोगों की भर्ती की जा रही है। इस संबंध में श्रमिकों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

यूनियन नेता अयोध्या प्रसाद पटेल ने बताया कि श्रमिकों का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिला और ज्ञापन सौंपकर पुनः नियुक्ति तथा पूरे प्रकरण की जांच की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र विचार नहीं किया गया तो आगे आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। इस मामले में एनटीपीसी मानव संसाधन प्रबंधन अनुराग सिन्हा से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया।

भूली नगर-थौरी सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप

जन एक्सप्रेस/अमेठी। जगदीशपुर क्षेत्र में भूली नगर से थौरी तक बन रही सड़क के निर्माण कार्य को लेकर गुरुवार को विवाद खड़ा हो गया।करीब 50 लाख रुपये की लागत से बन रही सड़क में गुणवत्ता संबंधी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जिला पंचायत सदस्य अभय सिंह ग्रामीणों के साथ निर्माण स्थल पर पहुंच गए।मौके पर ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए सड़क की जांच की मांग की।ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा है।उनका कहना है कि सड़क की परत पतली है और घटिया सामग्री लगने से इसकी मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे और निर्माण कार्य रुकवाने की मांग की।जिला पंचायत सदस्य अभय सिंह ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि सरकारी धन से बन रही सड़क में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्य को मानकों के अनुसार कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्य की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि सड़क की गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया तो वे धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।फिलहाल मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि शिकायत मिलने पर जांच कराई जाएगी और यदि कहीं अनियमितता पाई गई तो संबंधित ठेकेदार व जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई

105 लीटर कच्ची शराब बरामद, तीन अभियोग दर्ज

जन एक्सप्रेस । अमेठी

अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग ने गुरुवार को कई गांवों में आकस्मिक छापेमारी कर कार्रवाई की।टीम ने ग्राम चतुरीपुर,बेनीपुर, हारीमऊ और मजीठा में दबिश दी।कार्रवाई के दौरान क्षेत्र-1गौरीगंज में थाना गौरीगंज क्षेत्र से कुल 105 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई।मौके पर अवैध शराब बनाने में प्रयुक्त करीब 350 किलोग्राम महुआ लहन को नष्ट कराया गया।इस मामले में आबकारी अधिनियम के तहत तीन अभियोग दर्ज किए गए हैं।आबकारी विभाग की टीम ने छापेमारी के साथ ही ग्रामीणों को अवैध शराब के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। विभाग ने लोगों से अपील की कि अवैध शराब के निर्माण,बिक्री या परिवहन की सूचना तत्काल टोल फ्री नंबर या संबंधित आबकारी निरीक्षक को दें,ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।इसके अलावा टीम ने अधिकृत आबकारी दुकानों का भी निरीक्षण कर बिक्री व्यवस्था की जांच की।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध शराब के कारोबार को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।और अभियान आगे भी जारी रहेगा।इस कार्रवाई में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 गौरीगंज के नेतृत्व में आबकारी स्टाफ अमित कुमार सिंह,अजीत कुमार सिंह, पुष्पेंद्र कुमार तथा महिला आबकारी सिपाही प्रीती पाल शामिल रहीं।विभाग की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

जिला कारागार का डीएम, एसपी और मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट ने किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

गुरुवार को डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विकास कुमार एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनुज कुमार पाण्डेय द्वारा जिला कारागार का संयुक्त औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार के विभिन्न बैरकों, चिकित्सालय, पुरुष एवं महिला बैरक सहित अन्य व्यवस्थाओं का स्थलीय जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अल्पवयस्क बैरक में निरुद्ध बंदियों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम जानी तथा अस्पताल बैरक में भर्ती बंदियों से मिलकर उपचार एवं देखभाल की स्थिति की जानकारी ली। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई एवं बीमार बंदियों की उचित देखभाल को देखकर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। कारागार अधीक्षक श्री विजय कुमार शुक्ल ने बताया कि जेल चिकित्सालय में एक चिकित्सक एवं एक फार्मासिस्ट तैनात हैं तथा 20 बेड की व्यवस्था उपलब्ध है। बंदियों के उपचार हेतु आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इसके पश्चात अधिकारियों ने परेड के दौरान बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी तथा महिला बैरक का भी निरीक्षण किया।महिला बंदियों से उनके मुकदमों की जानकारी लेते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों को दी जा रही शिक्षा, पोषण एवं देखभाल संबंधी सुविधाओं की समीक्षा की और व्यवस्थाओं पर संतुष्टि व्यक्त की। कारागार परिसर की साफ-सफाई, सुव्यवस्थित व्यवस्था एवं हरियाली को भी अधिकारियों ने सराहा। इस अवसर पर कारागार चिकित्साधिकारी डॉ. रत्नेश वर्मा, उपकारापाल शारदा देवी, उपकारापाल राम प्रवेश, उपकारापाल अभय कुमार यादव, मुख्य चीफ कामता प्रसाद भार्गव सहित अन्य कारागार कर्मी उपस्थित रहे।

वृहद रोजगार मेला 27 फरवरी को

रायबरेली। जिला सेवायोजन अधिकारी तनुजा यादव ने बताया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिशन रोजगार के तहत वृहद रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला सेवयोजन कार्यालय रायबरेली द्वारा 27 फरवरी को कर्मयोगी डिग्री कालेज, मुलिहामऊ, रायबरेली के परिसर में एक वृहद रोजगार मेला आयोजित होगा। इसमें रायबरेली सहित देश एवं प्रदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों और नियोजकों द्वारा नॉन टेक्निकल एवं टेक्निकल दोनों प्रकार के पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। इस रोजगार मेले में बहुत सी कंपनियों द्वारा चयन किया जाएगा। इस मेले में हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, बीटेक, आईटी मैन्युफैक्चरिंग सर्विस सेक्टर, तकनीकी और गैर तकनीकी सभी क्षेत्र की कंपनियां उपलब्ध रहेगी। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि मेले में समस्त योग्यताधारी अभ्यर्थियों हेतु लगभग 2000 से अधिक रिक्तियां उपलब्ध हैं। वृहद रोजगार मेले में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते है। मेले में कंपनियों द्वारा चयन प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क होगी।

मेले मे शामिल होने वाली बड़ी कंपनियां- पेरेग्रीन गार्डिंग प्राइवेट लिमिटेड में सिक्योरिटी गार्ड-200, वेलस्पन लिविंग लिमिटेड में मशीन ऑपरेटर-120, महादेव हनुमान विजय प्लेसमेंट सर्विस द्वारा टाटा मोर्टस एवं एम0आर0एफ0 यजाकी इण्डिया-650, लुमेक्स मन्त्रोह एलाइड टेक्नोलॉजीस लिमिटेड में असेम्बली ऑपरेटर-50, ऊमोजा मार्केट प्लेस टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा रिलायंस एवं जोमैटो यूनो मिंडा कंपनी-580 इत्यादि।

धरना-प्रदर्शन कर शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता का किया विरोध

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) के बैनर तले टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता के विरोध में जनपद के शिक्षकों ने आज विकास भवन परिसर में समर बहादुर सिंह की अध्यक्षता में विशाल धरना-प्रदर्शन किया तथा प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, शाखा-रायबरेली के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि शिक्षकों की पीड़ा के प्रति सरकार संवेदनशील नहीं दिख रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी सरकार की ओर से शिक्षकों की संवेदना में एक शब्द नहीं कहा गया, जिससे शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है।

उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, शाखा-रायबरेली के जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र यादव ने कहा कि सरकार को शिक्षकों की आशंकाओं और समस्याओं पर गंभीरता से विचार करना चाहिए तथा व्यावहारिक समाधान निकालना चाहिए।

जिला संघर्ष समिति के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी और महिला शिक्षक संघ की अध्यक्ष गीता त्रिपाठी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो शिक्षक दिल्ली कूच करने के लिए बाध्य होंगे। जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी एवं सिया राम सोनकर ने कहा कि शिक्षक हितों की रक्षा के लिए टीएफआई का आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम का संचालन जनपदीय संयुक्त मंत्री डा. चंद्र मणि बाजपेई ने किया।

धरना-प्रदर्शन में जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से आए जटाशंकर बाजपेयी, राकेश द्विवेदी, अरविंद द्विवेदी, राजेश यादव, सुधीर सिंह, सुरेश सिंह, सूर्यप्रकाश, दिनेश सिंह, रमेश सोनकर, उमाशंकर चौधरी, राकेश कुमार, कमलेश ओझा, राजेश पाण्डेय, विनोद अवस्थी, शैलेश पांडे, पवन शुक्ल, सुरेंद्र वर्मा, शिवबालक, कुसुमचंद्र, साधना शर्मा, गिर्जेश सिंह, संजय सिंह, योगेश सिंह, गयेंदु सिंह, आदित्य नारायण पांडे, गजेंद्र सिंह, दीपक कुमार, अजीत सिंह, रघुराज प्रताप, हरिकेश यादव, पनालाल, अंशूमान मिश्रा, आशीष तिवारी, नीरज हंस, शेखर यादव, अमन शुक्ला, दयाशंकर तिवारी, सुरेन्द्र यादव, आशुतोष पांडे, दुर्गेश, अनुराग शुक्ल, आकाश त्रिपाठी, उमेश त्रिवेदी, नीरज शुक्ल, सुधीर द्विवेदी, पूनम सिंह, रेणु शुक्ल, प्रतिमा, साधना, दीपशिखा, मंजुलता, प्रीति, रुचि, इसमत बानो, ललिता, कल्पना, मो. सगीर, दर्शन लाल लोधी, धर्मेंद्र सिंह, अजय मिश्र, रमाशंकर, अरुण कुमार, ब्रमप्रकाश, रामेंद्र यादव, नीरज सोनी, अरविंद कुमार, अभिषेक मिश्रा, दुर्गेश मिश्रा, सर्वेश शुक्ल, शशिकांत, शैलेंद्र सिंह, प्रमोद शुक्ल, राकेश शुक्ल, संतोष, इमरान, पारुल कुमार, विवेक, कीर्ति मनोहर, अवध किशोर, बलराज सिंह, पीयूष, अमित गुप्त, सूरज यादव, अशोक पाल, मुन्ना लाल, राजेंद्र यादव, आलोक, शीतला प्रसाद, राजेश त्रिवेदी, अशोक यादव, मंजुलता अवस्थी, बृजेश कुमार, राम कुमार सिंह, सर्वेश कुमार, दीपक द्विवेदी, अमरेंद्र यादव, आशीष त्रिपाठी, अता मोहम्मद, राम निवास, बृजेश पांडे, मोनू, संघर्ष पटेल, मयंक सहित हजारों शिक्षक उपस्थित रहे।

धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, किंतु शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि मांगें न माने जाने की स्थिति में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

अब आएगा मजा... बॉलीवुड के खिलाड़ी और भोजपुरी स्टार

अक्षरा सिंह

क्या करने वाले हैं? फोटो ने मचाई हलचल

भोजपुरी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह अक्सर ही सुर्खियों में बनी रहती हैं, कभी अपने गानों को लेकर तो कभी अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर. हाल ही में अक्षरा सिंह ने अपने सोशल मीडिया पर एक ऐसी तस्वीर शेयर कर दी, जो आते ही चारों तरफ वायरल हो गई. दरअसल, अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड के खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार के साथ एक फोटो पोस्ट की, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया. इतना ही नहीं, इस तस्वीर पर अक्षरा सिंह ने जो कैप्शन दिया, उसने लोगों में और भी ज्यादा एक्साइटमेंट बढ़ा दी.

अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की टॉपी हीरोइनों मे से एक हैं. वो सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस को एंटरटेन करने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं. हाल ही में उनकी अक्षय कुमार संग फोटो ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी. इस फोटो पर लोग अलग-अलग रिएक्शंस दे रहे हैं. साथ ही, इसे देखकर लोग कह रहे हैं कि शायद दोनों की प्रोजेक्ट पर साथ काम करने वाले हैं.

अक्षरा सिंह की अक्षय कुमार संग पोस्ट

सोमवार, 23 फरवरी को अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अक्षय कुमार के साथ एक फोटो पोस्ट की. इस फोटो को पोस्ट करते हुए

अक्षरा सिंह ने लिखा, जब खिलाड़ी मृगनैनी से मिलता है और कहानी अभी बाकी है. साथ ही, इस पोस्ट में अक्षरा सिंह ने अक्षय कुमार को टैग भी किया. इस कैप्शन को पढ़कर लोग यही मान रहे हैं कि दोनों जल्द ही किसी गाने या फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं. हालांकि, ये प्रोजेक्ट क्या होने वाला है, इस बारे में अक्षरा सिंह ने कोई हिंट नहीं दिया है.

सोमवार, 23 फरवरी को अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अक्षय कुमार के साथ एक फोटो पोस्ट की. इस फोटो को पोस्ट करते हुए अक्षरा सिंह ने लिखा, जब खिलाड़ी मृगनैनी से मिलता है और कहानी अभी बाकी है. साथ ही, इस पोस्ट में अक्षरा सिंह ने अक्षय कुमार को टैग भी किया. इस कैप्शन को पढ़कर लोग यही मान रहे हैं कि दोनों जल्द ही किसी गाने या फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं. हालांकि, ये प्रोजेक्ट क्या होने वाला है, इस बारे में अक्षरा सिंह ने कोई हिंट नहीं दिया है.

'वो मुझे तिरछी नजर से...' जब जैकी श्रॉफ से घबराईं माधुरी दीक्षित, ऐसी थी दोनों की पहली मुलाकात

देश के दिग्गज कॉमेडियन कपिल शर्मा इन दिनों नेटफ्लिक्स पर अपने शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के चौथे सीजन से फैंस का दिल जीत रहे हैं. कपिल के शो में एक के बाद एक बॉलीवुड सेलेब्स शिरकत करते हैं. अब उनके शो पर 80 और 90 के दशक के दो दिग्गज कलाकार पहुंचे हैं. एक है 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित और दूसरे हैं जग्गू दादा यानी जैकी श्रॉफ.

जैकी श्रॉफ और माधुरी दीक्षित दोनों ने ही बॉलीवुड में खास और बड़ा नाम कमाया है. दोनों का बॉलीवुड करियर लगभग साथ में ही शुरू हुआ था और इन दिग्गजों ने साथ में भी कई फिल्मों में काम किया है. हालांकि माधुरी जैसी बेहतरीन एक्ट्रेस, दमदार डांसर और खूबसूरत अदाकारा के सामने जैकी श्रॉफ को रोमांटिक सीन करने में मुश्किल होती थी. माधुरी के सामने जैकी शर्मा जाते थे. ये खुलासा उन्होंने कपिल के शो पर माधुरी के सामने ही किया है. वहीं माधुरी ने बताया कि जैकी से पहली मुलाकात के दौरान वो काफी नर्वस हो गई थीं.

'मुझे तिरछी नजर से देख रहे थे...'

कपिल शर्मा के शो पर माधुरी ने जैकी श्रॉफ से अपनी पहली मुलाकात का जिक्र किया. उन्होंने साल 1986 में आई फिल्म 'कर्मा' सेट का एक किस्सा सुनाया. इस फिल्म में अनिल कपूर और जैकी श्रॉफ के अलावा कई कलाकार नजर आए थे. जबकि माधुरी दीक्षित ने इसमें एक गाना किया था.

दोनों एक्टर्स को लेकर माधुरी ने कहा, मैंने पहली बार कर्मा के सेट पर उन्हें देखा था. मैं फिल्म में एक छोटा सा गाना कर रही थी वहां अनिल जी और जग्गू दादा थे और दोनों ही तिरछी नजर से मुझे देखे जा रहे थे. उस वक्त मैं नई-नई थी और बहुत ज्यादा घबराई हुई थी. मेरा फिल्म में गाने के जरिए बहुत छोटा सा रोल था.

माधुरी-जैकी की फिल्में

माधुरी ने साल 1984 की फिल्म 'अबोध' से डेब्यू किया था. जबकि जैकी ने 1982 की फिल्म 'स्वामी दादा' मे एक छोटे से रोल से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था. माधुरी और जैकी ने साथ में राम लखन, खलनायक, 100 डेज और परिंदा जैसी फिल्मों में काम किया है.

'प्यार के लिए कॉन्टिनेंट पार कर गई थी मैं...', मृणाल ठाकुर ने खोले अपनी लव लाइफ के राज

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दो दीवाने शहर में' को लेकर चर्चा में हैं. इस फिल्म में वो सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आ रही हैं. हिंसा और एक्शन वाली फिल्मों के बीच एक सॉफ्ट रोमांटिक फिल्म लेकर थिएटर में एंट्री करने वाली इस जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है. इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में मृणाल ठाकुर ने बताया कि असल जिंदगी में वो कितनी फिल्मी हैं और उनके लिए प्यार के मायने क्या हैं.मृणाल 'दो दीवाने शहर में' आज कल की ट्रेंडी फिल्मों से बिल्कुल अलग है. तो इस फिल्म के लिए हां कहने की वजह क्या थी?

मृणाल का जवाब: सच कहूं तो मैं बहुत खुश हूं कि मैंने 'दो दीवाने शहर में' के लिए हां कहा. आज के समय में जब चारों तरफ हाई-एनर्जी ड्रामा और वायलेंस वाली फिल्में आ रही हैं, हम प्यार की एक ताजी हवा का झोंका लेकर आए हैं. आज लोग जब थिएटर से बाहर निलकते हैं, तब उनके बीच एक खूबसूरत बातचीत शुरू होती है और यही हमारा मकसद था और वो कामयाब हो रहा है. लोग मुझे 'थैंक यू' कह रहे हैं कि हमने कुछ फ्रेश बनाया है.

फिल्म का नाम 'दो दीवाने शहर में' है, क्या आप असल जिंदगी में कभी प्यार के लिए दीवानी हुई हैं, कुछ फिल्मी चीज की है?

मृणाल का जवाब:(हंसते हुए) बिल्कुल! मैं बहुत फिल्मी तो नहीं हूं, लेकिन हां, मेरा 'लव लैंग्वेज' क्वालिटी टाइम बिताना है. एक बार मैं सिर्फ उस शख्स से मिलने के लिए 48 घंटों के लिए एक महाद्वीप (कॉन्टिनेंट) से दूसरे महाद्वीप तक का सफर तय कर गई थी. मेरे लिए उस इंसान के साथ वक्त बिताना, उसे सम्मान देना ही सबसे बड़ा फिल्मी जेस्चर है. लेकिन मुझे नहीं लगता ये फिल्मी है.

अगर आपको सिद्धांत के किरदार 'शशांक' को मुंबई में डेट पर ले जाना हो, तो कहां ले जाएंगी?

मृणाल का जवाब: मैं सिद्धांत के किरदार को मुंबई के बाबुलनाथ मंदिर के सामने वाले एक रेस्टोरेंट 'सोम' में ले जाऊंगी. वहां का शाकाहारी खाना लाजवाब है. मैं उसे गन्ने का जूस, साबूदाना वड़ा और थालीपीठ खिलाऊंगी. और हां, उसके बाद हम मंदिर में ही शादी कर लेंगे!

मृणाल अब एआई का जमाना है और इसकी मदद से सोशल मीडिया पर एक्टर्स को अक्सर निशाना बनाया जाता है, आपको लेकर भी हाल ही में कुछ अफवाहें उड़ी थीं. आप इन सब का किस तरह से सामना करती हैं?

मृणाल का जवाब: देखिए, लोग तो कहेंगे ही, उनका काम है कहना. एआई और फेक न्यूज के दौर में चीजें और मुश्किल हो गई हैं, लेकिन मैं बस मैं मुस्कुराते हुए आगे बढ़ जाती हूं. मैं इन चीजों से खुद को डिस्कनेक्ट रखती हूं. मेरे बारे में जो अच्छी बातें लिखी गई हैं, उन्हें पढ़ती हूं, क्योंकि निगेटिव चीजों पर मैं अपनी एनर्जी जाया नहीं करना चाहती.

शादी से पहले लिव इन रिलेशनशिप वाले बयान पर अड़ीं

जीनत अमान

बोलीं- मेरा पहले भी यही नजरिया था

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान अपने बेबाक बयान को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं. हर मुद्दे पर वो खुलकर बात करती हैं, फिर चाहे वो फिल्म इंडस्ट्री हो, शादी हो, या फिर रिलेशनशिप. बीते काफी वक्त पहले जीनत अमान ने लिव इन रिलेशनशिप पर बात की थी, जिसपर काफी विवाद भी हुआ था. इसी के बाद एक्ट्रेस फिर एक पोस्ट कर अपने लिव इन रिलेशनशिप वाले बयान पर अडिग हैं. जीनत अमान ने एक पुरानी वीडियो शेयर करते हुए कहा कि 1990 के दशक से उनकी यही राय बना हुई, जिसपर वो आज भी विश्वास करती हैं.जीनत अमान ने अपने सोशल मीडिया पर 1990 के पुराने इंटरव्यू की एक क्लिप शेयर करते हुए अपने रुख को दोहराया है. इस वीडियो को पोस्ट करते हुए जीनत अमान ने लंबा चौड़ा सा कैप्शन भी लिखा, जिसमें वो कहती हुई नजर आईं कि वो कोई विवाद नहीं खड़ा करना चाहती हैं, बल्कि वो वही सच बता रही हैं जो उन्होंने समझा है.

अपने बयान पर अड़ी जीनत अमान

जीनत ने सिमी गरेवाल के साथ अपने 1999 के इंटरव्यू का एक थ्रोबैक क्लिप पोस्ट किया. इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, याद है मैंने कुछ महीने पहले लिव-इन रिलेशनशिप पर अपनी राय पोस्ट की थी? इससे मेरे कुछ साथियों के बीच काफी हंगामा हुआ था और पारंपरिक मूल्यों का अपमान करने के हमेशा के आरोप भी लगे थे. खैर, ये रहा अतीत की एक झलक - मेरी युवावस्था का वही नजरिया, जिसमें मैं ठीक यही बात कर रही थी. मैं सच में कोई विवाद नहीं खड़ा कर रही हूं, बल्कि बस अपने एक्सपीरियंस से जो सच मैंने समझा है, उसे बता रही हूं.

अपना नजरिया समझाते हुए जीनत ने लिखा, मेरे हिसाब से, किसी रिश्ते को उसमें शामिल दो लोगों के लिए पवित्र मानना ज्यादा जरूरी है, बजाय इसके कि शादी के जरिए समाज के लिए उसे पवित्र किया जाए. ये सोचना कि आप बिना सरकार या धर्म की मंजूरी के एक अच्छा रिश्ता नहीं बना सकते. सच कहूं तो, उतना ही मजेदार है जितना ये मानना कि शादी किसी नाखुश रिश्ते को जादुई तरीके से ठीक कर सकती है.

मैं उम्मीदों को समझती हूं...

जीनत अमान लिखती हैं, मैं समाज की उम्मीदों को समझती हूं. लेकिन मैं ये भी देखती हूं कि आज ज्यादा से ज्यादा युवा बराबरी के तौर पर रिश्तों में आ रहे हैं — पैसे बनाने, रिश्ते बनाने, सुरक्षा पाने, माता-पिता को खुश करने या बच्चे पैदा करने के लिए नहीं- बल्कि इंसानी रिश्ते की खूबसूरती का अनुभव करने के लिए. एक अच्छे रिश्ते की नींव उसका सरकारी स्टेटस नहीं है.

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

'वोक' संस्कृति, वैचारिक सबवर्शन और भारतीय समाज पर गहरा खतरा

भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है।

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है। पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (2022) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं। निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है। वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं। किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (2022) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है।

एक्सप्रेस आलेख

विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

ललित गर्ग

यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं।

> लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरूरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे है, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथि:	एकादशी 10:33 तक
नक्षत्र:	आद्रा 10:48 तक
पक्ष:	शुक्ल
वार:	शुक्रवार
योग:	आयुष्मान, 07:43
सूर्योदय:	06:54
सूर्यास्त:	18:25
चंद्रमा:	मिथुन राशि में
राहुकाल:	11:13-12:39
विक्रमी संवत्:	2082
शक सम्वत:	1947
मास:	फाल्गुन
शुभ मुहूर्त:	12:16-13:02

जन एक्सप्रेस

फिसल रही जुबान !

बहसबाजी चरम ।
फिसल रही जुबान ।।
हैं आतुर अब सारे ।
पाने को सम्मान ।।
नीचा उन्हें दिखाना ।
है हमको हर हाल ।।
है चुनावी बेला ।
उठने दो सवाल ।।
माहिर होने खातिर ।
जारी है प्रयास ।।
होके रहेंगे अब तो ।
हम ही सबके खास ।।
है खाका तैयार ।
उसी तरफ है ध्यान ।।
बोलकर अपशब्द ।
छूना आसमान ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

क्या डिनर के बाद टहलना मॉर्निंग वॉक से बेहतर है?

आज की बिजी लाइफस्टाइल में लोगों के पास जिम जाने का समय नहीं होता, इसलिए वॉक सबसे आसान और असरदार एक्सरसाइज मानी जाती है, लेकिन सही समय का चुनाव कई बार उलझन पैदा कर देता है। क्या सुबह खाली पेट चलना फैट बर्निंग को तेज करता है? क्या रात में खाने के बाद टहलने से वजन बढ़ने से रोका जा सकता है? क्या डायबिटीज के मरीजों के लिए डिनर के बाद वॉक ज्यादा फायदेमंद है? कुछ लोग सुबह की ताजी हवा में टहलना पसंद करते हैं, तो कुछ लोग रात के खाने के बाद हल्की वॉक को बेहतर मानते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या डिनर के बाद वॉक करना मॉर्निंग वॉक से ज्यादा फायदेमंद है?

क्या डिनर के बाद टहलना मॉर्निंग वॉक से बेहतर है?: डॉक्टर जी कृष्ण मोहन रेड्डी का कहना है कि दोनों के अपने-अपने फायदे हैं, लेकिन व्यक्ति की दिनचर्या और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार सही समय चुनना चाहिए। सुबह की वॉक जहां मेटाबॉलिज्म को एक्टिव करती है और मानसिक ताजगी देती है, वहीं डिनर के बाद की वॉक पाचन सुधारने और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद कर सकती है।

मॉर्निंग वॉक: वॉर्निंग वॉक से शरीर को ताजी ऑक्सीजन मिलती है, जिससे फेफड़े बेहतर काम करते हैं और मेटाबॉलिज्म एक्टिव होता है। सुबह खाली पेट हल्की वॉक करने से फैट बर्निंग प्रोसेस तेज हो सकती है। डॉक्टर जी कृष्ण मोहन रेड्डी के अनुसार, सुबह की वॉक मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। यह तनाव कम करती है, मूड बेहतर बनाती है और दिनभर के लिए पॉजिटिव एनर्जी देती है। नियमित मॉर्निंग वॉक ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखने में भी मददगार हो सकती है।

डिनर के बाद वॉक: डॉक्टर जी कृष्ण मोहन रेड्डी बताते हैं कि डिनर के तुरंत बाद बैठ जाने या लेट जाने से गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में हल्की वॉक ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने और भोजन के पाचन में मदद कर सकती है। खासकर डायबिटीज के मरीजों के लिए डिनर के बाद वॉक फायदेमंद मानी जाती है क्योंकि यह भोजन के बाद ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करती है। हालांकि, बहुत तेज या लंबी वॉक करने से बचना चाहिए। डिनर के बाद हल्की वॉक करने से शरीर रिलैक्स होता है और नींद की क्वालिटी बेहतर हो सकती है लेकिन बहुत देर रात या ज्यादा तेज वॉक करने से कुछ लोगों में नींद प्रभावित हो सकती है।

स्टडी क्या कहती है?: स्टडी के अनुसार, रात के खाने या लंच के तुरंत बाद टहलना वजन घटाने और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए सुबह की सैर या भोजन के लंबे समय बाद टहलने से अधिक प्रभावी है। भोजन के तुरंत बाद 30 मिनट की ब्रिस्क वॉक करने से शरीर में ग्लूकोज का लेवल कम रहता है, जिससे इंसुलिन का रिलीज कम होता है। यदि आपको पेट में दर्द या कोई असुविधा नहीं होती है, तो खाने के तुरंत बाद टहलना स्वास्थ्य के लिए सबसे बेहतर विकल्प है।

निष्कर्ष: यह कहना गलत नहीं होगा कि मॉर्निंग वॉक और डिनर के बाद वॉक, दोनों के अपने फायदे हैं। बेहतर क्या है, यह आपकी दिनचर्या, स्वास्थ्य स्थिति और टारगेट पर निर्भर करता है।

एक्सप्रेस विशेष

विदेश भेजने की होड़ और बदलती मानसिकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

समाज को भी अपनी सोच पर विचार करने की आवश्यकता है। विदेश जाना न तो असंभव उपलब्धि है और न ही सफलता का एकमात्र रास्ता। उसी तरह भारत में रहना असफलता नहीं है। हमारे देश ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएँ दी हैं।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में नई प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, बेटे-बेटियों को विदेश भेजने की होड़। कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी नौकरी के नाम पर, तो कभी बेहतर जीवन के सपने के साथ। कई परिवारों में यह उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। किसी का कनाडा जाना, किसी का ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जाना-यह सब मानो सफलता की पहचान बन गया है। धीरे-धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि यदि भविष्य बनाना है तो विदेश जाना पड़ेगा। लेकिन यह सवाल गंभीरता से पूछने की जरूरत है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों की कमी है? क्या इस देश में प्रतिभा के लिए जगह नहीं बची? या फिर हम स्वयं अपने देश की संभावनाओं को कम आंकने लगे हैं? भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है। तकनीक, उद्योग, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकल कर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। ऐसे में यह मान लेना कि भविष्य केवल विदेश में ही है, एक अधूरी और जल्दबाजी वाली सोच लगती है। विदेश जाने की एक बड़ी वजह शिक्षा भी है। कई छात्र यह सोचकर विदेश जाते हैं कि वहाँ की पढ़ाई बेहतर है या वहाँ अवसर अधिक हैं। कुछ मामलों में यह सही भी हो सकता है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कई छात्र केवल इसलिए विदेश चले जाते हैं क्योंकि उन्हें भारत में मनचाहे कॉलेज या कोर्स में प्रवेश नहीं मिल पाता। प्रतियोगिता कठिन है, सीटें सीमित हैं और हर किसी को प्रतिष्ठित संस्थानों में जगह नहीं मिल पाती। ऐसे में विदेश जाना विकल्प बन जाता है। लेकिन इस विकल्प को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना चिंताजनक है। आज स्थिति यह हो गई है कि कई जगहों पर माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने को लेकर एक तरह का दबाव महसूस करते हैं। रिश्तेदारों, परिचितों और समाज के बीच यह दिखाने की कोशिश होती है कि उनका बच्चा विदेश में पढ़ रहा है या काम कर रहा है। कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खर्च उठाकर भी बच्चों को विदेश भेज देते हैं। शिक्षा ऋण, कर्ज और आर्थिक बोझ के बावजूद यह निर्णय केवल इसलिए लिया जाता है क्योंकि इसे सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। इंटरनेट पर विदेश में रहने वाले युवाओं की चमकदार तस्वीरें दिखाई देती हैं- खूबसूरत शहर, शानदार जीवनशैली, घूमना-फिरना, नए अनुभव। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देता। विदेश में जीवन आसान नहीं होता। वहाँ भी कठिन परिश्रम करना पड़ता है, अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और कई बार ऐसे काम भी करने पड़ते हैं जिनकी कल्पना भारत में रहते हुए नहीं की जाती। लेकिन यह सच्चाई अक्सर तस्वीरों और वीडियो के पीछे छिप जाती है। समस्या विदेश जाने में नहीं है। समस्या उस मानसिकता में है जिसमें विदेश को सफलता का पर्याय बना दिया गया है। दुनिया को देखने, नई शिक्षा और अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश जाना अच्छा अवसर हो सकता है। कई भारतीय छात्र विदेश में उच्च शिक्षा लेकर नई तकनीक और ज्ञान प्राप्त करते हैं और बाद में देश के विकास में योगदान भी देते हैं। लेकिन जब यह निर्णय समझदारी के बजाय भीड़ का हिस्सा बनकर लिया जाता है, तब कई बार परिणाम निराशाजनक भी हो सकते हैं। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। आज का युवा पहले से अधिक जागरूक, शिक्षित और तकनीक से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। डिजिटल युग में अवसरों की सीमाएँ पहले जैसी नहीं रहीं।

> जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों को सक्षम बनाएं। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए, उनमें कौशल विकसित करे और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दे। अगर युवा योग्य होंगे तो उन्हें अवसर कहीं भी मिल सकते हैं- भारत में भी और विदेश में भी। लेकिन यदि केवल स्थान बदलने से सफलता की उम्मीद की जाएगी, तो यह सोच लंबे समय तक टिक नहीं पाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक: अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादक: अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक-मनोज तिवारी, सह-संपादक: इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोट: सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)

मझोला में विकास की नई रफ्तार : जितिन प्रसाद ने पूर्णागिरि एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

सांसद निधि से आधुनिक बारातघर की घोषणा, रेलवे व स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उठीं प्रमुख मांगें

एआई आधारित विकास मॉडल को जनहित से जोड़ने पर दिया बल

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

तराई क्षेत्र के कस्बा मझोला में उस समय उत्सव जैसा माहौल बन गया जब क्षेत्रीय सांसद एवं भारत सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का आगमन हुआ। लंबे समय से प्रतीक्षित पूर्णागिरि एक्सप्रेस के ठहराव के बाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना इस दौरे का मुख्य आकर्षण रहा। स्थानीय लोगों ने इसे मझोला के विकास पथ पर एक अहम उपलब्धि बताया।

मझोला रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में जुटे नागरिकों की मौजूदगी में मंत्री ने पूर्णागिरि एक्सप्रेस को रवाना किया। क्षेत्र में वर्षों से ट्रेन के नियमित ठहराव की मांग की जा रही थी। जैसे ही हरी झंडी लहराई गई, स्टेशन परिसर तालियों और नारों से गूंज उठा। व्यापारियों और आम यात्रियों ने उम्मीद जताई कि इससे व्यापार, आवागमन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि पीलीभीत संसदीय क्षेत्र को आधारभूत संरचना के लिहाज से मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता है। सड़कों के चौड़ीकरण, नई संपर्क मार्गों के निर्माण और रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर उन्होंने सांसद निधि से मझोला में एक आधुनिक एवं विशाल बारातघर के निर्माण की घोषणा की। उनका कहना था कि छोटे कस्बों में सामाजिक कार्यक्रमों के लिए समुचित स्थान का अभाव रहता है, जिसे दूर करने के लिए यह पहल की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि टनकपुर से नांदेड तक प्रस्तावित नई रेल सेवा को स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक सीधा संपर्क मजबूत होगा।

दौरे के दौरान विभिन्न संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपकर स्थानीय समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। प्रमुख मांगों में वार्ड संख्या 6 के जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने, टांडा क्षेत्र में बंद रेलवे मार्ग के स्थान पर अंडरपास निर्माण, मझोला में नियमित प्रशासनिक बैठकें आयोजित करने और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नत करने की मांग शामिल रही। इसके अलावा भरा पचपेड़ा औद्योगिक क्षेत्र को देखते हुए रेलवे स्टेशन के विस्तार, दुरई एक्सप्रेस के ठहराव, दियौनीडाम पुल के पुनर्निर्माण तथा मझोला-अमरिया मार्ग के चौड़ीकरण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

मंत्री ने सभी प्रस्तावों को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर यथाशीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। अपने संबोधन में उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे तकनीकी नवाचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) आने वाले समय में शासन और जनसेवा को अधिक पारदर्शी व प्रभावी बनाएगी। एआई आधारित सेवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जोड़कर आम लोगों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

दौरे के दौरान जनसहयोग कार्यालय पर मंत्री का पारंपरिक स्वागत किया गया। सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडल और पंचायत प्रतिनिधियों ने पुष्पमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, महिला मोर्चा की प्रतिनिधियों, स्थानीय निकाय सदस्यों, रेलवे अधिकारियों, जीआरपी व आरपीएफ कर्मियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कुल मिलाकर मझोला में केंद्रीय मंत्री का यह दौरा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास की दिशा में ठोस संकेत माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि रेलवे, सड़क, स्वास्थ्य और सामाजिक सुविधाओं में प्रस्तावित योजनाएं जल्द ही धरातल पर उतरेंगी और मझोला तराई क्षेत्र के उभरते विकास केंद्र के रूप में पहचान बनाएगा।

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व में 300 विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

वन्यजीव संरक्षण में उत्कृष्ट सहभागिता के लिए मिला पुरस्कार, सफारी में दिखे बाघ सहित कई वन्यजीव

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पीलीभीत टाइगर रिज़र्व की ओर से एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस भ्रमण में जनपद के 10 विद्यालयों के लगभग 300 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। ये सभी विद्यार्थी पूर्व में वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से प्रतिभाग कर चुके थे। उन्हीं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार स्वरूप उन्हें टाइगर रिज़र्व का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रभागीय वनाधिकारी मनीष सिंह के निर्देशन में किया गया। सफारी वाहनों को प्रभागीय निदेशक भरत कुमार डीके ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रकृति के करीब लाते हैं और उनमें वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज के विद्यार्थी भविष्य में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों द्वारा वन्यजीव संरक्षण विषय पर तैयार किए गए पोस्टरों की सराहना की गई। जंगल सफारी के समय परियोजना अधिकारी नरेश कुमार (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) ने विद्यार्थियों को विभिन्न वनस्पतियों, जैव विविधता और वन्यजीवों के व्यवहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने बाघ, चीतल, सांभर, काकड़ और जंगली सूअर जैसे वन्यजीवों के दर्शन किए, जिससे उनका उत्साह दोगुना हो गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने दीमक की बांबी, घास के मैदानों के प्रबंधन तथा जंगल पारिस्थितिकी से जुड़े विषयों पर जिज्ञासापूर्ण प्रश्न भी पूछे। उन्हें चूका ईको-टूरिज़्म स्थल का भ्रमण भी कराया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। सफारी वाहनों की व्यवस्था वन क्षेत्र अधिकारी सहेंद्र यादव द्वारा सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम में अवध पब्लिक स्कूल, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, लायंस बाल विद्या मंदिर स्कूल, कम्पोजिट विद्यालय नकसा, कम्पोजिट विद्यालय अशरफ खां, अंगूरी देवी बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रमलुभाई साहनी कॉलेज, ललित हरि आयुर्वेदिक कॉलेज, रानी अवंतीबाई जूनियर हाई स्कूल एवं आर्य कन्या इंटर कॉलेज के विद्यार्थी व शिक्षक शामिल रहे। उद्घाटन अवसर पर प्रशिक्षु आईएफएस हिमांशु वावल, उप प्रभागीय अधिकारी रुद्रप्रताप सिंह सहित प्रमोद कुमार, सर्वेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राहुल कुमार एवं राजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। विद्यालयों के समन्वय में समाधान विकास समिति के समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

सर्वाधिक जीएसटी जमा कर नफीस अहमद अंसारी बने मिसाल, व्यापारिक ईमानदारी पर हुआ सम्मान

जिलाधिकारी के निर्देश पर जीएसटी विभाग ने किया सम्मानित, सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी भूमिका

जन एक्सप्रेस। मुकेश कुमार

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में व्यापारिक ईमानदारी और सामाजिक प्रतिबद्धता की मिसाल पेश करते हुए समाजवादी पार्टी पीलीभीत के जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी को सर्वाधिक जीएसटी जमा करने पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल उनकी करदातृत्व की सजगता का प्रतीक है, बल्कि पारदर्शी व्यापारिक कार्यशैली और जिम्मेदार नागरिक होने का भी प्रमाण है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जीएसटी विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे करदाता समाज के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं, जो समय पर कर अदा कर शासन की विकास योजनाओं को मजबूती प्रदान करते हैं। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत नफीस अहमद अंसारी ने कहा कि प्रत्येक व्यापारी का यह नैतिक दायित्व है कि वह समय से कर जमा करे। कर से प्राप्त राजस्व ही देश और प्रदेश में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को गति देता है। उन्होंने अन्य व्यापारियों से भी कर प्रणाली के प्रति जागरूक और उत्तरदायी बनने की अपील की। गौरतलब है कि नफीस अहमद अंसारी केवल एक सफल व्यापारी और राजनीतिक पदाधिकारी ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। गरीब और असहाय लोगों की मदद करना, त्योहारों के अवसर पर जरूरतमंदों को सहयोग प्रदान करना और सामाजिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी उनकी पहचान बन चुकी है। क्षेत्र में चार जरूरतमंद परिवारों की निरंतर सहायता कर उन्होंने मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है।

उनकी इस उपलब्धि पर समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनका यह सम्मान पूरे जनपद के लिए गौरव का विषय है। निस्संदेह, नफीस अहमद अंसारी की यह उपलब्धि दर्शाती है कि यदि व्यापार, राजनीति और सामाजिक सेवा का समन्वय ईमानदारी से किया जाए तो समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है।

घुंघचाई क्षेत्र में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, चार गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। होली पर्व को लेकर संभावित विवादों और अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आबकारी विभाग ने पुलिस के साथ मिलकर घुंघचाई क्षेत्र में तड़के सघन अभियान चलाया। गुरुवार सुबह विभिन्न गांवों में की गई संयुक्त छापेमारी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अवैध कच्ची शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक एवं घुंघचाई पुलिस की टीम ने कई संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान मौके से भारी मात्रा में कच्ची शराब, लहन तथा शराब बनाने के उपकरण बरामद किए गए। बरामद लहन को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया, जबकि उपकरण जब्त कर लिए गए। इस कार्रवाई में चार आरोपियों—राधेश्याम, अन्नपूर्णा, मंसाराम और राजेंद्र—को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कुछ अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के मद्देनजर अवैध शराब के निर्माण व बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल एक्शन फॉर मेकेनाइज्ड सेनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) योजना के अंतर्गत जनपद में भव्य कार्यक्रम सम्पन्न

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

सफाई कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक -आर्थिक सशक्तिकरण को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को गांधी प्रेक्षागृह में किया गया। भारत सरकार की नेशनल एक्शन फॉर मेकेनाइज्ड सेनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि देशभर में सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मियों की पहचान, सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत अब तक देश में 89 हजार से अधिक सीवर/सेप्टिक टैंक वर्कर्स का सत्यापन किया जा चुका है, 87 हजार से अधिक को पीपीई किट प्रदान की गई हैं तथा 74 हजार से अधिक कर्मियों को आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा से आच्छादित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि देश में एक लाख से अधिक वेस्ट पिकर्स की प्रोफाइलिंग की जा चुकी है। जनपद पीलीभीत में 92 सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मी तथा 452 वेस्ट पिकर्स प्रोफाइलिंग में मान्य किए गए हैं। मंत्री ने नगर पालिका अध्यक्ष को आधुनिक सफाई मशीनों की खरीद के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए, ताकि सफाई कार्य में मैनुअल हस्तक्षेप कम हो और कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

लाभार्थियों को वितरित की गई सामग्री

कार्यक्रम के दौरान 452 लाभार्थियों को पीपीई किट, 30 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड तथा कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त 20 लाभार्थियों को सिलाई मशीनें वितरित की गईं। सिलाई मशीन वितरण को आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार वंचित वर्गों को प्राथमिकता देने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास की मुख्यधारा में हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है, विशेषकर वे लोग जो वर्षों से हाशिए पर रहे हैं।

स्वच्छता को स्वतंत्रता से भी अधिक महत्वपूर्ण बताया

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वच्छता, स्वतंत्रता से भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ रखने में सफाई मित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, पूर्व विधायक रामसरन वर्मा, पूर्व विधायक किशनलाल राजपूत, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार योगिता स्वरूप, नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रसून द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कुल मिलाकर यह आयोजन सफाई कर्मियों के सम्मान और उनकी कार्यस्थलीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया।

एक्सप्रेस खबरें...

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, युवाओं को मिली जानकारियां

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। नगर स्थित गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के षष्ठम दिवस का आयोजन उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। यह शिविर उत्तर प्रदेश शासन एवं भारत सरकार द्वारा निर्धारित विषय 'कौशल विकास हेतु युवा' के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। गुरुवार को कार्यक्रम की थीम 'स्वास्थ्य जागरूकता अभियान' रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उन्नति नहीं, बल्कि युवाओं में सामाजिक संवेदनशीलता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना भी है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनीता सैनी ने किशोरियों की स्वास्थ्य समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन, पोषण, स्वच्छता, एनीमिया की रोकथाम तथा ल्यूकोरिया जैसे विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और नियमित स्वास्थ्य जांच से अधिकांश समस्याओं का समाधान संभव है। स्वयंसेवियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। द्वितीय सत्र में सड़क सुरक्षा विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। टीएसआई प्रदीप सिंह ने यातायात नियमों, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग और नशे में वाहन न चलाने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन ही दुर्घटनाओं को कम करने का प्रभावी उपाय है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मृदुला शर्मा ने स्वयंसेवियों से समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स का भी विशेष सहयोग रहा। अंत में सभी स्वयंसेवियों ने स्वास्थ्य एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

होली से पहले स्वच्छता व्यवस्था चरमराई

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। होली जैसे प्रमुख पर्व से पहले भी नगर और देहात क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था बदहाल नजर आ रही है। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक जगह-जगह कूड़े के अंबार लगे हैं। नालियां कूड़ा-करकट से पटी पड़ी हैं और उनमें से उठ रही दुर्गंध लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। गली-मोहल्लों में फैली गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, जिससे बीमारियों के फैलने की आशंका भी बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई स्थानों पर तैनात सफाईकर्मी नियमित रूप से ड्यूटी पर नहीं आते, जबकि वेतन प्राप्त कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कुछ सफाईकर्मियों ने निजी व्यक्तियों को सफाई कार्य के लिए लगा रखा है, जो कभी-कभार ही गांवों में पहुंचते हैं। परिणामस्वरूप नालियों की सफाई न होने से गंदा पानी सड़कों पर भर रहा है और आवागमन में भारी दिक्कतें हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। ऐसे में त्योहार से पहले स्वच्छता अभियान के दावे खोखले साबित होते नजर आ रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से शीघ्र प्रभावी कार्रवाई की मांग की है, ताकि होली का पर्व स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में मनाया जा सके।

रंगों के पर्व पर संयम का पहरा, शाम पाँच बजे तक बंद रहेगा मदिरा का डेहरा

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने अहम निर्णय लिया है।

जिला मजिस्ट्रेट ज्ञानेन्द्र सिंह ने आदेश जारी करते हुए जनपद की सभी मदिरा एवं भांग की दुकानों को 4 मार्च 2026 को सायं 5 बजे तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है

कि यह निर्णय कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा पर्व के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोकने के मद्देनज़र लिया गया है। आदेश के तहत देशी शराब, कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप, भांग की फुटकर दुकानें, एफएल-07, 07सी, एफएल-06 बार सहित थोक अनुज्ञापन एफएल-02 व 02बी/सीएल-2 श्रेणी की सभी दुकानों को निर्धारित समय तक बंद रखा जाएगा। यह कार्रवाई संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम 1910 की धारा-59 एवं नियम-348 के अंतर्गत की गई है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि बंदी अवधि के दौरान किसी भी अनुज्ञापी को कोई क्षतिपूर्ति या प्रतिफल देय नहीं होगा।

जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि होली जैसे प्रमुख त्योहार पर सामाजिक सौहार्द और सुरक्षा सर्वोपरि हैं।

नगर पंचायत कलीनगर में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक, योजनाओं की दी गई जानकारी

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत दिलाई गई शपथ, गांव-गांव चलाया गया जागरूकता अभियान

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

नगर पंचायत कलीनगर में वार्ड बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य जनपद के जरूरतमंद बच्चों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना और उन्हें लाभान्वित करना रहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी रमनदीप कौर ने समिति के सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि समिति के माध्यम से ऐसे बच्चों की पहचान की जाएगी जो विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र हैं। उन्होंने विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, उ0प्र0 कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा स्पॉन्सरशिप योजना की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किसी भी संकटग्रस्त बच्चे के लिए यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध है। बैठक में दत्तक ग्रहण अभिकरण की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी दी गई। उपस्थित सदस्यों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए इसके खिलाफ समाज को जागरूक करने की अपील की गई। बैठक के अंत में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ दिलाई गई। उपजिलाधिकारी कलीनगर की अध्यक्षता में सभी कर्मचारियों ने बाल विवाह उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। इसी क्रम में केंद्र प्रशासिका तृप्ति मिश्रा द्वारा ग्राम देवीपुरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं चाइल्ड हेल्पलाइन टीम के राहुल और संजय ने विकास खंड मरौरी के प्राथमिक विद्यालय कल्लिया एवं कंपोजिट विद्यालय संडा में विद्यार्थियों और शिक्षकों को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई। ग्राम बिलगवां में सुवर्णा पाण्डेय द्वारा भी अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को शपथ दिलाई गई।

अधिकारियों ने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए प्रशासन और समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे, तभी बच्चों का सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सियासत की राहों में फिर लौटी पुरानी डगर

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

तराई की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज है। कभी सत्ता के केंद्र में रहे पूर्व राज्य मंत्री हेमराज वर्मा को लेकर नई अटकलों ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, वे एक बार फिर अपने पुराने राजनीतिक ठिकाने की ओर लौट सकते हैं। हाल ही में उनकी मुलाकात समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से हुई, जिसने चर्चाओं को और हवा दे दी है।लखनऊ में हुई इस भेंट को सामान्य शिष्टाचार मुलाकात से कहीं अधिक माना जा रहा है। तस्वीरों के सार्वजनिक होने के बाद से ही कयासों का दौर जारी है। हेमराज वर्मा पहले समाजवादी पृष्ठभूमि से राजनीति में उभरे और बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे। अब उनके संभावित रुख परिवर्तन को प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि हेमराज वर्मा औपचारिक रूप से समाजवादी पार्टी का दामन थामते हैं, तो इसका सीधा असर पीलीभीत सदर सीट के समीकरणों पर पड़ सकता है। क्षेत्र में उनकी व्यक्तिगत पकड़ और पुराने समर्थकों का आधार सपा को मजबूती दे सकता है।दूसरी ओर, भाजपा खेमे में भी इस घटनाक्रम पर पैनी नजर रखी जा रही है। पार्टी के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है, खासकर तब जब चुनावी सरगर्मियां धीरे-धीरे तेज हो रही हों। फिलहाल हेमराज वर्मा की ओर से कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन सियासत की बिसात पर बिछती चालें संकेत दे रही हैं कि आने वाले दिनों में पीलीभीत की राजनीति में बड़ा बदलाव संभव है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि यह सियासी सफर किस मोड़ पर जाकर ठहरता है।

सीडीओ ने किया ब्लाक व मेला पड़ावों का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। सीतापुर। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास खंड मिश्रिख कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में संधारित विभिन्न अभिलेखों, पंजिकाओं एवं पत्रावलियों का विस्तृत परीक्षण किया गया, जिसमें अभिलेखों के संधारण एवं अद्यतनकरण में कुछ कमियां पाई गईं।निरीक्षण के समय एडीओ पंचायत को निर्देशित किया गया कि वे अपने दायित्वों के प्रति गंभीरता बरतें, मास्टर पंजिका को निर्धारित प्रारूप में व्यवस्थित रूप से तैयार करें तथा उसका नियमित अद्यतनकरण सुनिश्चित करें।पाई गई कमियों को दृष्टिगत रखते हुए खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए गए कि समस्त अभिलेखों एवं पत्रावलियों का समयबद्ध अद्यतनकरण कराया जाए तथा उनके सुव्यवस्थित रख-रखाव की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

तहसील कोंच और नगर पालिका उरई का डीएम ने किया निरीक्षण

लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण, राजस्व वसूली में तेजी और जनसुविधाओं में सुधार के सख्त निर्देश

जन एक्सप्रेस । उरई

जिले में प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने तहसील कौंच तथा नगर पालिका परिषद उरई का निरीक्षण कर विभिन्न पटलों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की।।तहसील कोंच पहुंचकर जिलाधिकारी ने विभिन्न पटलों का मुआयना करते हुए पत्रावलियों के रख-रखाव, रिकॉर्ड संधारण व्यवस्था एवं अभिलेखों की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया। सर्विस बुक एवं जीपीएफ पासबुक के अवलोकन के दौरान पाई गई विसंगतियों के निराकरण हेतु नायब तहसीलदार को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्ता पूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिकायत पंजिका में दर्ज चार शिकायतकर्ताओं से स्वयं दूरभाष पर वार्ता कर निस्तारण की वास्तविक स्थिति जानी, जिसमें सभी संतुष्ट पाए गए। तहसील न्यायालय में लंबित वादों की समीक्षा करते हुए तीन वर्ष एवं पांच वर्ष से अधिक पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही आरसीसीएमएस पोर्टल पर लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण एवं रियल टाइम खतौनी पोर्टल पर अभिलेख अद्यतन रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से 10 बड़े बकायेदारों की सूची तलब करते हुए उनकी संपत्तियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कर राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खतौनी कक्ष, लिपिक कार्यालय, पूर्ति निरीक्षक कार्यालय एवं संग्रह अमीन कार्यालय का निरीक्षण कर रिकॉर्ड सुव्यवस्थित रखने एवं लंबित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद उरई का निरीक्षण कर नगर क्षेत्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा सभी वार्डों के सभासदों के साथ संवाद किया। सभासदों द्वारा खराब सड़कों, स्ट्रीट लाइट एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याएं रखी गईं। इस पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित के कार्यों में लापरवाही न बरती जाए और प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। अंधेरे वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर शीघ्र स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर पालिका की आय बढ़ाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने गृहकर, दुकानाता, लाइसेंस फीस, ई-रिक्शा/ऑटो लाइसेंस शुल्क, विज्ञापन शुल्क, पार्किंग शुल्क तथा स्टांप शुल्क की दरों की समीक्षा कर आवश्यकतानुसार वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि नगर विकास कार्यों को गति मिल सके और संसाधनों में बढ़ोतरी हो। उन्होंने कहा कि नगर विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। आमजन को बेहतर सड़क, प्रकाश एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी ज्योति सिंह, उप जिलाधिकारी बिरेन्द्र गुप्ता, अधिशासी अधिकारी राम अचल कुरील, वार्ड सभासद एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डंपर की टक्कर से महिला की मौत, परिजनों में कोहराम

जन एक्सप्रेस । उरई

चुर्खी थाना क्षेत्र के ग्राम औता के पास तालाब के समीप डंपर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को तत्काल मेडिकल कॉलेज भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार इवेंट नंबर 6567 पर पीआरवी 8352 को सूचना मिली कि ग्राम औता के तालाब के पास एक बाइक में डंपर ने टक्कर मार दी है। हादसे में बाइक पर सवार मुन्नी देवी 55 पत्नी विद्या शंकर कुशवाहा निवासी ग्राम बाबई, थाना चुर्खी घायल हो गई थी। उन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज उरई भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में थाना अध्यक्ष ने बताया कि हादसे में शामिल डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डीसीएम व कार की आमने-सामने भिड़ंत, तीन घायल, गंभीर

उरई। कोंच कोतवाली क्षेत्र में बुधवार की देर रात एक कार कोंच की ओर जा रही थी और कोंच की ओर से एक डीसीएम मटर लादकर जालौन की ओर आ रही थी। कोंच रोड पर देवरी और उदोतपुरा के बीच दोनों वाहन आमने सामने आ गए और उनके बीच जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकरी राजा निवासी कार सवार सुमित, सौरभ, सुनील व वीरू गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके से निकल रहे लोगों ने हादसे की सूचना यूपी 112 को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उच्च संस्थान रेफर कर दिया। वहीं पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर कोतवाली में खड़ा कराया है।

अचानक हालत बिगड़ने से उपचार के दौरान महिला की मौत

जालौन। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तोपखाना में महिला की हालत बिगड़ने से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। नगर के मोहल्ला तोपखाना निवासी वजीर खान की पत्नी शबाना बेगम 25 वर्ष की बुधवार रात को घर में अचानक तबियत बिगड़ गई। हालत बिगड़ते देख परिवार के लोग उसको सीएचसी ले गए। जहां पर कुछ देर चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। घटना से परिजनों में चीख- पुकार मच गई और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पूछताछ शुरू कर दी। मृतका के देवर चांद ने बताया कि बीती 20 फरवरी को शबाना की झांसी में डिलीवरी हुई थी। जिसमें उसके नवजात की मौत हो गई थी और तभी से उसकी की तबीयत खराब चल रही थी। बताया कि कुछ सुधार होने पर परिजन उसको जालौन ले आए थे। पर बुधवार रात को अचानक फिर से तबीयत खराब हो गई थी। फिलहाल पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

अज्ञात कारणों के चलते ट्रेन से कटकर शिक्षक की मौत

जन एक्सप्रेस । उरई

एट थाना क्षेत्र में ट्रेन से कटकर शिक्षक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और जांच पड़ताल शुरू कर दी। हरनाम सिंह उर्फ मत्तू पुत्र गोविंद सिंह निवासी नुनवई थाना कोटरा हाल मुकाम एट में अपनी निज निवास पर रहते थे। बताया गया कि वह बृहस्पतिवार सुबह बाइक पर सवार होकर घर से निकला था। जिसने पिंडारी क्रॉसिंग से 1 किलोमीटर आगे की ओर रेलवे ट्रैक के पास बाइक खड़ी करके ट्रेन से कटकर जान दे दी। इस दौरान वहां पास के खेतों पर काम कर रहे किसानों ने जब हादसे को देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों से जानकारी जुटाने पर हरनाम के रूप में शिनाख्त कर खबर उसके परिजनों को दी। खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और वह रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए। वहीं मृतक के परिजनों ने बताया की मृतक झांसी जिले के पठा गांव में जूनियर स्कूल में बाबू के पद पर तैनात था। जिसका रोज एट से पठा बाइक द्वारा आना-जाना रहता था। बताया कि मृतक के दो बेटियां एक लड़का है, जिसमें एक बेटी की शादी हो चुकी है। वही पत्नी मंजू का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है जांच के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

भूमि संरक्षण राष्ट्रीय जलागम द्वितीय का कार्यालय से गायब रहना बना चर्चा

जन एक्सप्रेस । उरई

प्रदेश के मुखिया का नजदीकी बताकर हर किसी पर रौब गालिब करने वाले भूमि संरक्षण अधिकारी राष्ट्रीय जलागम, जालौन द्वितीय जिसका कार्यालय संबंधित विकासखंड में नहीं बल्कि जिला मुख्यालय के बोहदपुरा स्थित कृषि फार्म में जहां अक्सर ही अपनी ड्यूटी से भूमि संरक्षण अधिकारी गायब रहकर मौज काट रहे हैं। सवाल यह उठता है कि क्या वास्तव में भूमि संरक्षण अधिकारी प्रदेश के मुखिया के नजदीकी भी हैं या फिर वह गप्पबाजी कर रुआब गांठते है, यह जांच का विषय हो सकता है।

गौरतलब हो कि भूमि संरक्षण अधिकारी राष्ट्रीय जलागम, जालौन द्वितीय का कार्यक्षेत्र

कुठौंद व रामपुरा विकासखंड है तो ऑफिस भी जालौन तहसील या माधौगढ़ तहसील में होना चाहिए। लेकिन उसका मुख्य कार्यालय जिला मुख्यालय से दूर जालौन रोड स्थित बोहदपुरा कृषि फार्म परिसर में बना हुआ हैं। जहां भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय में कभी भी नियमित नहीं आते हैं। जब भी उनके कार्यालय में संपर्क किया जाता है तो बताया जाता है कि साहब प्रदेश के मुखिया के नजदीकी बताते हैं जिसकी वजह से हम लोग भी अपनी नौकरी सुरक्षित कर अपना मुंह बंद रखने में भलाई समझते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि जिसका कार्यक्रम सुदूर कुठौंद व रामपुरा विकासखंड के जालौन या माधौगढ़ तहसील में होना चाहिए लेकिन उसका मुख्य कार्यालय जिला मुख्यालय से भी दूर एकांत में बोहदपुरा कृषि फार्म परिसर में बनाया गया। इसके पीछे क्या कारण हो सकता है यह को भूमि संरक्षण अधिकारी ही सही तरीके से बता पायेंगे लेकिन कार्यक्षेत्र से सुदूर भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय होने की वजह से दोनों विकासखंडों के किसानों को परेशानियों का सामना करने को विवश होना पड़ रहा है।

भाई की जमीन पर कब्जा किया, रिपोर्ट दर्ज

जन एक्सप्रेस/शाहाबाद। एक भाई ने दूसरे भाई की जमीन पर कब्जा कर लिया और उस जमीन पर प्रधानमंत्री आवास की कॉलोनी बनानी प्रारंभ कर दी। भाई ने जब मना किया तो भाई और भौजाई को पीट कर घायल कर दिया। घटना की नाम से रिपोर्ट दर्ज कराई गई। शाहाबाद कोतवाली के मौलागंज निवासी याकूब पुत्र रसहाक के अनुसार उसके भाइयों में बंटवारा हो गया। छोटे भाई आफाक की प्रधानमंत्री कॉलोनी मंजूर हो गई और उसने उसकी जमीन पर बनाना प्रारंभ कर दिया। जब मना किया तो ने आफाक ने याकूब और उसकी पत्नी अमीना को पीटकर घायल कर दिया। घटना की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है । घायल पति-पत्नी का डाक्टरी परीक्षण कराया गया।

अराजकतत्वों ने मंदिर से मूर्तियां उखाड़कर किया माहौल बिगाड़ने का प्रयास

जन एक्सप्रेस । माधौगढ़

कस्बा के उत्तरीय मालवीय नगर के रामहेतपुरा रोड के पास गणेश जी मंदिर स्थापित है। उसी के थोड़ी दूरी पर शिव मंदिर बना हुआ है। उसमें तीन छोटी छोटी मूर्ति शिव, पार्वती व कार्तिकेय की स्थापित थी। बताया गया है कि देर रात शिव मंदिर में स्थापित शिव, पार्वती व कार्तिकेय की मूर्तियों को अराजक तत्वों ने उखाड़ कर गायब कर दी गई है। बृहस्पति की सुबह पूजा करने पहुंचे कस्वा के लोगों को मंदिर में मूर्ति न देख दंग रह गए।पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच पड़ताल की मंदिर की स्थापना दो साल पहले अधिवक्ता महेश खरे ने कराई थी वो भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने आस-पास खोज-बीन की, मूर्तियों की पता नहीं चल सका। एक माह पहले अराजक तत्वों ने तीनों मूर्ति तोड़कर फेंक दी थी। इसके बाद तीनों मूर्तियों को फिर से स्थापित करा दी थी। एक माह बाद फिर से अराजक तत्वों ने शिव, पार्वती व कार्तिकेय की मूर्ति उखाड़ कर ले गए। अधिवक्ता महेश खरे ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दे दी है। कोतवाल विकेश बाबू का कहना है कि अधिवक्ता महेश खरे से बातचीत हो गई, शीघ्र ही मूर्ति की स्थापना करा दी जाएंगी।

सीएसएन कालेज में हीरक जयंती समारोह में शामिल हुए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

जन एक्सप्रेस । हरदोई

हरदोई में सीएसएन पीजी कॉलेज के हीरक जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे।और मंच पर आते ही उन्होंने औपचारिक भाषण के बजाय हरदोई की स्थानीय बोली में संवाद शुरू किया, जिससे छात्र-छात्राओं में उत्साह का माहौल बन गया। उन्होंने अपने छात्र जीवन से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि समय के साथ बहुत कुछ बदला, लेकिन हरदोई की पहचान और आत्मीयता आज भी कायम है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कॉलेज के संस्थापक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोहनलाल वर्मा को नमन करते हुए कहा कि उनका परिवार वर्षों से वर्मा परिवार के संपर्क में रहा है और वे बचपन में अपने पिता के साथ इस परिसर में आया करते थे। उन्होंने पुराने समय की परिवहन और बिजली व्यवस्था की कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमित

संसाधनों के बावजूद शिक्षा के प्रति लगन कम नहीं थी। छात्रों से संवाद करते हुए उन्होंने दलेलनगर, बावन, बालामऊ और कछौना जैसे ग्रामीण क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों का विशेष उल्लेख किया और मन लगाकर पढ़ाई करने, शिक्षकों से संवाद बनाए रखने तथा सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने का संदेश दिया।उन्होंने संत कवि सूरदास, कबीर और रहीम के दोहों का उल्लेख किया तथा चंद्रशेखर आजाद को स्मरण करते हुए युवाओं से महापुरुषों के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। समारोह के अंत में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एमएलसी संतोष सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती वर्मा और प्राचार्य कौशलेंद्र सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

फेम के साथ मिलकर लॉन्च की सिंगल-यूज़ फेशियल किट की नई रेंज

कानपुर। डाबर इंडिया के सबसे भरोसेमंद और अग्रणी फेशियल ब्लीच ब्रांड, फेम ने दो एडवांस्ड सिंगल-यूज़ फेशियल ट्रीटमेंट किट- नियासिनमाइड ग्लास ग्लो और हयालूरोनिक लूमी ब्राइट लॉन्च करने की घोषणा की है। इस लॉन्च को एक प्रभावशाली और डिजिटल-फर्स्ट कैंपेन का समर्थन प्राप्त है, जिसमें लोकप्रिय भारतीय कॉमेडियन गुरलीन पन्नू और स्वाति सचदेवा शामिल हैं। यह कैंपेन रोमांटिक ब्रेकअप की उदासी को %सेल्फ-लव% (स्वयं से प्रेम) के जश्न में बदल देता है। इस पूरे विमर्श का केंद्र एक दमदार ब्रांड सच्चाई है- प्यार का निखार क्षणिक हो सकता है, लेकिन फेम का निखार लंबे समय तक टिकने के लिए बना है। पन्नू और सचदेवा के व्यंग्यात्मक ब्रेकअप शिष्टाचार वाले वायरल वीडियो क्लिप्स के माध्यम से इस अभियान ने देश भर मं चर्चा बटोरी है। ब्रेकअप के बाद के उस दौर को आधार बनाकर, जब आत्मविश्वास थोड़ा कम हो जाता है, फेम ने स्किनकेयर को केवल एक रूटीन के रूप में नहीं, बल्कि एक कमबैक रिचुअल (आत्मविश्वास वापसी के अनुष्ठान) के रूप में पेश किया है।

हरदोई में परीक्षा से घर लौट रही छात्रा पर धारदार हथियार से हमला,आरोपी गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । हरदोई

हरदोई जनपद के लोनार थाना क्षेत्र में जगदीशपुर गांव स्थित एक इंटर की परीक्षा देकर घर लौट रही एक छात्रा पर मनचले युवक ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार छात्रा ने तीन दिन पूर्व छेड़खानी की शिकायत लोनार कोतवाली में दी थी, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि पंकज पुत्र रामरूप निवासी असलापुर ने पीछे से बांके से वार किया। परिजनों का कहना है कि आरोपी युवती पर शादी का दबाव बना रहा था और मना करने पर उसने वारदात को अंजाम दिया।घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। छात्रा का आरोप है कि उसने पूर्व में पुलिस को कई बार फोन किया, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसपी पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

तीन दिन पूर्व छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने नही की कार्रवाई, दो पुलिसकर्मी निलंबित

एएसपी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि छात्रा द्वारा पूर्व में की गयी शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई न करने पर उपनिरीक्षक रामबली (चौकी प्रभारी) सकरौली और हेड कांस्टेबल अजीत कुमार को निलंबित कर दिया गया है।एएसपी ने बताया कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

छात्रा पर हमला करने वाला आरोपी मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पंकज को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त बांका भी बरामद कर लिया।बताया जा रहा है कि जब लोनार पुलिस आरोपी को थाने लेकर जा रही थी, तभी जगदीशपुर-बावन मोड़ के पास आरोपी ने आरक्षी रोहित की सरकारी राइफल छीनकर भागने का प्रयास किया। पीछा किए जाने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी।पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी पंकज के दाहिने पैर में गोली लग गई, जबकि आरक्षी रोहित भी घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।फिलहाल पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

गॉलब्लैडर के खिलाफ समय पर जांच ही सबसे बड़ा बचाव

लखनऊ। गॉलब्लैडर (पित्ताशय) कैंसर भारत में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन चुका है, विशेष रूप से गंगा के मैदानी क्षेत्रों में, जिसमें उत्तर प्रदेश और आसपास के राज्य शामिल हैं। इस बीमारी के स्पष्ट शुरुआती लक्षण नहीं होते और इसके संकेत अक्सर सामान्य गॉलब्लैडर संबंधी समस्याओं समझ लिए जाते हैं, जिस कारण अधिकतर मामलों में इसका पता देर से और एडवांस स्टेज में चलता है। फरवरी को गॉलब्लैडर कैंसर अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जाता है, ऐसे में इसके चेतावनी संकेतों और उपलब्ध उपचार विकल्पों के बारे में जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है ताकि इस बीमारी का बोझ कम किया जा सके। नानावती मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के एचपीबी एवं जीआई सर्जरी विभाग के वाइस चेयरमैन और ग्रोथ एवं स्ट्रेटेजी, ऑन्कोलॉजी विभाग के,लीड डॉ. गणेश नागराजन ने बताया गॉलब्लैडर कैंसर के सामान्य रेड फ्लैग संकेतों में पेट के दाहिने ऊपरी हिस्से में लगातार दर्द, आंखों या त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), लगातार मतली या उल्टी, बिना कारण वजन कम होना, बुखार, कुछ मामलों में पेट में गांठ महसूस होना या पित्त नली में रुकावट के लक्षण शामिल हैं।

बूथ अध्यक्ष की पत्नी को उच्च शिक्षा मंत्री ने दी दो लाख की सहायता राशि

जन एक्सप्रेस । शाहाबाद

शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र के मोहल्ला खलील निवासी बूथ अध्यक्ष शैलेंद्र पांडे उर्फ गौरी की मौत के बाद आर्थिक तंगी से गुजर रहे परिजनों को उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी द्वारा गुरुवार को अपने आवास पर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से निर्गत दो लाख की आर्थिक सहायता का चेक मृतक की पत्नी श्रीमती पुष्पा देवी को प्रदान किया गया। इस सहयोग राशि से आर्थिक तंगी से गुजर रहे परिवार को राहत मिली है। लगभग पांच माह पूर्व मौत हो गई थी। उसके बाद से शैलेंद्र पांडे का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक और प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर

उनका आर्थिक सहयोग करने का आश्वासन दिया था। अपने इस आश्वासन के अंतर्गत उन्होंने मुख्यमंत्री विवेकाधीन सहायता कोष से मृतक की पत्नी को दो लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की।ई इस मौके पर तहसील प्रशासन, भाजपा नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू, केन ग्रोवर्स अध्यक्ष रंजीत सिंह, मृतक के पिता रामलाल, भाई विपिन आदि मौजूद रहे।

हरदोई के सांडी में पटाखा बनाते समय दो मंजिला घर में विस्फोट, दो महिलाएं घायल

जन एक्सप्रेस । हरदोई

जनपद के सांडी कस्बे में होली के त्योहार पर एक दो मंजिला घर के अंदर पटाखा बनाते समय जबरदस्त विस्फोट हो गया।इस हादसे में मकान का भवन गिरने के साथ-साथ दो महिलाए भी गंभीर रूप से घायल हो गई।जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।पटाखों के विस्फोट की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग भी सहम गए।और सैकड़ो की तादाद में लोग मौके पर जमा हो गए।

जानकारी के अनुसार सांडी कस्बे के मोहल्ला औलादगंज निवासी दिलशाद की कस्बे के बाहर पटाखा बनाने की दुकान है।गुरुवार की शाम दिलशाद की पत्नी साजिया (30) व

उसकी देवरानी रुबीना (25) पत्नी इरशाद दो मंजिला मकान में होली त्यौहार के मद्देनजर पटाखा बना रही थी।उसी समय पटाखों में अचानक जोरदार विस्फोट हो गया।बारूदी विस्फोट होने से दूर तक आवाज सुनाई पड़ी। धमाका इतना जोरदार था दो मंजिला इमारत की दीवारों में दरारें आ गईं।इस विस्फोट में देवरानी व जेठानी दोनो गंभीर रूप से घायल हो गई।हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।बताया जाता है की 14 साल पहले 2012 में भी घर के अंदर बड़ा विस्फोट हो गया था जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

बच्चों को चिन्हित कर सरकार की सभी योजनाओं से लाभान्वित करें: डीएम

जन एक्सप्रेस । हरदोई

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता मे जिला टास्क फोर्स एवं बाल श्रम उन्मूलन जनपद समिति की बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने सहायक श्रमायुक्त को निर्देश दिये कि जनपद के ईट भट्ठा, होटल, रेस्टोरेन्ट, फैक्ट्री आदि स्थलों पर छापेमारी कर बाल श्रमिकों को बाल श्रम से मुक्त करायें। उन्होंने कहा कि बच्चों को चिन्हित कर उनको सरकार द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं का लाभ दिया जाये। उन बच्चों को बाल सेवा योजना से जोड़ा जाये, बालिकाओं का कस्तूरबा विद्यालय मे प्रवेश दिलाया जाये। बच्चों के परिवार को चिन्हित कर राशन कार्ड, उज्जवला योजना का लाभ दिलाया जाये। उन्होंने कहा कि 14 से 18 वर्ष के बच्चे है उन्हें खतरनाक कार्यो के प्रति दूर रखने हेतु अभियान चलाकर उनके अभिभाविकों को जागरूक करें बच्चों को शिक्षित बनाये और बाल श्रम न करायें। बैठक में समिति के सदस्यों ने बाल श्रम रोकने हेतु अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में सहायक श्रमायुक्त सत्यवीर सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए अशोक कुमार मौर्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार निगम, समिति के सदस्य शत्रुघ्न द्विवेदी, आदि उपस्थित रहे।

बी-सी ग्रेड योजनाओं पर प्रभारी मंत्री का कड़ा रुख, प्रगति सुधारने का अल्टीमेटम

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जनपद के प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ दयाशंकर मिश्रा दयालु ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी परियोजनाएं गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समयसीमा में पूर्ण की जाएं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए तथा परियोजनाओं की प्रगति से संबंधित जनप्रतिनिधियों को समय-समय पर अवगत कराया जाए। उन्होंने शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित करने के निर्देश भी दिए।

समीक्षा के दौरान चेतरा नर्सरी, वनग्राम-24 तथा हथियाहवा-बलुअहिया संपर्क मार्ग के निर्माण में हो रही देरी पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वनग्रामों का विकास मुख्यमंत्री की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है, ऐसे में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सीएचसी सोहगीबरवा के निर्माण के संदर्भ में उन्होंने आवश्यक स्टाफ की तैनाती कर शीघ्र संचालन प्रारंभ करने का निर्देश दिया। वहीं राजकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय, बिशुनपुर के निर्माण में देरी पर संबंधित ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाने को कहा। बैठक में बी एवं सी ग्रेड की योजनाओं की प्रगति पर विशेष ध्यान देते हुए मंत्री ने सुधारात्मक कदम उठाने और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा के उपरांत उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में निर्माणाधीन मल्टी पर्पज हॉल का स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही हॉल परिसर में स्वयं सहायता समूहों एवं जनपद के प्रमुख उत्पादों के लिए दुकान की व्यवस्था करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें प्रोत्साहन मिल सके। मंत्री ने अधिकारियों से विभागों में नवाचार को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यटन, कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं, जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में जनपद की उल्लेखनीय भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया।जिलाधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी अधिकारियों को मंत्री के निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। इससे पूर्व जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री व जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, विधायक पनियरा ज्ञानेंद्र सिंह, विधायक नौतनवा ऋषि त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह, एडीएम (वि/रा) डॉ प्रशांत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सन्दिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

जन एक्सप्रेस प्रतापगढ़। जिले के कोहड़ौर थाना इलाके के धन्नीपुर गांव निवासी राम चन्दर का 21 वर्षीय बेटा वीरेन्द्र गौतम बुधवार शाम छ बजे बारात जाने के लिए कहकर घर से निकला था। देर रात वह एक बाइक समेत गम्भीर रूप से घायल अवस्था मे पूरे क्षमा पुल के समीप मिला। जहां पर एम्बुलेंस के जरिये उसे सीएचसी कोहड़ौर लाया गया। सीएचसी में उसकी हालत गम्भीर देख डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया और जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिजन बाइक स्वामी के बेटे के साथ ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। मौके पर मिली बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त है। इलाके में चर्चा है कि युवक तेज रफ्तार से बाइक समेत विद्युत पोल में टकराया होगा जिससे उसकी मौत हुई होगी। फिलहाल अब ये तो पुलिस जांच के बाद ही सामने आयेगा। वहीं बाइक के मालिक के बेटे ने रात में ही अपनी बाइक चोरी होने की तहरीर पुलिस को दी थी। फिलहाल कोहड़ौर पुलिस सीसीटीवी खंगालने के साथ ही मामले की गम्भीरता से छानबीन कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। एसओ कोहड़ौर धनन्जय राय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट व साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी व इनामिया तीन अभियुक्त गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले की जेठवारा थाने की पुलिस ने धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में दर्ज मुकदमे में वांछित व इनामिया तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी पहले ही गिरफ्तार कर भेजा जा चुका है जेल। बता दें कि मध्यप्रदेश के सागर जिले के पथरिया निवासी सन्तोष शुक्ला की तहरीर पर जेठवारा पुलिस ने चार नामजद व पांच छ अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की गम्भीरता से जांच कर रही थी। सन्तोष का आरोप था कि थाना इलाके के कुटिलिया गांव निवासी बदरुल जमा पुत्र रफीउजमा द्वारा अपने पास रखा गया था। आरोप है कि उसका धर्म परिवर्तन भी कराया गया। पीड़ित द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वह बचपन से ही अपने परिजनों से अलग रह रहा है तथा लगभग बारह वर्ष से बदरुल जमा के यहां रहता है। लगभग चार वर्ष पूर्व बदरूल जमा पुत्र रफीउजमा, कल्लू पुत्र मुनीर, नईम पुत्र मुनीर निवासी कुटिलिया सेंडदेई, निजाम पुत्र जैनुद्दीन एवं पांच-छः अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसका धर्म परिवर्तन कर उसका नाम शेर खान पुत्र उमर रख दिया गया। पुलिस सरगर्मी से अभियुक्तों की तलाश कर रही थी। एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एएसपी पश्चिमी बृजनन्दन राय व सीओ सदर करिश्मा गुप्ता के नेतृत्व में थाना प्रभारी जेठवारा विजय कान्त सत्यार्थी व स्वाट टीम ने मुखबिर की सूचना पर पच्चीस पच्चीस हजार रुपये के इनामिया अभियुक्त निजामुद्दीन उर्फ निजाम, सफीउज्जमा उर्फ कल्लू व नईमुद्दीन उर्फ नईम को थाना क्षेत्र अतंर्गत तान्त्रिक चौराहे के पास से गुरुवार को गिरफ्तार किया।

डीएम एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । महराजगंज

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीना ने बुधवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सामान्य बैरक, महिला बैरक, कारागार चिकित्सालय, पाकशाला तथा जेल परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और जेल अधीक्षक को संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने जमानत, पेशी, गवाही एवं अन्य न्यायिक प्रक्रियाओं के मामलों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से समन्वय कर बंदियों को आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जेल मैन्युअल के अनुरूप बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं को सुनिश्चित करने तथा उनके स्वास्थ्य की नियमित अंतराल पर चिकित्सीय जांच कराने के निर्देश भी दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम को सुव्यवस्थित करने और सभी संवेदनशील स्थलों की 24म7 निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही हाई सिक्योरिटी बैरक को हैंडओवर की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक बृज किशोर गौतम सहित अन्य कारागार अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद की अध्यक्षता में निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सम्पन्न

जन एक्सप्रेस प्रतापगढ़। जिले में गुरुवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक विकास भवन स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें सांसद एसपी सिंह पटेल ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विधायक रानीगंज आरके वर्मा, विधायक जीतलाल पटेल, जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिव्या मिश्रा तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान केन्द्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता से जुड़े योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा जन सुविधाओं से जुड़े अनेक सुझाव और समस्याओं को भी रखा गया। जिसके समाधान के निर्देश समिति द्वारा अधिकारियों को दी गई। योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए स्थानीय समस्याओं एवं सुझावों पर विचार-विमर्श कर उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। अध्यक्ष एसपी सिंह पटेल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों से जुड़ी जो शिकायतें व फीडबैक रखा गया है। उसे अधिकारी गंभीरता से लेते हुए समय सीमा के अन्दर उसका समाधान कराएं। विकास योजनाओं के सफलतम क्रियान्यावन के लिए रोड मैप तैयार कर कार्य किए जाए। अधिकारी व जनप्रतिनिधि जिले के विकास के लिए आगे आकर टीम भाव से कार्य करें। जिससे कि विकास की दिशा में जिला अग्रणी रहे।

पर्दाफाश : कलियुगी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर रची पति के हत्या की साजिश, पत्नी व उसके प्रेमी समेत चार गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के बाघराय थाना इलाके में एक कलियुगी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति को ही रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले का पर्दाफाश करते हुए मृतक की पत्नी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि थाना इलाके के गोगौर गांव निवासी संगीता पत्नी शेषमणि ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि उसका पति प्रधान पिंटू सिंह के यहां काम करता था। बीते 6 जनवरी को काम खत्म कर घर आते समय रास्ते मे उस पर अज्ञात लोगों हमला कर घायल कर दिया। जिसके इलाज प्रयागराज के स्वरूपरानी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की हर पहलुओं से जांच कर रही थी। इसी बीच घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गयी जिसके बाद पुलिस द्वारा विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं मृत्यु के दृष्टिगत मुकदमे में सम्बंधित धारा की वृद्धि की गई। एसपी दीपक भूकर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एएसपी पश्चिमी व सीओ सदर के कुशल नेतृत्व में बाघराय पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए घटना में शामिल आरोपियों सचिन यादव, नागेश कुमार, तस्लीम व मृतक की पत्नी संगीता यादव व एक नाबालिग को थाना इलाके के गंगा एक्सप्रेसवे के नीचे ग्राम गोगौरी के पास से गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस ने इनके कब्जे से जेवरात व घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त सचिन यादव से जेवरों के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि उसका मृतक शेषमणि की पत्नी संगीता से लम्बे समय से अवैध सम्बन्ध था। जिसकी जानकारी होने पर शेषमणि अपनी पत्नी संगीता को इस बात को लेकर रोज दबाव डालता व परेशान करता था। संगीता ने अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए जेवरात अपने प्रेमी को दिया ताकि उसे बेचकर पैसे की व्यवस्था हो सके। जिसके बाद अभियुक्त सचिन यादव ने अपने साथी नागेश कुमार यादव, तस्लीम व अभिषेक गौतम के साथ मिलकर शेषमणि को मरवाने का सौदा कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने बीस हजार रुपये उन लोगों को दिया और पचास हजार काम होने के बाद देने का वादा किया। बीते छ फरवरी को जब शेषमणि ग्राम प्रधान पिन्टू सिंह के घर से काम करके घर वापस आ रहा था तभी चारों आरोपियों ने गंगा एक्सप्रेसवे हाईवे के पास रोक लिया। योजना के अनुसार सचिन, नागेश व अभिषेक गौतम पीछे से शेषमणि को पकड़ लिये और तस्लीम ने अपने पास लिये लोहे की राड से शेषमणि के सिर पर मारा जिससे शेषमणि मौके पर ही गिर गया और बेहोश हो गया और कुछ दिनों बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। फिलहाल पुलिस ने दोषियों को गिरफ्तार कर उन्हें सलाखों के पीछे कर दिया है।

महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले के मंगरौरा विकासखंड के सभागार में गुरुवार को ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सरकारी योजनाओं को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख राजीव प्रताप सिंह, बीडीओ राजीव पाण्डेय, थाना प्रभारी धनन्जय राय, मिशन शक्ति टीम प्रभारी राजकुमार मिश्र व विनोद पाण्डेय मौजूद रहे। इस दौरान महिलाओं को स्वरोजगार, कानूनी अधिकारों और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे आर्थिक व सामाजिक रूप से स्वावलंबी बन सकें। बीडीओ राजीव पाण्डेय ने ग्राम पंचायतों, पंचायती राज संस्थाओं और जीविका समूहों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सहभागिता आधारित मॉडल अपनाना जरूरी है। प्रशिक्षण में पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में महिलाओं की भूमिका और सहभागिता को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान ब्लाक प्रमुख राजीव प्रताप सिंह ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों और पंचायती राज संस्थाओं के बीच मजबूत तालमेल से गांवों में विकास की रफ्तार तेज होगी और इसका लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल महिला नेतृत्व और आत्मनिर्भर ग्राम व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमारी प्रदेश और केंद्र सरकार भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित है। कार्यक्रम का संचालन नीलम ने किया। कार्यक्रम में विशाल सिंह, सिद्धान्त तिवारी, विकास सिंह, अजीत यादव, राय साहब समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सन्दिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, हत्या का आरोप, जांच में पुलिस

जन एक्सप्रेस प्रतापगढ़। जिले के कोहड़ौर थाना इलाके के धन्नीपुर गांव निवासी राम चन्दर का 21 वर्षीय बेटा वीरेन्द्र गौतम बुधवार शाम छ बजे बारात जाने के लिए कहकर घर से निकला था। देर रात वह एक बाइक समेत गम्भीर रूप से घायल अवस्था मे पूरे क्षमा पुल के समीप मिला। जहां पर एम्बुलेंस के जरिये उसे सीएचसी कोहड़ौर लाया गया। सीएचसी में उसकी हालत गम्भीर देख डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया और जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिजन बाइक स्वामी के साथ ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। वहीं बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त है। इलाके में चर्चा है कि युवक तेज रफ्तार से बाइक समेत विद्युत पोल में टकराया होगा जिससे उसकी मौत हुई होगी। फिलहाल अब ये तो पुलिस जांच के बाद ही सामने आयेगा। वहीं बाइक के मालिक ने रात में ही अपनी बाइक चोरी होने की तहरीर पुलिस को दी थी। फिलहाल कोहड़ौर पुलिस सीसीटीवी खंगालने के साथ ही मामले की गम्भीरता से छानबीन कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। एसओ कोहड़ौर धनन्जय राय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट व साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

होली पर्व के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग अलर्ट, नमूने लेकर भेजा जांच को

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में आगामी पर्व होली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय है। त्योहार पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु विभाग द्वारा 19 से 28 फरवरी तक अभियान चलाते हुए बाजार में विक्रय किये जा रहे खोया, खाद्य तेल एवं वनस्पति, घी, गुझिया, नमकीन समेत विभिन्न खाद्य पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हेतु जिला अभिहित अधिकारी अभय कुमार सिंह के नेतृत्व में खाद्य सचल दल द्वारा जिले के विभिन्न बाजारों में स्थित प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुये खाद्य पदार्थों का नमूना संग्रहित किया जा रहा है। उसी क्रम में गुरुवार को कुण्डा तहसील के बाबूगंज बाजार स्थित लालजी तिवारी की दुकान से खोया का एक नमूना संग्रहित करते हुए पन्द्र हजार कीमत का लगभग साठ किलो खोया नष्ट कराया गया। वहीं ताजपुर बाजार स्थित वंशीलाल के यहां से सूजी (अन्नकूट गोल्ड) का एक नमूना संग्रहित किया गया। इस दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए दो खाद्य प्रतिष्ठान को सुधार नोटिस जारी किया गया। साथ ही दो नमूने को संग्रहित कर विश्लेषण हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला को भेजा गया। खाद्य सचल दल में रोशन सिंह, सन्तोष कुमार दूबे, डॉ. तूलिका शर्मा, डा. शमशुन नेहा व शहाब उद्दीन सिद्दीकी खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जीरो फेटेलिटी अभियान के तहत दी गई यातायात नियमों की जानकारी

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में %जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट% अभियान और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (फरवरी-2026) के तहत लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उसी क्रम में गुरुवार को एसपी दीपक भूकर के निर्देश पर उपनिरीक्षक यातायात रामाग्रे सिंह, उपनिरीक्षक यातायात सुधांशु पाठक, एंटी रोमियो प्रभारी, डायल-112 के अधिकारीगण एवं सदर पेशकार मुख्य आरक्षी चंद्रभूषण सिंह द्वारा पुलिस लाइन स्थित सभागार में साकेत पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकगण को लाउड हेलर के माध्यम से यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया। इस दौरान वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट एवं चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने तथा यातायात संकेतों एवं नियमों का पालन करने हेतु विशेष रूप से प्रेरित किया गया। साथ ही साइबर अपराधों की रोकथाम एवं महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। यातायात पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर स्वयं एवं अन्य नागरिकों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उक्त जागरूकता अभियान जनपद में निरंतर संचालित किया जा रहा है।

गौशाला के जानवरों ने उजाड़ी 10 बीघा गन्ने की फसल, किसानों ने थाने में दी तहरीर

जन एक्सप्रेस/महोबा। विकासखंड पनवाड़ी की ग्राम पंचायत सलैया खालसा में गौशाला के जानवरों द्वारा किसानों की गन्ने की फसल बर्बाद किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित किसानों का आरोप है कि गौशाला में लगभग एक सैकड़ा से अधिक निराश्रित पशु संरक्षित हैं, जिनके लिए शासन स्तर से भूसा-चारा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार कर्मचारियों द्वारा पशुओं को खुले में छोड़ दिया जाता है, जिससे आसपास के खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हो रहा है।

किसानों के मुताबिक, इस समय उनके खेतों में गन्ने की फसल लहलहा रही थी, लेकिन गौशाला से छोड़े गए जानवरों ने करीब 9 से 10 बीघा फसल पूरी तरह चौपट कर दी। किसानों ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में पहले ग्राम प्रधान से शिकायत की, परंतु कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सांसद की अध्यक्षता में निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सम्पन्न

जन एक्सप्रेस । प्रतापगढ़

जिले में गुरुवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक विकास भवन स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें सांसद एसपी सिंह पटेल ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विधायक रानीगंज आरके वर्मा, विधायक जीतलाल पटेल, जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिव्या मिश्रा तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान केन्द्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता से जुड़े योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा जन सुविधाओं से जुड़े अनेक सुझाव और समस्याओं को भी रखा गया। जिसके समाधान के निर्देश समिति द्वारा अधिकारियों को दी गई। योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए स्थानीय समस्याओं एवं सुझावों पर विचार-विमर्श कर उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। अध्यक्ष एसपी सिंह पटेल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों से जुड़ी जो शिकायतें व फीडबैक रखा गया है। उसे अधिकारी गंभीरता से लेते हुए समय सीमा के अन्दर उसका समाधान कराएं। विकास योजनाओं के सफलतम क्रियान्यावन के लिए रोड मैप तैयार कर कार्य किए जाए। अधिकारी व जनप्रतिनिधि जिले के विकास के लिए आगे आकर टीम भाव से कार्य करें। जिससे कि विकास की दिशा में जिला अग्रणी रहे।

टेट अनिवार्यता के विरोध में बीएसए कार्यालय पर गरजे शिक्षक, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

जिले से लेकर दिल्ली तक लड़ी जाएगी शिक्षकों के सम्मान की लड़ाई- चन्द्रिका सिंह'

जन एक्सप्रेस। बस्ती

परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को टीईटी पास करने की अनिवार्यता के विरोध में जिले के हजारों शिक्षकों ने गुरुवार को बीएसए कार्यालय के प्रांगण में धरना देकर पैदल मार्च करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में सभी संगठनो ने एक साथ मिलकर टीईटी पास करने की अनिवार्यता से मुक्त किए जाने की मांग किया। शिक्षकों का कहना था कि 1 सितंबर 2025 को सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार के 2017 के शासनादेश के क्रम में सेवारत शिक्षकों के लिए भी टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है, जबकि सभी शिक्षक नियुक्ति के समय निर्धारित मानकों को पूरा कर ही सेवा में आए थे। सरकार का यह निर्णय न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि लाखों परिवारों के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। धरने को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि शिक्षकों के ऊपर जबरन टीईटी अनिवार्यता की जा रही है ।शिक्षको ने नियुक्ति के सभी सभी मानक पूर्ण किये थे उस समय सभी परीक्षा पास की थी लेकिन आज सरकार की गलत नीतियों के कारण शिक्षक आज हाशिये पर है। कहा कि शिक्षकों के सम्मान की लड़ाई जिले से लेकर दिल्ली तक लड़ी जाएगी। जूनियर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विष्णु दत्त शुक्ल ने कहा कि यह संकट का समय है और इस संकट के समय में हम सभी को एकजुट होकर इस काले कानून के खिलाफ लड़ाई लड़नी है। जिलामंत्री बालकृष्ण ओझा, जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, रवीश मिश्र ने कहा कि सरकार की उदासीनता को देखते हुए शिक्षकों ने दिल्ली में विशाल धरने को लेकर रणनीति बनाई है और आने वाले समय मे शिक्षक अब रामलीला मैदान में पहुँचकर सरकार की गलत नीतियों का विरोध करेंगे। धरने को शिव रतन, उमाकांत शुक्ल, राजकुमार तिवारी, अविनाश दूबे, राजेश गिरी, अशोक यादव, विवेक कान्त पाण्डेय, सनद पटेल, अटल उपाध्याय, प्रमोद सिंह, बब्बन पाण्डेय, रामसागर वर्मा, विवेक सिंह, सन्तोष पाण्डेय, हरिओम यादव, अखिलेश पाण्डेय, बृजेश त्रिपाठी, हरेंद्र यादव, सत्य प्रकाश, राम प्यारे, सनद पटेल, विजय यादव, अनीश, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, सुरेश गौड़, प्रवीण श्रीवास्तव, अनिल पाठक, सीनियर शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण सिंह, जिलाध्यक्ष शिवशंकर पाण्डेय, सेवानिवृत्त शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उदय भान दूबे, शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार शुक्ल आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों के सम्मान और उनकी रोजी-रोटी की सुरक्षा के लिए पूरा शिक्षक समाज एकजुट है। शिक्षकों को अगर टीईटी से मुक्ति नही मिली तो सरकार को बदलने की भी तैयारी शिक्षक और उनका परिवार करेगा। धरने का संचालन समीउल्लाह अंसारी ने किया। धरने और पैदल मार्च में मुख्य रूप से कंचनमाला त्रिपाठी, रीता सिंह, रंजन सिंह, दिनेश सिंह, नीलू द्विवेदी, विनीता त्रिपाठी, मंगला मौर्य, रजनीश यादव, रुकुनुद्दीन, कुसुम कुमारी, गीता सिंह, चंद्र द्विवेदी, चंद्रमोहन, पवन यादव, राम रंग, फौजिया सिद्दीकी, चन्दना सिंह, सुनीता चौधरी, दुर्गेंद्र सिंह, पुष्पेंद्र कुमार, धीरज सिंह, देवेंद्र चौधरी, हरिश्चंद्र चौधरी, गौरव चौधरी, आज्ञाराम वर्मा, उपेंद्र पाण्डेय, इंद्रजीत, वेदप्रकाश, फूलचंद चौधरी, राजेश कुमार, वंदना त्रिपाठी, राम सूरत, विनोद कुमार, बालमुकुंद चौधरी, साधना पाठक, शारदा, बी पी आनंद, जितेंद्र कुमार, महादेव वर्मा, सुनील सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

महायज्ञ से पूर्व निकली कलश यात्रा

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। खुटहन धिरौली नानकार गांव स्थित प्राचीन बान्हदैत्य बाबा मंदिर पर आयोजित रूद्र महायज्ञ के पूर्व गुरुवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य यजमान वरिष्ठ सपा नेता डाक्टर सूर्यभान यादव सिर पर कलश रख तथा 108 कन्याएं हाथों में धर्म पताका लेकर पूरे गांव का भ्रमण किया। पंडित वशिष्ठ नारायण चतुर्वेदी व पंडित शिवकुमार त्रिपाठी ने वैदिक रीति से मंत्रोच्चार के साथ कलश पूजन कराया। उन्होंने कहा कि कलश उस महाशक्ति का प्रतीक है जो पूरी सृष्टि का पालक और संचालक है। यात्रा में शामिल होने मात्र से कई तीर्थों के बराबर फल मिल जाता है। कलश यात्रा के साथ महायज्ञ का शुभारंभ हो गया। शुक्रवार को बेदी पूजन व कथा तथा अगले दिन सामूहिक रूद्राभिषेक अंतिम दिवस रविवार को हवन पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया है।

उल्लास के साथ मनाया गया राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का 61वां स्थापना दिवस

जन एक्सप्रेस। बस्ती

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का 61 वां स्थापना दिवस प्रेस क्लब सभागार में उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा के संयोजन में परिषद के सेवा निवृत्त कर्मचारी नेताओं को अंग वस्त्र, प्रशस्ति-पत्र भेंटकर फूल मालाओं के साथ सम्मानित किया गया।

परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने स्वर्गीय बी.एन. सिंह, पी.एन. शुक्ल का स्मरण करते हुये कहा कि आज कर्मचारियों को जो सुविधायें प्राप्त हो रही हैं उसके पीछे हमारे पूर्वज नेताओं के संघर्षो का लम्बा इतिहास है। परिषद के जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि पिछले 60 वर्षो में अनेक आन्दोलन किये गये, कर्मचारी नेता जेल, गये लाठियां खाई, बर्खास्त हुये किन्तु अपने मुद्दों से पीछे नहीं हटे। ऐसे महान नेताओं से प्रेरणा लेकर हमें पुरानी पेंशन नीति बहाल करने की मांग को लेकर एकजुटता बनाये रखनी होगी, यही पूर्वज नेताओं के प्रति भी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

परिषद के 61 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति ने कहा कि सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने परिवार के हैं। इन्हें सम्मानित करना बड़ा अवसर है। कोषागार से सम्बंधित सभी समस्याओं का प्रभावी ढंग से निस्तारण कराया जाता है।

कार्यक्रम में कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य, कलेक्टेऊ्ट कर्मचारी संघ के मंत्री आशीष कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी संघ अध्यक्ष अरूणेश पाल, ग्राम विकास अधिकारी संघ मंत्री सुधीर सिंह, डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ अध्यक्ष ई0अभिषेक सिंह, ग्राम विकास अधिकारी संघ के मण्डल अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, ट्यूबेल टेक्निकल इम्पलाइज एसोसिएशन अध्यक्ष सन्तोष राव, ई. राजेश श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक संघ अध्यक्ष अजय सिंह, बोरिंग टेर्क्निशियन लघु सिंचाई अध्यक्ष सुभाष पाण्डेय, ड्राइंग स्टाफ एसोसिएशन अध्यक्ष शीतल गुप्ता, आई.टी.आई कर्मचारी संघ अध्यक्ष हरिशंकर, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्र, अधीनस्थ कृषि सेवा संघ अध्यक्ष अभिषेक सिंह, पेन्शनर्स कल्याण संस्थाध्यक्ष जलालुद्दीन आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि 61 वां स्थापना दिवस समीक्षा और संकल्प का दिन है। हम सब शपथ लें कि जब तक पुरानी पेंशन नीति बहाल नहीं होती आन्दोलनों में पूरी ताकत झोंक दें।

इस अवसर पर परिषद से सम्बद्ध सेवा निवृत्त कर्मचारी रामधनी चौधरी, प्रदीप श्रीवास्तव, रामानुज शुक्ल, राधेश्याम, सालिगराम वर्मा, उदयपाल, सिद्धू प्रसाद, एस.आर. कन्नौजिया, श्रीमती मंजू सिंह पाल, श्रीमती भारती सिंह, योगेन्द्र यादव, जे.पी.एन. सिंह, कौशल चौधरी, उपेन्द्र सिंह को उनके योगदान के लिये अंग वस्त्र, प्रशस्ति-पत्र भेंटकर फूल मालाओं के साथ सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में समाजसेवी जगदीश प्रसाद शुक्ल के साथ ही परिषद के प्रमोद शुक्ल, मंशाराम चौधरी, उमेश, सुभाष चन्द्र पाण्डेय, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, अखिलेश शुक्ल, रामचरन, विश्वनाथ श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, दिलीप वर्मा, अनूप वर्मा, हरिकिशोर, अविनाश कुमार, मो. अजहर, राम प्रकाश, रूद्र नरायन रूदल, राम बचन भारती, अशोक चौहान, राम भरत पाल, के साथ ही सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

लोक अदालत से न्याय सुलभ, लैंगिक समानता से समाज सशक्त: सिविल जज सुशील सिंह

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

समाज में न्यायिक जागरूकता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर, दीवानी न्यायालय जौनपुर एवं रूश्चद्धड्डद्वद्गड्डक्ष ॥ड्डह्यड्डठ्ठ क्रल. ष्टश्चद्यद्गद्दद्ग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। संगोष्ठी में राष्ट्रीय लोक अदालत, स्थायी लोक अदालत, लैंगिक समानता तथा पीसीपीएनडीटी अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दीवानी बार काउंसिल जौनपुर के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि लैंगिक समानता केवल सामाजिक आवश्यकता ही नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व भी है, जिसे सामूहिक प्रयास से सशक्त करना होगा।

मुख्य वक्ता के रूप में सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर सुशील कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत एवं स्थायी लोक अदालत न्याय को सरल, त्वरित और किफायती बनाती हैं, जिससे आमजन को सुलभ न्याय प्राप्त होता है।

उन्होंने क्कह्द्ग-ष्टशठ्ठष्द्गश्चह्लद्बशठ्ठ ड्डठ्ठस्र क्कह्द्ग-हृड्डह्लड्डद्य ष्ठद्बड्डद्दठ्ठशह्यह्लद्बष्ट ञ्जद्गष्द्धठ्ठद्बह्नह्वद्गह्य ष्ठ (पीसीपीएनडीटी अधिनियम) के प्रावधानों की जानकारी देते हुए भ्रूण लिंग परीक्षण को दंडनीय अपराध बताया और बालिका संरक्षण के लिए समाज से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. अब्दुल कादिर खाँ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा और जागरूकता ही लैंगिक भेदभाव समाप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल डॉ. दिलीप सिंह ने कहा कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम का कठोर अनुपालन संतुलित लिंगानुपात के लिए आवश्यक है। दीवानी बार काउंसिलिंग के मंत्री उस्मान अली ने विधिक पेशे से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी पर बल देते हुए समाज में न्याय और समानता की भावना सुदृढ़ करने का आह्वान किया। लोक अदालत सदस्य रजनी सिंह ने महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी बताया। संगोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने घटते बाल लिंगानुपात पर चिंता व्यक्त करते हुए लोक अदालत की उपयोगिता और उसके लाभों को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित खेल महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

वहीं छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य और सामाजिक संदेश पर आधारित नाटक प्रस्तुत कर वातावरण को भाव-विभोर कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान ने प्रभावी ढंग से किया। इस अवसर पर विजय श्रीवास्तव (लोक अदालत सदस्य), वरिष्ठ पत्रकार आर.पी. सिंह, डॉ. जीवन यादव, डॉ. ममता सिंह, डॉ.नीलेश सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ. संतोष सिंह, प्रवीण यादव, तकरीम फातमा, आदिति मिश्रा, अंकित यादव, उमरा खान, फरहीन बानो सहित महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने बुलंद की आवाज

बीएसए कार्यालय पर धरना प्रदर्शन के बाद पैदल मार्च करते पहुंचे कलेक्ट्रेट, सौंपा ज्ञापन

सेवारत शिक्षकों को टीईटी अनिवार्यता से मुक्त करे सरकार: अरविंद शुक्ल

अध्यादेश लाओ, शिक्षकों की सेवा बचाओ काला कानून वापस हो के लगे नारे

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

टीचर्स फेडरेशन आफ इंडिया (टीएफआई) के बैनर तले जनपद के अधिकांश संगठनों ने टीईटी अनिवार्यता के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन के तहत गुरुवार को बीएसए कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की। इसके बाद बीएसए कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। वहां प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। धरना सभा में शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि जुलाई 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों की भर्ती हुई और उन्होंने सारी अर्हता पूरी करते हुए शिक्षक के पद पर नियुक्त हुए हैं। लेकिन उच्चतम न्यायालय के एक सितंबर 2025 के निर्णय के द्वारा सभी शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता के आदेश से शिक्षकों में घोर निराशा की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे शिक्षक चिंतित एवं आक्रोशित है। शिक्षक नेताओं ने मांग किया कि सरकार आरटीई एक्ट में 2017 में किए गए संशोधन को रद्द करते अध्यादेश लाकर पूर्व की भाति 2011 से पूर्व में नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता को समाप्त करे। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में शिक्षकों का पक्ष रखे जिससे देश के लाखों शिक्षकों की सेवा संरक्षित हो सके। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ल ने कहा कि सरकार इस आशय का हलफनामा एनसीटीई के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल करवाए, जिससे शिक्षकों के साथ न्याय हो सके। पैदल मार्च में शिक्षकों ने काला कानून वापस लो, अध्यादेश लाओ, शिक्षकों की सेवा बचाओ के नारे लगाते हुए अपनी समस्याओं के प्रति सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। इसके पहले चरणबद्ध आंदोलन के क्रम में टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक 22 फरवरी को 2 ट्विटर महाअभियान तथा 23 फरवरी से लेकर 25 फरवरी तक अपने कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर टीईटी अनिवार्यता का विरोध करे चुके हैं। लेकिन अभी तक उन्हें इस समस्या से राहत नहीं मिली। इसके बाद पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत धरना प्रदर्शन कर जोरदार तरीके से विरोध दर्ज कराया गया। धरना सभा की अध्यक्षता अरविंद शुक्ला व संचालन रामदुलार यादव ने किया। जिला उपाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ , प्रशांत मिश्र ने कहा कि सफलता मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।इस मौके पर जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अतुल प्रकाश यादव, रवि चंद यादव, शिवकुमार सरोज,लाल साहब यादव, वीरेंद्र प्रताप सिंह, राय साहब यादव, ए आर पी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह महिला प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला अध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी यादव विशिष्ट बीटीसी संघ के अध्यक्ष राम मूरत यादव दीपक सिंह प्रशांत मिश्रा राजमणि यादव शिवेंद्र सिंह रानू लक्ष्मीकांत सिंह आलोक रघुवंशी प्रियंका सिंह राजपूत संजय यादव सुनील यादव आनंद यादव कल्पना यादव पुष्पा यादव यशवंत सिंह राजेश बहादुर सिंह राकेश कुमार जय सिंह यादव यादव विक्रम प्रकाश अनिल दीप चौधरी देशबंधु यादव शैलेंद्र पाल विष्णु तिवारी राघवेंद्र मिश्रा जुबेर अहमद प्रेम नारायण चौरसिया अरुण सिंह नितेश उपाध्याय त्रिवेणी सरोज शेर बहादुर मौर्य धीरज यादव आशुतोष कुमार बृजेश सिंह विजय सिंह पवन कुमार सिंह मनोज यादव दुष्यंत मिश्रा धर्मेंद्र यादव अरुण कुमार सिंह लवली सिंह छाया सिंह मीरा यादव अरुण कुमार यादव विमल यादव राम प्रसाद यादव आशा अंबेडकर सुमन पारुल सीमा शालिनी थे राजेश पांडे चंद्रप्रकाश त्रिपाठी राघवेंद्र मिश्र संतोष कुमार सिंह सुधीर कुमार सिंह रंजय सिंह राजकुमार यादव लाल साहब यादव रणंजय सिंह राकेश पांडे यादवेंद्र नाथ यादव पवन कुमार सिंह।

अखिलेश यादव पर सवाल सुनते ही रामभद्राचार्य ने बंद किया गाड़ी का शीशा

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

विश्वविख्यात संत एवं रामकथा मर्मज्ञ रामभद्राचार्य गुरुवार को जौनपुर पहुंचे। वे हेलिकॉप्टर से यहां एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। आगमन पर उन्होंने नगर स्थित प्रसिद्ध मां शीतला माता मंदिर में दर्शन-पूजन कर मत्था टेका। मंदिर परिसर में उनके पहुंचने की सूचना मिलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। दर्शन के बाद जब वे अपने वाहन की ओर बढ़े तो पत्रकारों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हालिया बयान को लेकर सवाल किया। सवाल सुनते ही उन्होंने बिना कोई प्रतिक्रिया दिए तत्काल अपनी गाड़ी का शीशा बंद कर लिया और आगे बढ़ गए। इस घटनाक्रम को लेकर मौके पर मौजूद लोगों में चर्चा का विषय बना रहा। इसके बाद वे निर्धारित निजी कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां आयोजकों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जौनपुर उनकी जन्मभूमि है और यहां आकर उन्हें आत्मिक शांति एवं विशेष आनंद की अनुभूति होती है। उनके आगमन को लेकर समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासन भी सतर्क दिखा।

नगर पंचायत गनेशपुर बोर्ड की बैठक में 12 करोड के विकास कार्यों का प्रस्ताव

जन एक्सप्रेस। बस्ती

गुरूवार को नगर पंचायत गनेशपुर बोर्ड की बैठक अध्यक्ष सोनमती चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष की बजट पर चर्चा के साथ ही खेल का मैदान, पार्क, मार्केट, सड़क, नाली, विवाह घर आदि के लिये लगभग 12 करोड़ रूपये का प्रस्ताव रखा गया।

अध्यक्ष सोनमती चौधरी ने कहा कि गनेशपुर की जनता से जो वायदे किये गये थे उसे चरणबद्ध ढंग से पूरा कराया जा रहा है। नागरिकों को बेहतर सुविधा दिलाना उनकी प्राथमिकता है। बैठक में सभी वार्ड में पेयजल की व्यवस्था हेतु आरओ एवं नई टंकी का निर्माण किया जाने, निकाय की आय हेतु तालाब नीलामी, दुकान लाइसेंस, भवन मानचित्र हाउस टैक्स आदि से धन अर्जित किए जाने पर चर्चा की गई। अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि बोर्ड की बैठक में जो प्रस्ताव आये हैं उसे धन प्राप्त होते ही पूरा कराया जायेगा। बैठक में सभासद रेशमा देवी, निर्मला देवी, अंकित कुमार, ब्रम्हा प्रसाद, मो. फरहान, इन्द्रजीत यादव, मो. फारूक, सुमन, गणेश कुमार, शिव नरायन, दुर्गेश, पूजा, सुनीता देवी, मधु श्रीवास्तव, मो. मुख्तार आदि ने अपने-अपने वार्डो की समस्याओं को रखा और विकास कार्य कराने पर जोर दिया। बोर्ड की बैठक सम्पन्न कराने में दुर्गा प्रसाद चौधरी, मो. आरिफ, रिकूं, विकास, सूरज, सुधीर आदि ने योगदान दिया।

सरपतहाँ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: दो वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सरपतहाँ पुलिस टीम को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के पर्यवेक्षण में कार्रवाई करते हुए दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। Sarpataha Police Station की टीम ने मु0नं0 4396/11 स्टेट बनाम अभयराम धारा 323, 504, 325 भादवि तथा मु0नं0 1869/11 स्टेट बनाम दयाराम धारा 4/25 आर्म्स एक्ट से संबंधित वारंट के आधार पर कार्रवाई की। गिरफ्तार अभियुक्तों में अभयराम पुत्र हुबराज राम निवासी बुढ़ूपुर थाना सरपतहाँ तथा दयाराम पुत्र गयादीन निवासी उसरौली थाना सरपतहाँ जनपद जौनपुर शामिल हैं। पुलिस टीम ने दोनों अभियुक्तों को 26 फरवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

जौनपुर जिला कारागार का औचक निरीक्षण

डीएम एसपी ने कसी सुरक्षा पर लगाम, व्यवस्थाओं की ली गहन समीक्षा

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जनपद में कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरकों की सघन तलाशी कराई। तलाशी अभियान में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। डीएम ने जेल अस्पताल पहुंचकर भर्ती बंदियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बंदियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए और चिकित्सा सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इसके बाद अधिकारियों ने पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन एवं नाश्ते की गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित मीनू के अनुसार ही गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। डीएम और एसपी ने बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जेल की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, बंदियों की स्थिति एवं अन्य व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने जेल परिसर की स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने के लिए जेल अधीक्षक को विशेष निर्देश दिए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक पवन कुमार द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी गोल्डी गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जौनपुर में डिजिटल क्रांति की धमाकेदार एंट्री! Airtel का नया स्टोर खुला, हर सेवा अब आपके शहर में

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

वासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। देश की अग्रणी टेलीकॉम कंपनी द्बह्लह्लद्गद्य ने अब अपना अत्याधुनिक स्टोर जौनपुर में शुरू कर दिया है। अब मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं के लिए लंबी भागदौड़ की जरूरत नहीं पड़ेगी। शहर के बीचोंबीच खुले इस नए स्टोर के साथ कनेक्टिविटी और डिजिटल सुविधाएं अब और भी आसान और सुलभ हो गई हैं।

नए स्टोर पर ग्राहकों को नया स्ढ्ढरू, मोबाइल नंबर पोर्टिंग, ड्ढ्ढद्ब-स्नद्ब एवं ष्ठञ्ज॥ इंस्टॉलेशन, बिल भुगतान, प्रीमियम नंबर, श्वस्ढ्ढ सुविधाएं, द्बह्लह्लद्गद्य क्क्षु4द्बद्गठ्ठह्लद्य क्कड्ढठ्ठद्म सेवाएं और ह्रञ्जञ्ज पैक जैसी तमाम सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित स्टाफ के साथ ग्राहकों को तेज, पारदर्शी और संतोषजनक सेवा देने का दावा किया जा रहा है।

स्टोर का पता है – 240, कमला टॉवर, मोहल्ला उमरपुर, निकट इंडियन ओवरसीज़ बैंक, पॉलीटेकनिक-ओलेनगंज रोड, जौनपुर (यू.पी.) 222002। किसी भी जानकारी के लिए 9810485972 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्टोर के खुलने से न केवल डिजिटल सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि युवाओं और व्यापारियों को भी बेहतर नेटवर्क और ऑनलाइन सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

अब तेज इंटरनेट, सुरक्षित बैंकिंग और मनोरंजन सेवाएं जौनपुर में और मजबूत होंगी। डिजिटल इंडिया की दिशा में यह कदम जौनपुर के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। बेहतर नेटवर्क, बेहतर सेवा और बेहतर अनुभव के लिए आज ही पहुंचे द्बह्लह्लद्गद्य स्ह्लशह्म्द्ग छ्वड्डह्वठ्ठश्चह्वह्म् और उठाएं हर डिजिटल सुविधा का फायदा।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

NER-LJN-2026-37

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / पूर्वोत्तर रेलवे / लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है– **ई निविदा संख्या:–** NER-LJN-2026-37. **कार्य का नाम:–** गोरखपुर–लखनऊ सेक्शन के मध्य समपार सं. 179/Spl., 189/Spl., 286/Spl., और 288/Spl. पर रबराइज्ड समपार पैड लगाकर सड़क की सतह को बेहतर बनाना, सीटीआर के स्वीकृत कार्य के विरुद्ध।. **अनुमानित लागत (रु):–** 18923165.25, **अग्रिम धन(रु):–**244600.00, **समापन अवधि:–** 6 माह, **1** उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2026-37** के लिये ई–निविदा दिनांक 18.03.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी।. **2** उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग
मुजाधि / डब्लू–484 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

गोला चीनी मिल द्वारा वृहद किसान मेला एवं गोष्ठी आयोजित कर दी उन्नत गन्ना खेती की जानकारी

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल गोला क्षेत्र के ग्राम गनेशपुर में वृहद किसान मेला एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोष मधुकर,सचिव गोला बलवन्त चौधरी, इकाई प्रमुख राकेश यादव जमनाबाद शोध केन्द्र से आये वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ सरनाम सिंह,कृषि विज्ञान केन्द्र से आये डॉ प्रदीप बिसेन एवं चीनी मिल के वरि0 महाप्रबन्धक (गन्ना) पी.एस. चतुर्वेदी एवं मिल परिछेत्र के लगभग 256 किसानों के साथ अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

इस गोष्ठी में ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने बसन्तकालीन गन्ना बुवाई में कृषकों को उन्नतशील गन्ना प्रजातियाँ को0 0118,15023 एवं कोलख0 14201 तथा निचले क्षेत्र के लिए को0 98014 व कोलख0 94184 की बुवाई करने हेतु प्रेरित किया तथा हरियाणा 119 (।क्र), कोशा0 91269 एवं पीबी0 95 जैसी अनामित व अस्वीकृत प्रजातियों की बुआई कदापि न करने की सलाह दी।

डॉ सरनाम सिंह ने कृषकों को सन्तुलित खाद एवं वैज्ञानिक विधि से खेती के तरीके बताये तथा डॉ प्रदीप बिसेन ने कीट, बीमारी से बचाव के यांत्रिक, जैविक एवं रासायनिक तरीकों को विस्तार से बताया।

वरि0 महाप्रबन्धक (गन्ना) ने किसानों को गन्ना बुवाई के समय बीज के चुनाव में सावधानी बरतने तथा बीज के रूप में गन्ने के ऊपरी दो तिहाई हिस्से की बुवाई करने तथा 04 फिट की दूरी पर ट्रेंच विधि से गन्ना बोने से होने वाले लाभ की जानकारी दी। साथ ही गहरी जुताई करने से होने वाले लाभ के बारे में जैसे मिट्टी की जलधारण क्षमता बढ़ती है, मृदा में वायु संचार अच्छा होता है जिससे पैदावार बढ़ती है। और भूमि उपचार के लिए ट्राइकोडर्मा मिल द्वारा अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है इसके प्रयोग से मृदा में उपस्थित हानिकारक फफूंद नष्ट हो जाते हैं तथा जमीन भुरभुरी हो जाती है।इसके साथ ही बीज उपचार हेतु फॅफूंदीनाशक थायोफिनेट मिथाइल भी अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

और उन्होंने बताया कि उन्नतशील गन्ना प्रजातियों का शुद्ध व निरोग बीज सुरक्षित किया गया है जिसे चीनी मिल के माध्यम से वितरित करने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

साथ ही यह भी बताया कि मिलगेट एवं क्रयकेन्द्रों पर खुली खरीद की जा रही है, जिन कृषकों के पास चीनी मिल को आपूर्ति योग्य गन्ना अवशेष है, वह अपना गन्ना मिलगेट/क्रयकेन्द्रों पर अपना कोड नं. देकर पर्ची प्राप्त कर गन्ना आपूर्ति कर ले।

गोष्ठी में गन्ने की खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर वरिष्ठ महाप्रबन्धक व अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया।

मेले में गोला मिल द्वारा गन्ने की वैज्ञानिक विधि से सहफसली खेती, पेड़ी प्रबन्धन, भूमि व बीज उपचार, कृषि यन्त्रो का लाइव डेमो लगाया गया। विभिन्न स्टाल लगाकर कृषको को गन्ने की खेती में सहायक विभिन्न उत्पादों के बारे में जानकारी दी।इस अवसर पर गन्ना समिति गोला के उपाध्यक्ष संतोष वर्मा, संचालक श्याम सिंह,संजय सिंह, योगेश वर्मा, पूर्व संचालक वीरेन्द्र वर्मा, प्रगतिशील कृषक राजेन्द्र शर्मा, सहायक महाप्रबन्धक गन्ना ओ डी शर्मा, प्रबन्धक गन्ना सत्येन्द्र कुमार मिश्र, संजीव चौधरी, सहित मिल व समिति के गन्ना विकास कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

द्वापर युग की याद दिलाती है मोतीपुर की गौशाला

गौसेवक प्रधान प्रतिनिधि के बुलाने पर दौड़कर चले आते हैं गाय और बछड़े

जन एक्सप्रेस। निघासन खीरी

जनपद लखीमपुर खीरी के विकासक्षेत्र निघासन की ग्रामपंचायत मोतीपुर में बना अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल आजकल अपनी अनूठी विशेषताओं की वजह से लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ हैं। इंसान और जानवर के प्रेम की गहराई अगरप्रत्यक्ष दीदार करनी हो तो ग्रामपंचायत मोतीपुर की गौशाला आपका हार्दिक स्वागत करती हैं। प्रधान प्रतिनिधि कुलदीप सिंह उर्फ केडी ने गौवंश की रक्षा और सेवा की ऐसी बेहतरीन मिसाल पेश की है कि सहसा द्वापर युग की याद ताजा हो गई।वेद पुराणों के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर गाय बछडे भगवान के पास दौडे चले आते थे, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गौवंश प्रेम भी किसी से छिपा नहीं हैं, लेकिन मोतीपुर के प्रधान प्रतिनिधि कुलदीप की रोजगारपरक गौसेवा अविस्मरणीय हैं, मनुष्य और पशु के बीच प्रेम का ऐसा बंधन देखकर अन्तर्मन सहसा द्रवित हो जाता हैं। याद कीजिए वर्ष 2023 का वो समय जब छुट्टा गौवंश की वजह से किसानो में त्राहि त्राहि मची हुई थी। गांव में बढती हुई छुट्टा गौवंश की समस्या और किसानो की फसलों को हो रहे नुकसान को देखते हुए प्रधान प्रतिनिधि कुलदीप सिंह ने अपनी 10 बीघा जमीन निशुल्क रुप से गोशाला संचालित करने के लिए दे दी। कुलदीप सिंह की इस पहल से ग्रामीणों को बहुत राहत मिली। इसी क्रम में 21 जनवरी 2024 को पूर्व केंद्रीय ग्रह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी द्वारा मोतीपुर में अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल कि भव्यता से उद्घाटन किया गया। उद्घघाटन के अवसर पर विशाल भंडारा आयोजित किया गया।इस गौशाला की सबसे खास बात यह हैं, कि कुलदीप ने सभी पशुओं का नामकरण कर दिया हैं, हैरत की बात यह है कि प्रधान प्रतिनिधि जिस गाय या बछडे को नाम लेकर बुलाते हैं वही दौडकर पास आ जाता हैं। कुलदीप रोज सुबह गौशाला में आकर गायों को चारा खिलाते हैं और पुचकारते हैं। गौवंश को पर्याप्त पोषण देने के लिए दो एकड भूमि पर चारे की व्यवस्था की गई हैं। गौवंश की सुरक्षा के लिए गौशाला में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं ताकि गौशाला की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। प्रधान प्रतिनिधि ने गौशाला के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूह के लिए रोजगार के दरवाजे खोल दिए हैं। प्रधान प्रतिनिधि कुलदीप ने बताया कि गौशाला में एकत्र होने वाले गोबर को वह समूह की महिलाओं को उपलब्ध कराते हैं समूह की महिलाएं उससे जैविक खाद बनाकर किसानों को खेती में उपयोग हेतु बिक्री करती हैं। महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से मोतीपुर की गौशाला मजबूत बना रही हैं,

अगर क्षेत्र की सभी गौशालाएं मोतीपुर गौशाला माडल को अपना लें तो इलाके की सूरत बदल सकती हैं। वास्तव में मोतीपुर की गौशाला सम्पूर्ण जनपद के लिए रोजगारपरक गौवंश संरक्षण की अद्भुत मिसाल बन चुकी हैं।

शिक्षकों का टीईटी अनिवार्यता के विरोध में धरना प्रदर्शन, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन, छूट की मांग की

जन एक्सप्रेस। सुनहरा

लखीमपुर खीरी। गुरुवार को शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता से छूट की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक शामिल हुए। धरना दोपहर एक बजे शुरू हुआ।शिक्षकों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) वर्ष 2011 से लागू हुआ था। इस अधिनियम के बाद नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया था, जबकि इससे पहले नियुक्त शिक्षकों को इस अनिवार्यता से छूट मिली हुई थी। हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर 2025 को एक निर्णय दिया है। इस निर्णय के बाद आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए भी सेवा में बने रहने या पदोन्नति के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य हो गया है। शिक्षकों ने इस फैसले को पूर्व में नियुक्त शिक्षकों के साथ अन्याय बताया है।

धरने में शामिल शिक्षकों ने बताया कि देशभर में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले शिक्षक इस मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं। वे भारत सरकार से अध्यादेश लाकर आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट देने की मांग कर रहे हैं। धरना समाप्त होने के बाद, शिक्षकों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में अनुरोध किया गया है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के आलोक में संसद से कानून पारित किया जाए, ताकि आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से छूट मिल सके।

इस प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ और उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों सहित कई शिक्षक नेता मौजूद रहे।

मुक्तिधाम 35 लाख की लागत से बनकर तैयार

जन एक्सप्रेस। निघासन खीरी

नगर पंचायत की ओर से पैंतीस लाख से बनाया गया मुक्तिधाम बनकर तैयार हो चुका है। इसके बनने से बारिश के समय तीन वार्ड के लोगों अंत्येष्टि के दौरान परिजनों को असुविधा नहीं होगी। इसके संबंध में जानकारी देते हुए चेयरमैन मोहम्मद कय्यूम ने बताया कि नगर पंचायत के मोहल्ला के वार्ड नंबर दो - चार और आठ में जब किसी की मृत्यु होती है तो उनका अंतिम संस्कार जौराहा नदी के अंत्येष्टि स्थल पर होता है जहां कोई भी टीनशेड की व्यवस्था न होने के चलते बारिश के समय परेशानी हो जाती थी। इस समस्या को देखते हुए ग्राम पंचायत भेड़ौरा में अंत्येष्टि स्थल के लिए आरक्षित जमीन पर ग्राम पंचायत से एनओसी लेकर शासन से मुक्तिधाम बनाने के लिए अंत्येष्टि स्थल योजना से धनराशि की मांग की गई। इस पर सरकार ने समस्या को देखते हुए 28 लाख की धनराशि आवंटित की थी इसमें नगर पंचायत को कोष से आठ लाख अतिरिक्त धनराशि मिलाई गयी थी।

जिसका टेंडर कराकर एक साल पूर्व निर्माण कार्य शुरू कराया गया था जो कि पूरा हो चुका है।

मुक्तिधाम में शव के अंतिम संस्कार हेतु एक छायादार चबूतरा परिजनों के बैठने के लिए एक टीनशेड और लकड़ी रखने के लिए एक कमरा बनाया गया है। स्थान के लिए बोरिंग होना बाकी है जिसे जल्द ही लगवा दिया जाएगा। इसके बाद बारिश के समय अंतिम संस्कार में अब ज्यादा दिक्कतें नहीं होंगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी तेज : सफाई नायक-कर्मियों के लिए विलोबी हाल में कार्यशाला आयोजित

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

नगर पालिका ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को सुबह करीब 11:00 बजे विलोबी हॉल में सफाई नायक और सफाई कर्मियों के लिए एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और शहर की सफाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना था।

कार्यशाला के दौरान स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के तहत कचरा प्रबंधन, सूखे और गीले कचरे को अलग करने की प्रक्रिया, घर-घर कचरा संग्रहण और जनभागीदारी बढ़ाने के तरीकों पर विस्तृत जानकारी दी गई। यह जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत की गई।

अधिकारियों ने सफाई कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए जमीनी स्तर पर जागरूकता और नियमित निगरानी अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर नगर पालिका ईओ संजय कुमार का अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। ईओ संजय कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण में नगर पालिका को राष्ट्रीय स्तर पर 108वां स्थान मिला था, जबकि मंडल में शहर सफाई के मामले में दूसरे नंबर पर रहा था। उन्होंने इस वर्ष पहले स्थान पर पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। संजय कुमार ने यह भी जानकारी दी कि शहर पूरी तरह खुले में शौच मुक्त है। आवासीय क्षेत्रों में नियमित रूप से झाड़ू और साफ-सफाई कराई जा रही है,

जबकि बाजार और व्यावसायिक इलाकों में दिन में दो बार विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन का मानना है कि प्रशासन, सफाई कर्मियों और आम जनता के सहयोग से इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण में शहर निश्चित रूप से बेहतर रैंक हासिल करेगा।

पुलिस की तत्परता से 24 घंटे में खोया बैग बरामद, 15 लाख के आभूषण सुरक्षित मिले

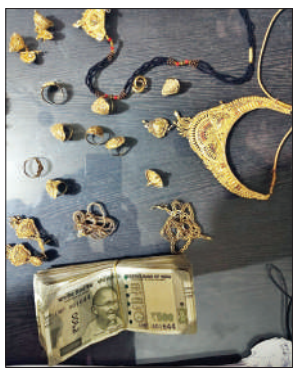

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

कानपुर पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई से एक यात्री का ऑटो में छूटा बैग महज 24 घंटे के भीतर बरामद कर उसे सकुशल लौटाया गया। बैग में करीब 15 लाख रुपये मूल्य के आभूषण, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित पाए गए। जानकारी के अनुसार हरेश कुमार मिश्रा, निवासी सरिता विहार, नई दिल्ली एवं पैतृक निवासी ग्राम जोत, थाना रसूलाबाद, जनपद कानपुर देहात, 24 फरवरी 2026 को निजी कार्य से दिल्ली से अपने पैतृक गांव जा रहे थे। वे श्रम शक्ति एक्सप्रेस से कानपुर पहुंचे। इसके बाद अपनी पुत्री के इलाज के लिए सिविल लाइंस गए और वहां से ऑटो द्वारा कल्याणपुर क्रॉसिंग पहुंचे। इसी दौरान उनका एक बैग ऑटो में ही छूट गया, जिसे लेकर ऑटो चालक आगे निकल गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। चौकी प्रभारी इंदिरा नगर उप निरीक्षक हरेंद्र सिंह व अन्य चौकी स्टाफ ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की। फुटेज के आधार पर संबंधित ऑटो की पहचान कर चालक से संपर्क स्थापित किया गया। तत्पश्चात लगभग 24 घंटे के भीतर बैग बरामद कर आवेदक को सुपुर्द कर दिया गया।

बैग की जांच में उसमें लगभग 15,00,000 मूल्य के आभूषण और अन्य सामान सुरक्षित पाए गए। इनमें एक सोने का हार, तीन सोने की चेन, एक सोने का मंगलसूत्र, झुमकी (झूले वाली), नौ सोने की अंगूठियां, एक मांग बेदी, एक लॉकेट, लगभग ?80,000 नकद, आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड तथा बच्चों के कपड़े शामिल थे।वही हरेश कुमार मिश्रा ने पुलिस की प्रशंसा की है।

दहेज हत्या के आरोपी मां बेटे को भेजा जेल

जन एक्सप्रेस। मोहम्मदी खीरी। कोतवाली पुलिस ने दहेज हत्या में वांछित मां बेटे को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार 1 फरवरी को गांव दुबहा में विवाहिता की मौत हो गई थी। उसके पिता दुर्गा की शिकायत पर पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया था जिसमें गला दबाकर हत्या होने की पुष्टि हुई थी पुलिस ने सभी नमिता आरोपियों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया था पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी सी ओ अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे हैं।

तिकुनियाँ क्षेत्र में आर.एन. इंटरनेशनल स्कूल का 15वाँ वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

जन एक्सप्रेस। निघासन खीरी

तिकुनियाँ क्षेत्र में स्थित आर. एन. इंटरनेशनल स्कूल का 15वाँ वार्षिक उत्सव विद्यालय के प्रबंधक शिव कुमार गर्ग के कुशल नेतृत्व में अत्यंत भव्य एवं सफलतापूर्वक मनाया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया था, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव का उल्लास झलक रहा था। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग एवं मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जगातार सिंह (पूर्व प्रधान) द्वारा फीता काटकर किया गया। तत्पश्चात विद्यालय प्रबंधन समिति के मार्गदर्शन में दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। गणेश वंदना की प्रथम प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया, जिसे सिता साह के निर्देशन में तैयार किया गया था।विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय अवस्थी एवं उपप्रधानाचार्य विक्रांत दीक्षित द्वारा कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा तैयार की गई। मंच संचालन सलमान इदरीशी ने प्रभावशाली ढंग से किया, जिससे कार्यक्रम निरंतर आकर्षक बना रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में सरस्वती वंदना, 'कभी तू छलिया लगता है', 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' विषय पर आधारित नृत्य-नाटिका, गिद्दा नृत्य, 'छोटे-छोटे सपने' तथा महाभारत पर आधारित प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों की प्रतिभा और आत्मविश्वास की सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक शिव कुमार गर्ग के साथ उनके छोटे भाई अजय गर्ग, तथा परिवार के सदस्य शुभम गर्ग एवं कार्तिक की विशेष उपस्थिति रही। सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम की सफलता में शशांक दीक्षित, शैलेश शुक्ला, अर्चना शाक्य, अपराजिता मौर्य, सृष्टि गुप्ता, दीक्षा शर्मा सहित समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।अंत में विद्यालय प्रशासन द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। प्रबंधक शिव कुमार गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के भव्य आयोजनों का संकल्प।

मोटरसाइकिल-ट्रॉली चोरी करने वाले शातिर गैंग का भंडाफोड़

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

कानपुर नगर पुलिस कमिश्नरेट के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिल्हौर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना बिल्हौर की टीम ने मोटरसाइकिल और किसानों की ट्रॉलियां चोरी कर उन्हें बेचने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।राणा अंडरपास के पास दबोचे गए आरोपी प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने उत्तरीपुरा क्षेत्र स्थित राणा अंडरपास के पास चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधियां देखीं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी, अभिषेक उर्फ अंशू पुत्र मुन्नू यादव, निवासी टीकापुरवा, थाना बिल्हौर, कानपुर नगर (उम्र लगभग 25 वर्ष) विवेक उर्फ अमन पुत्र सुरेश कुमार, निवासी ग्राम बैडी अलीपुर, थाना बिल्हौर, कानपुर नगर (उम्र लगभग 20 वर्ष) कन्हैयालाल पुत्र ज्ञानेश उर्फ कल्लू, निवासी पलिया, थाना बांगरमऊ, जनपद उन्नाव (उम्र लगभग 26 वर्ष) पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मु0अ0सं0 52/2026 धारा 317(2)/ 317(3)/ 61(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया है। बरामदगी में क्या-क्या मिला, 01 स्वराज 735 ट्रक्स ट्रैक्टर (घटना में प्रयुक्त) 01 आइशर ट्रैक्टर (घटना में प्रयुक्त)01 अपाचे मोटरसाइकिल 03 चोरी की गई ट्रॉलियां, 02 मोबाइल फोन (विवो), 01 स्मार्टफोन (रेडमी 14ष्ट 5त्र) पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह पहले मोटरसाइकिल चोरी करता था। उसी मोटरसाइकिल से क्षेत्र में खेतों या सुनसान स्थानों पर खड़ी किसानों की ट्रॉलियों की रेकी की जाती थी।रात में योजना बनाकर ट्रैक्टरों के जरिए ट्रॉलियां उठाकर दूर ले जाई जाती थीं। इसके बाद ट्रॉलियों का रंग और आकार बदलकर पहचान छिपाई जाती थी। व्हाट्सएप के माध्यम से फोटो भेजकर उन्हें अच्छे दामों में बेच दिया जाता था।पुलिस के अनुसार यह गिरोह कानपुर नगर, कानपुर देहात, कन्नौज, उन्नाव सहित आसपास के जिलों में कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम, उ0नि0 अमित सिंह, उ0नि0 मनीर सिंह, उ0नि0 कृष्ण कुमार, उ0नि0 सोनू गुप्ता. हे0का0 रवि कुमार।

सरकारी ट्यूबवेल के पास लाठी-डंडों से मारपीट, घायल सीएचसी में भर्ती

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

थाना अरौल क्षेत्र के ग्राम बकोठी में आपसी विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता सीमा कटियार ने थाना अरौल में तहरीर देकर दो लोगों पर उनके पति के साथ गाली-गलौज और लाठी-डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया है।

क्या है पूरा मामला । पीड़िता सीमा कटियार पत्नी योगेश कटियार, निवासी ग्राम बकोठी के अनुसार 24 फरवरी की शाम उनके पति खेत से घर लौट रहे थे। रास्ते में सरकारी ट्यूबवेल के पास गांव के ही अजीत पुत्र सियाराम व अरविन्द्र पुत्र सियाराम ने कथित रूप से 'बंदर पकड़ने' की बात को लेकर विवाद शुरू कर दिया आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे योगेश कटियार को गंभीर चोटें आईं।ग्रामीणों के पहुंचने पर दी धमकी घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। आरोप है कि हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए घायल को एंबुलेंस से भेजा गया अस्पताल परिजनों के अनुसार घायल योगेश कटियार को 108 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिल्हौर ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

पुलिस कर रही जांच। थाना अरौल पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

होली को लेकर थाना शिवराजपुर में पीस कमेटी की बैठक

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना शिवराजपुर में पीस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के धर्मगुरुओं, संभ्रांत नागरिकों, पूर्व एवं वर्तमान ग्राम प्रधानों और सभासदों ने भाग लिया।बैठक की अध्यक्षता बिल्हौर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मंजय सिंह ने की। एसीपी ने स्पष्ट कहा कि—तेज ध्वनि में डीजे बजाने की अनुमति नहीं होगी।सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक ही डीजे बजाया जा सकेगा और वह भी निर्धारित धीमी ध्वनि स्तर पर।नियमों का उल्लंघन करने पर मुकदमा दर्ज कर साउंड सिस्टम/डीजे जब्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कानपुर में बीएनएस की धारा 144 पहले से लागू है, इसलिए सभी नागरिकों को इसका कड़ाई से पालन करना होगा। हुड़दंग पर होगी सख्त कार्यवाही एसीपी ने कहा कि होली के दौरान यदि कोई व्यक्ति हुड़दंग या अशांति फैलाने का प्रयास करता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस नियमानुसार कठोर कार्रवाई।

श्री मातृछाया गुरुकुलम् में भगवान की बाल लीला कथा एवं गोवर्धन पूजा में छप्पन भोग का भव्य आयोजन

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर। बिठूर स्थित मातृछाया गुरुकुलम् में आज भगवान की मनोहर बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा का वाचन पूज्य आचार्य श्री रविशंकर (किंकर जी) महाराज द्वारा अत्यंत ओजस्वी एवं भावपूर्ण शैली में किया गया। उनके मधुर वचनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। बाल रूप में भगवान की मधुर शरारतें, माखन-चोरी और ग्वाल-बालों के साथ उनके प्रेमपूर्ण प्रसंगों का सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। इसके उपरांत श्रद्धा एवं उल्लास के साथ गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। भक्तों ने भगवान को अन्नकूट अर्पित करते हुए भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर विशेष रूप से छप्पन भोग सजाया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के पकवान, मिठाइयाँ और फल शामिल थे। कार्यक्रम में गुरुकुलम् के चेयरमैन रोहित मिश्रा एवं बनी सिंह परिवार सहित उपस्थित रहे।

सीएचसी फूलबेहड़ में हो रहा मरीजों का शोषण

जन एक्सप्रेस। फूलबेहड़ खीरी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फूलबेहड़ पूर्णतया भ्रष्टाचार का शिकार हो चुका है। समाचारों के अनुसार यहां मरीज का जमकर उगाही कर शोषण किया जाता है। यहां पर पर्चा बनवाने के नाम पर बीमारों को लंबी लाइन लगानी पड़ती है जो बीमार अमीर होते हैं बिना लाइन के ही 1 का पर्चा 10 में बनवा लेता है लेकिन जिसके पास 1 टूटा नहीं है तो उसे वहां से यह कहा जाता है कि लाइन से बाहर जाओ तब छुट्टा कराके लाओ नहीं तो छुट्टा न होने को कहकर 10 या 5 रु रखकर पर्चा बनाकर दे दिया जाता है। फिर मरीज सीधे डॉक्टर साहब के चेंबर में जाता है वहां पर डॉ0 की जगह अन्य लोग बैठे रहते हैं वह राय देते हैं कि हम आपको डॉक्टर से दिखवा देंगे उसके लिए कुछ खर्चा करना पड़ेगा, मरीज लाचार होकर के दलाल के माध्यम से डॉक्टर को दिखाता है। डॉक्टर साहब मरीज से कहते हैं कि आप अपने खून एवं पेशाब की जांच करायें जब वह पैथोलॉजी में जाता है तो वहां पर भी जांच के नाम पर मरीज का जमकर शोषण किया जाता है अर्थात् यथा संभव उगाही की जाती है। जब जांच रिपोर्ट लेकर के डॉक्टर साहब के पास जाता है तो डॉक्टर साहब सरकारी दवाएं लिखते हैं तब मरीज दवा प्राप्त करने के लिए खिड़की पर जाता है वहां पर जब उसका नंबर आता है।

एनसीईआरटी विवाद पर शिक्षा मंत्री की सफाई, बोले

न्यायपालिका का अपमान करने की कोई मंशा नहीं

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका से जुड़े कथित विवादित अध्याय को लेकर देश में उठे राजनीतिक और न्यायिक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि जो कुछ हुआ उससे उन्हें गहरा दुख है और सरकार या शिक्षा मंत्रालय की ओर से न्यायपालिका का अपमान करने की कोई मंशा नहीं थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा और जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई भी होगी।

पूरा विवाद आखिर है क्या?

यह मामला एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की किताब से जुड़ा है, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक हिस्सा शामिल किया गया था। इस सामग्री को लेकर वरिष्ठ वकीलों और कई कानूनी विशेषज्ञों ने आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि स्कूल के छात्रों को इस तरह की सामग्री पढ़ाना

न्यायपालिका की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जिसके बाद इस पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस शुरू हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई थी नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा था कि किसी भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने संकेत दिया था कि यह एक सुनियोजित प्रयास भी हो सकता है और जरूरत पड़ने पर कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करेगा।

क्या बोले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान?

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सरकार न्यायपालिका का सर्वोच्च सम्मान करती है और किसी भी शैक्षणिक सामग्री के जरिए संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ी सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया की जांच की जा रही है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अध्याय तैयार करने में शामिल लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य जागरूकता फैलाना है, संस्थाओं को बदनाम करना नहीं।

शिक्षा मंत्रालय सचिव और एनसीईआरटी निदेशक को नोटिस

मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती जारी है। अदालत ने शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव और एनसीईआरटी निदेशक डॉ. दिनेश प्रसाद सकलानी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के चेयरमैन और अधिवक्ता आदिश सी अग्रवाल ने कहा कि न्यायपालिका ने सही कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार जैसी बातें शामिल करना वरिष्ठ अधिकारियों की बड़ी चूक है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि न्यायपालिका देश की महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था है और उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री पर कानून अपना काम करेगा।

अब आगे क्या कार्रवाई होगी?

शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार पूरे मामले की समीक्षा कर रही है और अदालत के निर्देशों के अनुसार जरूरी बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए पाठ्य सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया को और मजबूत किया जाएगा। सरकार का कहना है कि सार्वजनिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद जरूरी है और किसी भी तरह की लापरवाही को हल्के में नहीं लिया जाएगा।

डीएनपीए कॉन्क्लेव 2026: प्लेटफॉर्म्स स्वेच्छा से रेवेन्यू साझा करें, अन्यथा कई देश कानूनी राह दिखा चुके: अश्विनी वैष्णव

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के शीर्ष प्रकाशक समूहों की डिजिटल इकाइयों के संगठन डीएनपीए द्वारा डीएनपीए कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन गुरुवार को किया गया। डिजिटल मीडिया के दौर में समाचार माध्यमों की भूमिका कैसी हो? इस विषय पर यहां विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पूरी दुनिया के मीडिया जगत के लिए यह महत्वपूर्ण दौर है। यह सही निर्णय लेने का समय है। यह जरूरी है कि आम सहमति बने, अच्छे विकल्प सामने आएं और अच्छी सिफारिशें मिलें ताकि भविष्य की नीतियों को आकार दिया जा सके।

मानव समाज भरोसे की संस्थाओं पर टिका है

बदलते दौर में समाचार माध्यमों की भूमिका पर केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि पूरा मानव समाज भरोसे की संस्थाओं पर टिका है। यह भरोसा परिवार से शुरू होता है और सामाजिक

पहचान, न्यायपालिका, मीडिया, विधायिका जैसी संस्थाओं तक जाता है। समाज के अलग-अलग अंग और संस्थाएं विश्वास के सिद्धांत पर काम करती हैं। मीडिया घरानों के लिए भी बुनियादी सिद्धांत यही रहता है कि वह निष्पक्ष और जिम्मेदार रहें। मीडिया के समक्ष खतरे भी मौजूद हैं। जैसे- डीप फेक, गलत सूचनाओं का प्रवाह। हर समाज इस तरह के खतरों से जूझ रहा है। जो संस्थाएं शताब्दियों से मौजूद हैं, उन्हें इन खतरों से कैसे बचाए रखा जाए, यह बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन सेफ्टी इसके लिए बहुत जरूरी है। खबरों की प्रामाणिकता, बच्चों की सुरक्षा, सिंथेटिक कंटेंट से बचाव भी जरूरी है और इसके लिए निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है।

'सत्यापन का ध्यान रखना जरूरी'

वैष्णव ने कहा कि उदाहरण के लिए होटल में आने वाले ग्राहक का होटल प्रबंधन सत्यापन करता है, उसी तरह ऑनलाइन मंचों को भी सत्यापन का ध्यान रखना होगा ताकि कंटेंट का इस्तेमाल करने वालों को किसी तरह का नुकसान न हो। कंटेंट किस तरह वायरल हो जाता है, यह हम सभी जानते हैं। कुछ घंटों में वायरल कंटेंट लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे में जिम्मेदारी रखना बहुत जरूरी है। नागरिकों को खतरों से बचाना, उनकी ऑनलाइन सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है।

'रेवेन्यू भी निष्पक्ष तरीके से साझा किया जाए'

उन्होंने कहा कि संसदीय समितियां और न्यायपालिका भी लोगों के सामने मौजूद खतरों को लेकर चिंतित हैं। अगर किसी यूजर की कोई शिकायत है, तो उसे कैसे सुना जाए और उनकी हिफाजत करने का तंत्र क्या होगा, इस पर चर्चा जरूरी है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के व्यावसायिक मॉडल पर बात करते हुए उन्होंने जोर दिया कि खबरों के रचनाकारों, परंपरागत मीडिया, इन्फ्लुएंसर्स और शोधार्थियों के साथ रेवेन्यू निष्पक्ष तरीके से साझा किया जाना चाहिए। इसके लिए नीतिगत ढांचे की आवश्यकता जताते हुए और टेक कंपनियों को आगाह करते हुए वैष्णव ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मैं सभी प्लेटफॉर्म्स से अपनी रेवेन्यू-शेयरिंग नीतियों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करूंगा क्योंकि यह आज पूरे समाज की एक प्रमुख चिंता है। यदि यह स्वेच्छा से नहीं किया जाता है, तो ऐसे कई देश हैं जिन्होंने इसे कानूनी तरीके से करने का रास्ता दिखाया है।' इसके लिए नीति बनाना जरूरी है। जिनके पास कॉपीराइट है, जिनके पास मौलिक कंटेंट है, वह उनकी बौद्धिक संपदा है, जिसका सम्मान होना चाहिए। बौद्धिक संपदा का सम्मान नहीं होगा, तो समाज का विकास भी नहीं हो सकेगा।

'किसान की सुरक्षा-सम्मान से ही भारत सफल होगा'

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कन्नूर

अमेरिका राष्ट्रपति पीएम को धमकी दे रहे थे: राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि कृषि संबंधी मतभेदों के कारण भारत-अमेरिका समझौता चार महीने से रुका हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया, 'भारतीय सरकार अमेरिकी कंपनियों के लिए कृषि क्षेत्र खोलना नहीं चाहती थी। कुछ भी प्रगति नहीं हो रही थी और अमेरिकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री को धमकी दे रहे थे।' उन्होंने आगे दावा किया कि राष्ट्रपति के संबोधन के बाद उन्हें संसद में बोलने की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि वे दो मुद्दे उठाना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'एक मुद्दा एपस्टीन की उन 35 लाख फाइलों से संबंधित था, जो अभी तक सामने नहीं आई हैं। ये फाइलें अमेरिकी सरकार द्वारा गुप्त रखी गई हैं और कथित तौर पर इनमें भारत के प्रधानमंत्री के बारे में जानकारी शामिल है। दूसरा मुद्दा अमेरिका में अडानी का मामला था।'

केरल दौरे पर पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर केंद्र सरकार को जमकर घेरा। कन्नूर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत तभी सफल हो सकता है जब हमारे किसानों का सम्मान और सुरक्षा हो। इतना ही नहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपस्टीन फाइलों का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकाने के लिए किया ताकि वे एक ऐसे व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करें जिससे भारतीय किसानों की 'बलि' चढ़

किसान सम्मेलन को राहुल ने किया संबोधित

लोकसभा में विपक्ष के नेता कन्नूर जिले के पेरावूर में किसानों के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार इस सरल तथ्य को नहीं समझती कि किसान भारत की नींव हैं। उन्होंने कहा कि आईटी और अन्य क्षेत्रों के बारे में लंबे-लंबे व्याख्यान दिए जाते हैं, लेकिन नींव को मजबूत किए बिना कुछ भी नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'यदि आप नींव का सम्मान नहीं करते, तो कुछ भी नहीं जाएगी।

सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलती। हम हर दिन भोजन करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि उसे हमारे खाने की मेज पर कौन रखता है।' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ एक ऐसा समझौता किया, जो नींव खोदने जैसा था। उन्होंने कहा, 'भारतीय किसान छोटे किसान हैं और उनमें मशीनीकरण का स्तर कम है। अमेरिकी किसानों के पास विशाल खेत हैं और उनमें मशीनीकरण का स्तर उच्च है। अमेरिकी कंपनियों को भारतीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करना एक आपराधिक कृत्य है।

डिजिटल होगी जनगणना 2027: मोबाइल और जियो-टैगिंग से होगा डेटा संग्रह

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

जनगणना 2027 को पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसके केंद्र में जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) नाम का विशेष डिजिटल पोर्टल होगा, जिसके जरिए दुनिया के सबसे बड़े प्रशासनिक अभ्यासों में से एक भारत की जनगणना का संचालन किया जाएगा। कागजी फॉर्म और रजिस्टरों की जगह अब हाथ से चलने वाले उपकरण, जियो-टैगिंग मैपिंग टूल और एक केंद्रीकृत वेब बेस्ड प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा। यह भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी। करीब 32 लाख फील्ड कार्यकर्ताओं (गणनाकार और पर्यवेक्षक) मोबाइल डिवाइस के माध्यम से करोड़ों घरों से जनसांख्यिकीय, सामाजिक और आर्थिक आंकड़े एकत्र करेंगे। यह डाटा सीएमएमएस प्रणाली के जरिए तुरंत ट्रांसमिट, संकलित और सत्यापित किया जा सकेगा।

डीजीसीए ने एयरलाइन टिकट रिफंड नियमों में किया बदलाव, नहीं लगेगा 48 घंटे के भीतर कोई अतिरिक्त शुल्क

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन टिकट रिफंड नियमों में संशोधन किया है। अब यात्री हवाई टिकट बुकिंग के 48 घंटे के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या बदल सकते हैं, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों। डीजीसीए ने यात्रियों के अनुकूल संशोधित नियम जारी किए हैं। इसके तहत एयरलाइन को यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि यात्री टिकट बुकिंग के 24 घंटे के भीतर अपने नाम में कोई गलती दिखाए और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया गया हो, तो इसका कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। डीजीसीए ने कहा, यदि टिकट ट्रैवल एजेंट या पोर्टल के माध्यम से खरीदी गई है, तो रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि हैं। एयरलाइन यह सुनिश्चित करें कि रिफंड प्रक्रिया 14 कार्यदिवसों के भीतर पूरी हो। इसके अलावा, यात्री या उसके परिवार के किसी सदस्य की चिकित्सा आपात स्थिति के कारण टिकट रद्द करने की शर्तों में भी बदलाव किए गए हैं। यह संशोधन इसलिए किया गया है, क्योंकि पिछले समय में यात्रियों की शिकायतें बढ़ रही थीं कि उन्हें समय पर रिफंड नहीं मिल रहा। टिकट रिफंड का मुद्दा दिसंबर 2025 में इंडिगो की उड़ानों में बाधा के दौरान भी सामने आया था।

'अब नहीं चलेगी परमाणु धमकी', भारतीय सेना ने पाकिस्तान को दी ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की चेतावनी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। चंढीगढ़

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव के बीच भारतीय सेना ने साफ संदेश दिया है कि अब पाकिस्तान की परमाणु धमकियों का कोई असर नहीं होगा। पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना की रणनीति बदल चुकी है और अगली कार्रवाई पहले से कहीं ज्यादा कड़ी होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत अब सिर्फ जवाब नहीं देगा बल्कि जमीन पर निर्णायक जीत हासिल करने की तैयारी में है।

क्या कहा सेना के पश्चिमी कमान प्रमुख ने?

पठानकोट में आयोजित एक सैन्य सम्मान समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सभी बड़े आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन भारतीय सेना ने उनके सैन्य और हवाई ठिकानों को भी तबाह कर दिया। उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हो गए थे कि पाकिस्तान को सीधे और अन्य देशों के जरिए युद्धविराम की मांग करनी पड़ी। सेना प्रमुख ने कहा कि अगली बार जवाब और ज्यादा कठोर होगा।

परमाणु धमकी पर सेना का सख्त रुख

लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने पाकिस्तान की ओर से बार-बार दी जाने वाली परमाणु युद्ध की धमकियों को 'न्यूक्लियर ब्लफ' बताया। उन्होंने कहा कि यह कमजोरी छिपाने की कोशिश है। उनके मुताबिक पाकिस्तान की सैन्य नेतृत्व व्यवस्था संघर्ष को जिंदा रखकर अपनी अहमियत बनाए रखना चाहती है। भारत शांति चाहता है, लेकिन अगर उकसाया गया तो इस बार जवाब सीमित नहीं रहेगा और दुश्मन को दुनिया के सामने हार स्वीकार करनी पड़ेगी।

सेना की तैयारी और नई रणनीति क्या है?

सेना अधिकारी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल जीत का जश्न नहीं बल्कि भविष्य की तैयारी का प्रदर्शन था। उन्होंने बताया कि सेना अब तकनीकी आत्मनिर्भरता पर तेजी से काम कर रही है। खास तौर पर ड्रोन तकनीक, आधुनिक हथियार और 100 प्रतिशत उपकरण तैयार स्थिति में रखे जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी युद्ध में सबसे बड़ी ताकत भारतीय जवान ही हैं, जिनकी ट्रेनिंग लगातार मजबूत की जा रही है। लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा कि खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और सेना पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की विचारधारा का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सैनिक किसी के सामने झुकने वाले नहीं हैं। उनका साफ संदेश था कि अगर पाकिस्तान ने फिर कोई गलती की तो इस बार जवाब सिर्फ आतंकी ठिकानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऐसा होगा कि दुश्मन लंबे समय तक याद रखेगा।

कृषि मंत्री ने पेड़ लगाने का किया आग्रह, कहा, इससे मेरा जन्मदिन सार्थक हो जाएगा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन आने वाला है। इस बीच उन्होंने गुरुवार को अपने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे उनके जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाएं और उसकी फोटो खींचकर उन्हें भेजें, जिससे उनका जन्मदिन सार्थक हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि प्रिय बहनों-भाइयों और भांजे-भांजियों, हमारा जीवन किसलिए है। वो कैसे सफल और सार्थक होगा। वो सार्थक होगा किसी अच्छे उद्देश्य के लिए जीने से। पर्यावरण का संरक्षण मेरे जीवन का एक पवित्र उद्देश्य रहा है। इसलिए मैं रोज पौधा लगाता हूं। 5 मार्च को मेरा जन्मदिन है। आप स्नेह के कारण, प्रेम और आत्मीयता के कारण उसे उत्साह से मनाते भी हैं। राजनीतिक क्षेत्र का कार्यकर्ता होने के कारण कई कार्यकर्ता होर्डिंग लगा देते हैं। कई शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह लेकर आते हैं। लेकिन, 5 मार्च को इस बार मेरी आप

मैं बीते 5 वर्षों से प्रतिदिन पौधा लगा रहा हूं: चौहान

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरे जन्मदिन पर न फूल-मालाएं, न शॉल, न श्रीफल, न स्मृति चिन्ह, न होर्डिंग, बस इस दिन एक पेड़ जरूर लगाएं। उसका फोटो अपलोड कर दें या मुझे भेज दें। मेरा जन्मदिन सार्थक हो जाएगा। हर सेवा महत्वपूर्ण है, लेकिन जब मैं गहराई में सोचता हूं तो पौधा लगाना इस दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है। पेड़ हर एक के काम आते हैं। मनुष्यों को जीने के लिए जरूरी हैं। कीट-पतंगे और पक्षी उनका घर और भोजन हैं पेड़। पशुओं को छांव भी देते हैं और भोजन भी देते हैं। धरती का श्रृंगार भी हैं और धरती का जीवन भी हैं पेड़। पौधा लगाना इस संसार की सबसे बड़ी सेवा है और इसीलिए तो मैं पौधा लगाता हूं। आप पौधा लगाएं, केवल मेरे जन्मदिन पर नहीं, अपने जन्मदिन पर भी। मैं बीते 5 वर्षों से प्रतिदिन पौधा लगा रहा हूं।

सबसे अपील है कि जन्मदिन को भी उद्देश्यपूर्ण बनाएं।

फडणवीस ने ताड़देव-नागपाड़ा-मुंबई सेंट्रल फ्लाईओवर का किया उद्घाटन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को ताड़देव-नागपाड़ा-मुंबई सेंट्रल फ्लाईओवर का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह फ्लाईओवर दक्षिण मुंबई में पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण लिंक है, जो यात्रियों को आवाजाही के लिए एक सुगम और वैकल्पिक रास्ता प्रदान करेगा। मुंबई सेंट्रल पर स्थित 130 साल पुराना ब्रिटिश कालीन पुल काफी जर्जर हो चुका था। प्रशासन ने इसे खतरनाक

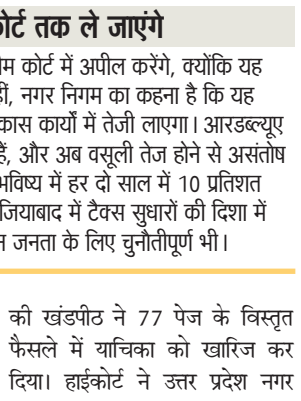

घोषित करने के बाद तोड़ दिया था। पिछले दो वर्षों से इस मार्ग पर कनेक्टिविटी बाधित थी। अधिकारियों का मानना है कि इस नए फ्लाईओवर के शुरू होने से जहांगीर बोमन बेहराम रोड (बेलासिस रोड), डॉ. दादासाहेब भडकमकर मार्ग (ग्रांट रोड), पाठे बापूराव मार्ग और महालक्ष्मी स्टेशन पुल पर ट्रैफिक का दबाव काफी कम हो जाएगा।

फ्लाईओवर की खासियतें

इस फ्लाईओवर की कुल लंबाई 333 मीटर है। इसमें पूर्वी हिस्सा 138.39 मीटर, पश्चिमी हिस्सा 157.39 मीटर और रेलवे सीमा के भीतर का हिस्सा 36.90 मीटर लंबा है।

गाजियाबाद संपत्ति कर विवाद: हाईकोर्ट ने पूर्व पार्षदों की याचिका खारिज की

- बढ़े टैक्स से भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के खिलाफ जनता का बढ़ा आक्रोश
- महापौर सुनीता दयाल ने पूर्व पार्षदों पर फोड़ा ठीकरा

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद नगर निगम द्वारा संपत्ति कर (हाउस टैक्स) में बढ़ोतरी के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी और अन्य पूर्व पार्षदों द्वारा दायर की गई थी, जिसमें नगर निगम के नए वर्गीकरण और किराया दरों में वृद्धि को चुनौती दी गई थी। कोर्ट के इस फैसले से 1 अप्रैल 2025 से लागू हुई बढ़ी हुई दरों पर टैक्स वसूली का रास्ता साफ हो गया है। जिससे शहर के करीब 5.5 से 6 लाख करदाताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की संभावना है। होली पर्व से पहले आए इस निर्णय ने जनपदवासियों की होली फीकी कर दिया है। जनता का गुस्सा अब भाजपा नेताओं और महापौर पर फूटने की आशंका है। भाजपा के सांसद,विधायक से लेकर प्रचंड बहुमत से निगम सदन में बहुमत वाली ट्रिपल इंजन सरकार के बावजूद जनता को भारी भरकम टैक्स की मार अब उनके लिए मुसीबत बनने वाला है। अब महापौर सुनीता दयाल उच्च न्यायालय के निर्णय के पीछे पूर्व पार्षदों की याचिका बताकर सारा ठीकरा फोड़ दिया है। जबकि पूर्व पार्षद इस मामले को उच्चतम न्यायालय तक ले जाने की बात कही है। गाजियाबाद नगर निगम ने पिछले साल अप्रैल 2025 से संपत्ति कर की नई दरें लागू करने का फैसला लिया था। यह फैसला 14 साल बाद लिया गया, क्योंकि आखिरी बार टैक्स दरें 2001 में तय की गई थीं और 2015 तक कोई बदलाव नहीं हुआ था। निगम प्रशासन द्वारा नई प्रणाली में शहर को सड़कों की चौड़ाई और विकास स्तर के आधार पर तीन

श्रेणियों ए, बी और सी में बांटा गया। श्रेणी ए में पॉश इलाके, बी में मध्यम और सी में स्लम या कम विकसित क्षेत्र को शामिल किया गया है। इसके अलावा, न्यूनतम मासिक किराया दरों में वृद्धि की गई और पुरानी छूटों को समाप्त कर दिया गया। इस फैसले के खिलाफ जून 2025 में पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी, हिमांशु मित्तल और अनिल स्वामी सहित अन्य ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर किया। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि नगर आयुक्त ने बोर्ड की सहमति के बिना मनमाने ढंग से दरें बढ़ाई। बढ़ाया गया दर जो पारदर्शी नहीं है और जनता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। इससे पहले जुलाई 2025 में नगर निगम सदन ने बढ़ोतरी के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से रद्द कर दिया था, लेकिन राज्य सरकार के निर्देश पर इसे फिर से लागू किया गया। मामला कई सुनवाइयों से गुजरा, जिसमें याचिकाकर्ताओं के वकील की अनुपस्थिति के कारण देरी भी हुई। आखिरकार, 25 फरवरी 2026 को मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने 77 पेज के विस्तृत फैसले में याचिका को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा 174 का हवाला देते हुए कहा कि नगर आयुक्त को संपत्तियों का वार्षिक मूल्य और किराया दरें निर्धारित करने का पूर्ण वैधानिक अधिकार है। शहर का तीन श्रेणियों में वर्गीकरण तर्कसंगत और पारदर्शी है, क्योंकि यह सड़कों की चौड़ाई जैसे 20 मीटर से अधिक और विकास के आधार पर किया गया। कोर्ट ने नोट किया कि नई दरें लागू करने से पहले जनता से आपत्तियां मांगी गई और 318 आपत्तियों का निस्तारण किया गया। साथ ही, याचिका को जनहित के बजाय राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित माना गया। राज्य सरकार का धारा 116 के तहत हस्तक्षेप भी कानूनी और उचित ठहराया गया, क्योंकि इसका उद्देश्य जनहित और निगम के राजस्व के बीच संतुलन बनाना था। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक सेवाओं जैसे स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली ग्रिड के बेहतर संचालन के लिए राजस्व जुटाना अनिवार्य है।

कौन है जिम्मेदार ?

इस टैक्स बढ़ोतरी की मुख्य जिम्मेदारी नगर आयुक्त पर है, जिन्होंने राज्य सरकार के निर्देश पर फैसला लिया। राज्य सरकार ने धारा 116 के तहत आयुक्त को निर्देश दिए कि निगम को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, क्योंकि पुरानी दरों से राजस्व घाटा हो रहा था और विकास कार्य प्रभावित थे। पूर्व पार्षदों ने आरोप लगाया कि नगर निगम प्रशासन और मेयर ने जनता की चिंताओं को नजरअंदाज किया, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। विपक्षी पार्टियां इसे सरकार की नीति का हिस्सा मान रही हैं, जबकि निगम अधिकारियों का कहना है कि यह शहर के विकास के लिए जरूरी कदम है। कुल मिलाकर, राज्य सरकार और नगर आयुक्त की भूमिका प्रमुख है, जबकि सदन ने शुरुआत में विरोध किया लेकिन लागू होने दिया।

जनता पर कितना बढ़ेगा टैक्स ?

टैक्स बढ़ोतरी की कोई निश्चित प्रतिशत नहीं बताई गई, लेकिन कुछ इलाकों में यह 3 से 4 गुना तक हो सकती है, खासकर डीएम सर्किल रेट के अनुरूप। नई दरें 1 अप्रैल 2025 से लागू हैं, और फरवरी 2026 तक छूट के साथ वसूली हो रही है। श्रेणी ए पॉश इलाके में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी, जबकि सी स्लम में कम बोझ रखा गया है ताकि गरीब प्रभावित न हों। उदाहरण के लिए, पुरानी एक समान दरों की जगह अब संपत्ति के प्रकार आवासीय, व्यावसायिक और स्थान के आधार पर गणना होगी। जिन्होंने पहले बढ़ी दरों पर भुगतान किया, उनकी राशि आगे समायोजित की जाएगी। जनपद के लगभग 6 लाख करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। लेकिन निगम का दावा है कि इससे शहर की सेवाएं बेहतर होंगी। पहले 20 प्रतिशत छूट की पेशकश की गई थी, लेकिन विरोधियों ने इसे 'लॉलीपॉप' बताया।

जनहित के मुद्दे को हम सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे

पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे, क्योंकि यह फैसला जनता की जेब पर 'डाका' है। वहीं, नगर निगम का कहना है कि यह फैसला निगम को मजबूत बनाएगा और विकास कार्यों में तेजी लाएगा। आरडब्ल्यूए और व्यापारी संघ पहले से विरोध कर रहे हैं, और अब वसूली तेज होने से असंतोष बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में हर दो साल में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रावधान रहेगा। यह मामला गाजियाबाद में टैक्स सुधारों की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है, लेकिन जनता के लिए चुनौतीपूर्ण भी।